रवि किशन का नया गाना 'मनी फॉलोज माई ब्रदर' रिलीज, वायरल डायलॉग से बना गाना

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 36
न्यूनतम - 31

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 253 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर शनिवार 12 सितम्बर 2026 | भाद्रपद शुक्ल 1 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

ट्रक-बोलेरो भिड़े, 8 लोगों की मौत

जेसीबी-क्रेन से गाड़ी हटाई गई, रायपुर से नागपुर जाते वक्त हादसा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

शुभेंदु ने मंदिर में बैठकर खाई मछली

- बागेश्वर बाबा के नॉन-वेज न खाने के विवाद को किया खत्म

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कालीघाट के मां काली मंदिर में बैठकर मछली खाई, जिससे ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी बाबा बागेश्वर के दुर्गापूजा में नॉन-वेज न खाने वाले विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रही है। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र शास्त्री ने बंगालियों से दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार छोड़ने की अपील की थी। वहीं धार्मिक मौकों पर मांस खाने वालों को ढोंगी बताया था। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने ही बाबा बागेश्वर की इस बात को खारिज किया था, लेकिन ये विवाद थम नहीं रहा था। अब शुभेंदु अधिकारी कालीघाट पहुंचे और उन्होंने मंदिर में बैठकर मछली का भोग खाया। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कल शाम कौशिकी अमावस्या के मौके पर कालीघाट का दौरा किया।

शराबकांड के मुख्य आरोपी को पैर में गोली मारकर पकड़ा

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को

पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है। जहरीली शराब पीने से अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती 3 और मरीजों ने दम तोड़ा था। हालांकि, प्रशासन 16 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने बुलडोजर चलाया था।

ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

- आईएमएफ ने की तारीफ, कहा-दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत
- अबकी जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर 7.8 फीसदी तक रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है। साथ ही भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन भी बताया है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऊर्जा संकट और वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी तेज रफ्तार बरकरार रखी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी दर्ज की गई है। आईएमएफ ने भारत के इस बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत सर्विसेज सेक्टर और बेहतर एक्सपोर्ट के दम पर यह ग्रोथ उम्मीद से काफी बेहतर रही है। आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजाक ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ उनके अनुमान और मार्केट एक्सपर्ट्स की उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सर्विसेज और एक्सपोर्ट में बेहतर प्रदर्शन ने इस ग्रोथ को रफ्तार दी है। जूली कोजाक के मुताबिक, यह प्रदर्शन दिखाता है कि एनर्जी प्राइस

शॉक के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और भारत दुनिया के लिए प्रमुख ग्रोथ इंजन बना हुआ है।

आरबीआई के अनुमान से ज्यादा रही विकास दर

पहली तिमाही का यह 7.8 फीसदी का आंकड़ा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 7 फीसदी के पिछले अनुमान से भी ज्यादा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही में देश की रियल जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 75.46 लाख करोड़ रुपए थी। आईएमएफ ने भारत के जीडीपी आंकलन की व्यवस्था में किए गए बदलावों और इसके आधुनिकीकरण का स्वागत किया है। जूली कोजाक ने बताया कि नवीनतम डेटा में नया इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स सीरीज शामिल की गई है। आईएमएफ के अनुसार, इन नए बदलावों से जीडीपी आंकड़ों की सटीकता नजर आई है।

तमिलनाडु के मंदिरों में अब लागू होगी नई व्यवस्था

मंदिरों के प्रसाद की क्वालिटी और कीमत होगी तय

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंदिरों में मिलने वाले प्रसाद की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत को लेकर थलपति विजय की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।। प्रसाद को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने 10 तरह के आम प्रसाद के लिए एक मास्टर स्कीम तैयार की है। इसके तहत पूरे राज्य में भक्तों को तय मानक के अनुसार प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा।

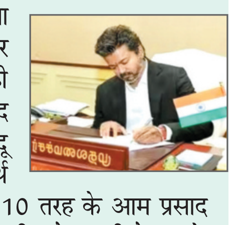

ब्रिक्स में पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज, कमजोर देश खुद को जी7 क्यों कहते हैं

पीएम मोदी बोले- ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जी7 पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आता कि जी7 को 'ग्रुप ऑफ सेवन' क्यों कहा जाता है।

पुतिन ने कहा कि पिछले 5 साल में दुनिया की 40 प्रतिशत से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई है, जबकि जी7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29 प्रतिशत रही। दुनिया की आर्थिक ग्रोथ में भी इसकी हिस्सेदारी आधे से ज्यादा रही, जबकि जी7 का योगदान सिर्फ 18 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह ब्रिक्स देशों की आधी से ज्यादा आबादी और उनके तेजी से बढ़ते घरेलू बाजार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने भी फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी और 25 प्रतिशत से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं।

भारत खरीद सकता है रडार में पकड़ न आने वाला विमान

पीएम मोदी-पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट तक चली चर्चा

एयरस्ट्राइक में गेमचेंजर साबित होगा, सुखोई-57 फाइटर जेट की भी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में द्विपक्षीय बैठक हुई, जो करीब 45 मिनट चली। बैठक से पहले मोदी ने पुतिन का गले लगाकर स्वागत किया और उन्हें तमिल कवि तिरुवल्लुवर की प्रसिद्ध रचना तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया। पीएम मोदी-पुतिन के बीच क्या बातचीत हुई है अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों में बड़ी डिफेंस डील संभव है। भारत रडार की पकड़ में न आने वाला सुखोई-57 फाइटर जेट खरीद सकता है। रूस ने इसे बनाने और जरूरी तकनीक साझा करने की पेशकश की है। सुखोई-57 एक एडवांस स्टेल्थ फाइटर जेट है। यह एयरस्ट्राइक में गेमचेंजर होगा।

पुतिन को भेंट की महाकाव्य 'तिरुक्कुरल' फिर समझाया जीवन का सार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तमिल किताब तिरुक्कुरल भेंट की है। यह पुस्तक तमिल लेखक संत तिरुवल्लुवर ने लिखी है और पुतिन को इसका रूसी संस्करण दिया गया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के भारत आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत के लिए भारत मंडपम पहुंचे तो पीएम मोदी ने उन्हें प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरलरूसी अनुवाद सौंपा। तिरुक्कुरल तमिल संत, कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर ने लिखी है। करीब 2000 साल पुरानी इस तमिल किताब का रूसी अनुवाद नायरा मकर्चयन ने किया है। इस प्राचीन ग्रंथ को सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल ने प्रकाशित किया है। इस पुस्तक में मूल तमिल पाठ के छंदों का रूसी अनुवाद है।

'ब्रिक्स' में भाग लेने भारत पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति

पेजेशकियान ने कहा, एकतरफा रवैये का मुकाबला करेंगे

मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, संबंधों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां लगभग-लगभग पूरी हो चुकी है। ऐसे में अब दुनियाभर के नेताओं का आगमन भी लगातार चर्चा में है। इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंच गए हैं। यहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। ईरानी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स की बात की।

अमेरिकी डॉलर को लेकर भी बोले पेजेशकियान

पेजेशकियान आगे कहा था क ब्रिक्स के भीतर एक विशेष बैंक बनाया गया है और हम देशों के बीच आपसी निवेश को बढ़ावा देने जा रहे हैं ताकि सदस्य देशों के बीच लेन-देन डॉलर पर निर्भरता के बिना हो सके। इससे अमेरिकी डॉलर की मनमानी और आधिपत्य को कम करने में मदद मिलेगी। इतना ही नहीं पेजेशकियान ने बताया कि इस सम्मेलन में स्वतंत्रता, एकजुटता, स्थिरता, प्रतिरोध और इनोवेशन जैसे मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक बात की।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश

राहुल बोले-इंदौर में छात्रों की गूंज से 8 दिन पहले सुझाव मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं।

ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस में मचा घमासान

पूर्व वित्तमंत्री चिदंबरम ने पूछा-ब्रिक्स से देश को क्या मिला

थरूर बोले-11 देशों को एक मंच पर लाना भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस के दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने पूछा था, 'इस ब्रिक्स से भारत को क्या फायदा हुआ।' देश में 2012, 2016 और 2021 में भी समिट हो चुके हैं। उधर, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने समिट के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन होना देश की कूटनीतिक ताकत को दिखाता है। 11 देशों के बड़े नेताओं का भारत आना और उन्हें एक मंच पर लाना भारत की दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दर्शाता है। 18वें ब्रिक्स समिट का आयोजन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होगा। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के शी जिनपिंग समेत 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेता शामिल हो रहे हैं।

चिदंबरम ने कहा था- इन संगठनों की सदस्यता पर विचार हो- चिदंबरम ने बुधवार को सवाल किया था कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन संगठनों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। थरूर ने शनिवार को ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ में 100 से ज्यादा देश हैं, लेकिन ब्रिक्स में शामिल 11 प्रमुख देश दुनिया की बड़ी आबादी और करीब 41 फीसदी वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस साल ब्रिक्स की कमान भारत के पास है।

राष्ट्रपति संग सख्त ड्यूटी, शादी नहीं कर सकता एडीसी

- अचानक रिटायर हुए मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल ने खोले राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के एडीसी रह चुके मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल तुरंत ही इंटरनेट पर छा गए थे। हालांकि, 30 साल की उम्र में इस्तीफा देकर उन्होंने सभी को चौंका दिया। काफी अटकलों के बाद ऋषभ ने अब समय से पहले रिटायरमेंट लेने के पीछे की अपनी बेहद निजी वजहों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने एडीसी रहते हुए किए गए त्याग के बारे में भी बताया और साफ किया कि उनका यह फैसला पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से था, न कि किसी निजी असंतुष्टि के कारण। मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल को अपनी ड्यूटी और परिवार के बीच एक मुश्किल चुनाव करना पड़ा। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल ने कभी भी यूनिफॉर्म

पहनने को सिर्फ एक करियर के तौर पर नहीं देखा। बल्कि, यह उनके लिए जीवन भर का एक सपना सच होने जैसा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सेना छोड़ने के बारे में नहीं सोचा था। खासकर तब, जब उन्होंने उस सपने को पूरा करने और उसे जीने में अपनी जिंदगी का एक दशक से ज्यादा समय लगाया हो।

किसी एक को चुनने की चुनौती- मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल ने आगे बताया कि इस्तीफा देने से पहले उन्होंने खुद को एक ऐसे चौराहे पर पाया, जहां उन्हें व्यक्तिगत आकांक्षाओं और अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदारियों के बीच में से किसी एक को चुनना था। अपनी महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देने के बजाय उन्होंने माता-पिता के साथ रहने का फैसला किया।

परिवार से बातचीत के बाद फैसला- मेजर ऋषभ के मुताबिक सेना छोड़ने का फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया था। उन्होंने बताया कि यह फैसला लेना दुखद था, लेकिन यह एक जरूरी त्याग था, जो उन्होंने सोच-समझकर और परिवार से बातचीत के बाद किया।

सख्त प्रोटोकॉल का पालन किया

मेजर से उनके रिटायरमेंट के अलावा भारत के राष्ट्रपति का एडीसी बनने के लिए किए गए सबसे बड़े बलिदान के बारे में भी पूछा गया। उन्होंने खुलासा किया कि भारत के राष्ट्रपति के एडीसी के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें सख्त प्रोटोकॉल का पालन करना पड़ा, जिससे उनका निजी जीवन सीमित हो गया। सबसे अहम पाबंदियों में से एक यह थी कि एडीसी को अपने कार्यकाल के दौरान शादी करने की इजाजत नहीं होती।

कई चीजों का त्याग करना पड़ा

पूर्व अधिकारी ने माना कि इस काम में अकेलापन भी था, क्योंकि उन्हें अपने परिवार से दूर लंबे समय तक रहना पड़ता था और निजी जीवन के लिए बहुत कम समय मिल पाता था। असल में सार्वजनिक कर्तव्य की लगातार मांगों के कारण उन्हें कई ऐसे अनुभवों का त्याग करना पड़ा, जिन्हें आम लोग बहुत सामान्य मानते हैं। फिर भी उनका नजरिया अलग था और वे इसे आत्म-चिंतन के एक अवसर के रूप में देखते थे।

त्योहार से पहले यूपी की 681 सड़कें होंगी गड्ढा मुक्त

सीएम योगी का निर्देश शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और बाजारों की सड़कें प्राथमिकता पर सुधारें

लखनऊ (एजेंसी)। बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों को अब तत्काल आवागमन योग्य बनाया जाएगा। बरसात अभी जारी रहने के कारण फिलहाल क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर उन्हें मोटरेबल किया जाएगा, जबकि बारिश खत्म होने के बाद उसे सुधारा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली। अधिकारियों को सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखने और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का सर्वे कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा।

चार घंटे टावर की चोटी पर बैठा रहा युवक, पुलिस ने मशक्कत के बाद सुरक्षित उतारा

सुबह पांच बजे रेलवे स्टेशन के पास टावर पर चढ़ा कुलदीप, नौ बजे नीचे आया; चीन-अमेरिका से जोड़कर करता रहा अजीबोगरीब बातें, पाकिस्तान को भी कोसता रहा

मुजफ्फरनगर। शुक्रवार सुबह रेलवे स्टेशन के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अचानक ऊंचे टावर की चोटी पर जा चढ़ा। युवक को टावर के ऊपर देखकर आसपास के लोगों में हादसे की आशंका पैदा हो गई और मौके पर भीड़ जमा हो गई। राहगीर भी रुककर युवक से नीचे उतरने का आग्रह करते रहे, लेकिन वह काफी देर तक टावर से नीचे आने को तैयार नहीं हुआ। सूचना मिलते ही नई मंडी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

सुबह पांच बजे टावर पर चढ़ा युवक

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे एक युवक रेलवे स्टेशन के पास स्थित ऊंचे टावर पर चढ़ गया। सुबह के समय टावर पर युवक को चढ़ते देखकर आसपास मौजूद लोगों का ध्यान उसकी ओर गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों को आशंका थी कि युवक किसी भी समय नीचे गिर सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को आवाज लगाकर नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वह उनकी बात मानने के बजाय टावर की चोटी पर ही बैठा रहा।

चार घंटे तक टावर पर चला हाईवोल्टेज ड्रामा

युवक करीब सुबह पांच बजे से नौ बजे तक टावर पर रहा। इस दौरान नीचे मौजूद लोग लगातार उसे समझाने और सुरक्षित नीचे आने के लिए कहते रहे। पुलिस के पहुंचने के बाद भी उसे नीचे उतारना आसान

नहीं था। पुलिसकर्मियों ने काफी देर तक बातचीत कर उसे विश्वास में लिया और किसी तरह नीचे आने के लिए राजी किया। करीब चार घंटे बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया, जिसके बाद पुलिस और आसपास मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

खुद को गांधी नगर निवासी कुलदीप बताया

पुलिस के अनुसार नीचे उतरने के बाद युवक ने अपना नाम कुलदीप निवासी गांधी नगर बताया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टावर पर रहने के दौरान युवक बहकी-बहकी बातें कर रहा था और उसके बयानों से उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही थी। युवक बार-बार अपनी बातों को चीन और अमेरिका से जोड़ रहा था। वह कह रहा था कि चीन और अमेरिका को तीन तारे दिखाई दिए हैं और इसका पता सभी को चल जाएगा। उसकी बातें सुनकर नीचे खड़े लोग भी हैरान रह गए।

टावर पर झंडा लगाने की भी बात कही

युवक ने टावर की चोटी पर झंडा लगाने की बात भी कही। वह कह रहा था कि ऊपर लगाया गया झंडा और उसकी गतिविधियां सोलर लाइट के जरिए देख ली गई हैं और संबंधित लोग उसे यहां नहीं रहने देंगे, बल्कि अपने साथ ले जाएंगे। उसकी इस तरह की बातें सुनकर मौके पर मौजूद लोगों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए युवक को बातचीत के जरिए शांत करने का प्रयास जारी रखा।

चीन-अमेरिका से जोड़ता रहा अपनी बातें, पाकिस्तान को भी कोसा

युवक नीचे उतरने के दौरान भी लगातार चीन और अमेरिका का जिक्र करता रहा। वह कह रहा था कि उसका सारा हिसाब चीन और अमेरिका से लगा हुआ है। इसी दौरान वह पाकिस्तान को भी कोसता रहा और कई बातें आपस में जोड़कर बोलता रहा।

उसकी बातों का कोई स्पष्ट संदर्भ सामने नहीं आया। पुलिस ने युवक को समझाते हुए पहले सुरक्षित नीचे उतारा और इसके बाद उसे अपने साथ ले गई।

युवक के कई घंटे तक ऊंचे टावर पर रहने से किसी भी समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी।

अनमोल वचन

हमारे देश की औसत आयु में वृद्धि हुई है जिसके कारण बुजुर्गों की संख्या में भी वृद्धि हुई है परन्तु आजकल बुजुर्ग लोग उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। यहाँ तक कि बुजुर्गों के लिये अच्छा भोजन, अच्छे वस्त्र, शौक के साथ रहने आदि पर भी परिवार के सदस्यों द्वारा प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है। दुर्भाग्य देखिये जब कभी हमारे बुजुर्ग सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं तो उन्हें फालतू घोषित कर दिया जाता है जैसे रिटायर होना कोई अपराध हो। उन्हें अपने ही परिवार में अपमानित किया जाता है। जिनकी नौकरी में पेंशन की कोई व्यवस्था नहीं, छोटे दुकानदार, मजदूर, छोटे किसान आदि तो नारकीय जीवन जीने के बाध्य हैं। ऐसी परिस्थितियों से तंग आकर वे जीवन का मोह छोड़ देते हैं। अपने ही बच्चों द्वारा उपेक्षा का दंश झेलना उनके लिये असहनीय हो जाता है। इसलिए महत्वपूर्ण बात यह है कि जीवन के प्रति आकर्षण, मोह, प्रेम और करुणा को कैसे बनाकर रखा जाये। किसी चीज के लिये जीवन में लगाव या आकर्षण तो होना ही चाहिये। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके बिना जीवन का कोई अर्थ ही नहीं और अर्थहीन जीवन को नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसा नहीं कि वृद्ध लोग वृद्ध हो जाने के कारण फटा हुआ कपड़ा, सूखी रोटी और उदास वातावरण में रहना शुरू करें। यदि आपके मन में सुन्दर वस्तुओं के प्रति, सुन्दर दृश्य, सुन्दर भोजन, नदियों झरनों के संगीत, चिड़ियों के कलरव के मोहक गीतों से वितृष्णा और वैराग्य उत्पन्न हो जाता है तो समझना कि मृत्यु निकट है। उदासी और निराशा में जीने वाले असमय ही अकाल मृत्यु को प्राप्त करते हैं।

भाकियू टिकैत की टीम हुई मजबूत, लोकेश कटारिया लक्की को मिली बड़ी जिम्मेदारी, वार्ड अध्यक्ष बने

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने महानगर मुजफ्फरनगर में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में वार्ड अध्यक्षों की प्रथम सूची जारी कर दी है। जारी सूची में गांधी कॉलोनी निवासी लोकेश कटारिया लक्की पुत्र भगवानदास कटारिया को वार्ड संख्या 37 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही क्षेत्र के कार्यकताओं, समर्थकों एवं संगठन से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। नवनियुक्त वार्ड अध्यक्ष लोकेश कटारिया लक्की ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को वार्ड स्तर पर मजबूत करना तथा अधिक से अधिक लोगों को भारतीय किसान यूनियन से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। लोकेश कटारिया ने कहा कि किसानों, व्यापारियों, मजदूरों और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना तथा उनकी आवाज को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना उनका प्रमुख उद्देश्य रहेगा। वार्ड 37 के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य किया जाएगा और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उनकी नियुक्ति पर चौधरी नरेश टिकैत, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन तथा चौधरी राकेश टिकैत, राष्ट्रीय प्रवक्ता सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि लोकेश कटारिया लक्की संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को वार्ड स्तर तक मजबूती से पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अनुपम शांडिल्य, महानगर मीडिया प्रभारी विकास अत्री, महानगर महामंत्री समनदीप सिंह तथा महानगर संगठन मंत्री हीरा सिंह ने भी लोकेश कटारिया लक्की को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। संगठन के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि लोकेश कटारिया लक्की के नेतृत्व में वार्ड 37 में भारतीय किसान यूनियन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। साथ ही किसानों, व्यापारियों, मजदूरों और आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर संगठन की गतिविधियों को और विस्तार दिया जाएगा।

नावला रिसोर्ट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, मुकदमा दर्ज

भांजे और उसके दोस्त के साथ स्कूटी से मंसूरपुर जा रहा था युवक, राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर हादसे में जैद की गई जान; अज्ञात वाहन चालक की तलाश

खतौली । खतौली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर नावला रिसोर्ट के पास सड़क हादसे में युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हादसा करीब दो महीने पहले हुआ था। मृतक अपने मामा और दोस्त के साथ स्कूटी पर सवार होकर मंसूरपुर जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दी थी। हादसे में जैद की मौत हो गई।

मंसूरपुर जाते समय हुआ हादसा

मेरठ के थाना नौचंदी क्षेत्र निवासी मतीन पुत्र जलालुद्दीन ने खतौली थाने में दी तहरीर में बताया कि 4 जुलाई 2026 की रात करीब 8:30 बजे वह अपने भांजे जैद पुत्र शौकत अली और उसके दोस्त अमान पुत्र ताहिर, निवासी आजाद कॉलोनी, थाना लिसाड़ी गेट, मेरठ के साथ स्कूटी संख्या वढ15 ऋ8359 से मंसूरपुर जा रहा था।

नावला रिसोर्ट के पास अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

तहरीर के अनुसार तीनों स्कूटी से राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर जा रहे थे। इसी दौरान नावला रिसोर्ट के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कूटी सवार सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में जैद की हुई मौत

हादसे में जैद पुत्र शौकत अली को गंभीर चोटें आईं। उपचार के दौरान अथवा हादसे में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दो महीने बाद थाने पहुंची तहरीर

घटना के संबंध में मतीन ने 10 सितंबर 2026 को थाना खतौली में तहरीर देकर पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की। तहरीर में अज्ञात वाहन चालक के बारे में कोई पहचान नहीं होने की बात सामने आई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुटी पुलिस

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस अब हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर नावला रिसोर्ट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हादसा करने वाले वाहन की पहचान के प्रयास किए जा सकते हैं। पुलिस वाहन और चालक का पता लगाने के साथ हादसे के कारणों की भी जांच करेगी।

परिवार ने की कानूनी कार्रवाई की मांग

मृतक के परिजनों ने पुलिस से हादसे के लिए जिम्मेदार वाहन चालक का पता लगाकर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

खतौली व मीरापुर में जुमे की नमाज पर रहा अलर्ट: पुलिस दल ने किया पैदल गश्त, ड्रोन से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी

शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

खतौली/मीरापुर। सहारनपुर में मस्जिद प्रकरण से जुड़ी घटना के बाद क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के मद्देनजर शुक्रवार को पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा का जायजा लेने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने भारी पुलिस बल के साथ खतौली कस्बे के संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त (फ्लैग मार्च) किया। वहीं मीरापुर कस्बा में भी पुलिस की कडी सुरक्षा के बीच जुमें की नमाज पढी गई।

ड्रोन कैमरों से निगरानी, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर

खतौली में एसएसपी ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की, जहां नगर के अति संवेदनशील और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर ड्रोन कैमरों के जरिए आसमान से भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने मातहत

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि असामाजिक और शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क मोड में रहे।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

सुरक्षा समीक्षा के दौरान एसएसपी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया के सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति ने अफवाह फैलाने, भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने या माहौल खराब करने का प्रयास किया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जाएगा। इस गश्त के दौरान सीओ रूपाली राय चौधरी और थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल सहित भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मीरापुर में मस्जिदों पर तैनात रहा भारी पुलिस बल

उधर, सहारनपुर घटनाक्रम को लेकर मीरापुर कस्बे में भी प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर दिखा। क्षेत्र की सुरक्षा के दृष्टिगत प्रमुख मस्जिदों–शाही जामा मस्जिद, थावर वाली मस्जिद, चांद-तारा मस्जिद, कमलयान मस्जिद और कुरैशियान मस्जिद–पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया।

थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर नमाजियों से शांतिपूर्वक नमाज अदा करने और नमाज के बाद बिना भीड़ जुटाए अपने-अपने घरों को जाने की अपील की गई। नमाज सकुशल और शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। एहतियात के तौर पर पुलिस बल देर शाम तक क्षेत्र में गश्त करता रहा।

पिटबुल ने पालतू कुत्ते को मार डाला, मालिक पर धमकी देने का आरोप

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम शिवपुरी में पिटबुल कुत्ता पालने को लेकर विवाद सामने आया है। गांव निवासी सुकरमपाल पुत्र दयाराम ने थाने में तहरीर देकर पड़ोसी पर पिटबुल कुत्ता पालने का आरोप लगाया है। ग्रामीण का कहना है कि उक्त कुत्ता गांव में अन्य कुत्तों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहा है तथा कई कुत्तों की जान भी जा चुकी है।

सुकरमपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ दिन पूर्व उसके पालतू कुत्ते पर भी पिटबुल ने हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सुकरमपाल ने पिटबुल कुत्ते के मालिक से शिकायत की और उसे कुत्ते को नियंत्रित रखने के लिए कहा। आरोप है कि शिकायत करने पर कुत्ते के मालिक ने उसके साथ गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए उसे घर से भगा दिया। पीड़ित ग्रामीण ने

मामले को लेकर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े तथ्यों और लगाए गए आरोपों की छानबीन की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा बैराज के गेट नंबर 28 से युवक ने लगाई छलांग, तलाश जारी

रामराज। गंभीर बीमारी से परेशान एक युवक ने गंगा बैराज के गेट नंबर 28 से गंगा में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई। देर शाम तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका।

जितेंद्र शर्मा पुत्र महेंद्र शर्मा निवासी प्रगति विहार, बिजनौर काफी समय से बीमारी से ग्रस्त चल रहा था। बीमारी के चलते वह मानसिक रूप से परेशान और अवसाद में बताया जा रहा था। मंगलवार सुबह वह गंगा बैराज पहुंचा और गेट नंबर 28 पर जाकर अचानक गंगा में छलांग लगा दी। वहां मौजूद कुछ लोगों ने उसे गंगा में कूदते हुए देख लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई। घटना की जानकारी मिलने पर युवक के परिजन भी गंगा बैराज पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।युवक की तलाश के लिए पीएसी के गोताखोरों को भी मौके पर बुलाया गया। गोताखोर देर शाम तक गंगा में युवक की तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने बताया कि युवक की तलाश लगातार जारी है। जब तक युवक का पता नहीं चलता, पुलिस और गोताखोरों की टीम अभियान जारी रखेगी।

रक्तदान शिविर में युवक की तबीयत बिगड़ी, स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर पहुंचकर रुकवाया कैंप

मीरापुर। थाना चैराहे पर बिना अनुमति लगाए गए रक्तदान शिविर में उस समय हंगामा हो गया, जब रक्तदान कर रहा एक युवक अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिविर लगाने वाले लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने भेज दिया। बाद में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शिविर को बंद करा दिया। हालत बिगडने पर युवक को हास्पिटल में एडमिट कराया गया जहां पर उसके हाल जानने के लिए जानसठ सीएचसी प्रभारी डा. अर्जुन सिंह, कस्बा इंचार्ज ओमेन्द्र सिंह पहुंचे तथा उसे एम्बुलेंस के माध्यम से जानसठ सीएचसी में भर्ती कराया।

बताया गया कि थाना चैराहे पर एक वैन खड़ी थी, जिसमें क्षेत्र के लोगो से रक्तदान कराया जा रहा था।

पूछताछ करने पर आयोजकों ने बताया कि शिविर सर्वोदय चैरिटेबल ब्लड सेंटर, मुजफ्फरनगर की ओर से लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना सीएचसी जानसठ के प्रभारी डा. अर्जुन सिंह को दी। इसी दौरान खतौली रोड निवासी साहिल उर्फ पुत्र राशिद रक्तदान कर रहा था। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने जब पूछताछ की तो कथित तौर पर करीब एक लीटर रक्त निकाले जाने की बात सामने आई, जिसके बाद वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कस्बा इंचार्ज ओमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने शिविर लगाने वाले लोगों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। इसके बाद सीएचसी डा. प्रभारी अर्जुन सिंह को सूचना दी गई। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक ने मौके पर पहुंचकर शिविर की जांच की। अधिकारियों के अनुसार निर्धारित मात्रा से अधिक रक्त लिए जाने की स्थिति में संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बेहोश हुए राजा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी थी। डा. अर्जुन सिंह ने बताया किया जांच के बाद रक्तदान करने वाले युवक का एक पोंड से ज्यादा खून लिया गया है इसकी पुष्टि होने पर आयोजको के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी।

खतौली में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया कृष्ण छठी महोत्सव

भव्य महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया कढ़ी-चावल

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर के जानसठ तिराहा स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर में भगवान श्री कृष्ण का 'छठी महोत्सव' परम श्रद्धा, भक्ति और अपार उल्लास के साथ धूमधाम से आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह तड़के से ही मंदिर में दर्शनार्थियों के पहुंचने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह देर शाम तक अनवरत जारी रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने नतमस्तक होकर भगवान श्री कृष्ण के दर्शन किए और अपने परिवार की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की।

जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर, महाआरती संपन्न

महोत्सव के विशेष अवसर पर मंदिर परिसर में आचार्यों द्वारा विधि-विधान और वैदिक परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इसके उपरांत मुख्य महाआरती का आयोजन हुआ। आरती के समय श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' और भगवान श्री कृष्ण के गगनभेदी जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। सभी भक्तों ने भक्तिभाव में लीन होकर आरती में सहभागिता की और प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक रस से सराबोर नजर आया।

विशाल भंडारे का बांटा प्रसाद

महाआरती के समापन के तुरंत बाद मंदिर कमेटी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को कढ़ी-चावल, हलवा और गरमा-गरम जलेबी का स्वादिष्ट प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर और आसपास के समूचे जानसठ तिराहा क्षेत्र में उत्सव जैसा रंगीन माहौल बना रहा। मंदिर में उमड़ी भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन और मंदिर कमेटी के कार्यकताओं ने सराहनीय भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन करने तथा प्रसाद ग्रहण करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार चाक-चौबंद व्यवस्था बनाए रखी गई।

सिंचाई व विधुत विभाग की शिकायतों पर मंथन, वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। ग्राम कूकड़ा में राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सिंचाई एवं विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों और विभागीय अभिलेखों की जांच के दौरान सामने आए मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विभागीय स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं, सरकारी अभिलेखों के उचित रखरखाव में लापरवाही और स्टॉक व उपकरणों के सत्यापन में बरती जा रही कथित अनियमितताओं को गंभीरता से उठाया गया। समिति की ओर से इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई। समिति के संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश नरेंद्र कुमार उपाध्याय की ओर से जारी पत्र के अनुसार सिंचाई विभाग एवं विद्युत विभाग में शिकायतों से संबंधित अभिलेखों का नियमानुसार अवलोकन किया गया। अभिलेखों की जांच के दौरान प्रथमदृष्टया बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के साथ कार्यालयीय अभिलेखों के समुचित रखरखाव में गंभीर लापरवाही सामने आने का दावा किया गया है। समिति ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को आवश्यक बताया है।

जांच के दौरान यह बात सामने आने का उल्लेख किया गया है कि जूनियर इंजीनियरों द्वारा मासिक रूप से स्टॉक और टीएंडपी का सत्यापन अथवा विवरण उपखंड स्तर पर प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। इसके कारण पिछले करीब पांच वर्षों के स्टॉक और टीएंडपी रजिस्टरों का उपखंड स्तर पर नियमानुसार मिलान और बंदी नहीं की गई। खंडीय स्तर पर भी टीएंडपी रजिस्टरों का समुचित मिलान नहीं होने की बात कही गई है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री रोबिन सिंह, पुत्र श्री विनोद कुमार, AGF 5, निकट लाल किल्ला होटल, अंसल कन्टरीयार्ड, मेरठ, उ०प्र० के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0-MZDA/BP/COMP/25-26/0739 के द्वारा अपनी भूमि खसरा सं0-39/2/1, कल्लरपुर-कछैली मार्ग, ग्राम-जटनंगला, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ०प्र० के कुल क्षेत्रफल 17928.83 वर्गमी० (कुल नेट क्षेत्रफल 17928.83 वर्गमी०) पर "विद्यमान फैक्टरी (हजार्यिस एण्ड पॉल्यूटिड)" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल खसरा सं0-39/2/1, कल्लरपुर-कछैली मार्ग, ग्राम-जटनंगला, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार "कृषि" भू-उपयोग में दर्शित है।

अवगत कराना है कि उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आर्दश जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आर्दश जोनिंग रेगुलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 3.6 के अनुसार "कृषि" भू-उपयोग के अन्तर्गत "हजार्यिस एण्ड पॉल्यूटिड" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगुलेशन/महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य / सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेंगें एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 12 सितम्बर '2026 पृष्ठ 3

मुजफ्फरनगर और शामली के चार युवक रूस में फंसे: कॅरिअर बनाने विदेश गए थे, झूठे मुकदमों में फंसाने व सेना में भर्ती कराने की आशंका

परिवारों ने पीएम मोदी और विदेश मंत्रालय से लगाई वापसी कराने की गुहार

मुजफ्फरनगर/शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक युवा अपना कॅरिअर बनाने की फिराक में विदेशों का रुख करते आ रहे हैं, कई युवक डंकी रुट और अनाधिकृत एजेंटो के जरिए विदेश में जाकर फंस जाते हैं। ऐसा ही एक मामला बेहतर भविष्य और उच्च शिक्षा का सपना लेकर रूस गए मुजफ्फरनगर और शामली के तीन युवकों के संदिग्ध परिस्थितियों में फंसने और लापता होने का मामला सामने आया है। इनमें मुजफ्फरनगर जिले के चरथावल थाना क्षेत्र के दो युवक और पड़ोसी जिले शामली के हसनपुर लुहारी का एक छात्र शामिल है। तीनों युवकों से परिजनों का बीते लगभग डेढ़ महीने से कोई संपर्क नहीं हो सका है। दूसरी आरे मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव बड़सू निवासी 26 वर्षीय युवक को रूस में नौकरी का झांसा देकर वहां बुलाया गया और उसका पासपोर्ट अपने कब्जे में लेकर उसे कथित तौर पर मादक पदार्थों की सप्लाई के आरोप में जेल में डाल दिया।

एक ही कमरे में रहते थे तीनों: 30 जुलाई के बाद से फोन बंद

प्राप्त विवरण के अनुसार, मुजफ्फरनगर के चरथावल ब्लॉक अंतर्गत बाढ़ गांव निवासी हिमांशु शर्मा, पीपलशाह गांव निवासी शक्ति (पुत्र विपिन पुंडीर) और

शामली के हसनपुर लुहारी निवासी आशू सैनी (पुत्र राकेश कुमार) रूस में एक ही कमरे में रहकर पढ़ाई व काम कर रहे थे। हिमांशु की मां सुमन देवी और शक्ति के पिता विपिन पुंडीर ने बताया कि बेटों से अंतिम बार बातचीत 30 जुलाई को हुई थी। रक्षाबंधन के त्योहार पर भी बहनों का भाइयों से संपर्क नहीं हो सका। वहीं, मॉस्को स्टेट लिंग्विस्टिक यूनिवर्सिटी में भाषा विज्ञान का कोर्स कर रहे शामली के आशू सैनी की बहन अंशुल ने बताया कि 30 जुलाई को केवल 30 सेकंड की बात में आशू ने 'कल फिर बात करने' की बात कही थी, जिसके बाद से उसका फोन लगातार बंद आ रहा है। पीड़ित परिवारों का गंभीर आरोप है कि रूसी प्रशासन व स्थानीय नेटवर्क द्वारा युवकों को ड्रग्स के झूठे मुकदमों का भय दिखाकर जबरन रूस की सेना में भर्ती करने का दबाव बनाया जा रहा है। फोन बंद होने और संपर्क टूटने के बाद से तीनों युवकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है।

दावा- 'सेना के लोग ले गए', एजेंट दे रहा धमकियां

आशू के परिजनों का दावा है कि जब उन्होंने रूस स्थित विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क साधने की कोशिश की, तो वहां से बताया गया कि आशू को रूसी सेना के लोग अपने साथ ले गए हैं। हालांकि, उन्हें किस वजह से ले जाया गया, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले आशू के पिता राकेश कुमार ने आरोप लगाया कि जिस एजेंट के जरिए बेटे को विदेश भेजा गया था, वह अब मदद करने के बजाय सोशल मीडिया पर धमकियां दे रहा है। परिजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर बेटों की सकुशल बरामदगी और भारत वापसी की गुहार लगाई है।

ड्रग्स केस का डर दिखाकर सेना में भर्ती का दबाव?

मामले को लेकर किसान मजदूर संगठन के अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों युवक स्टडी वीजा के नाम पर रूस जाकर इस नेटवर्क में फंस चुके हैं।

विदेश मंत्रालय को दी जानकारी

स्टडी और वर्क वीजा पर गए भारतीय युवकों को वहां परिवार से बात नहीं करने दी जा रही। जो युवक रूसी सेना में शामिल होने से मना करते हैं, उन पर ड्रग्स रखने के फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर जेल भेजने या सजा दिलाने का दबाव बनाया जाता है। पूर्व में भी कई युवकों के शव भारत लाए जा चुके हैं। जनप्रतिनिधियों के माध्यम से विदेश मंत्री एस. जयशंकर तक बात पहुंचाई गई है, लेकिन कार्रवाई सुस्त है।

बड़सू को किया गया गिरफ्तार

जनपद के गांव बड़सू निवासी 26 वर्षीय युवक यश को रुस पुलिस ने मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े काम के लिए दबाव बनाने की नीयत से गिरफ्तार कर लिया और उस पर ऐसा अपराध कबूल करने का दबाव बनाया जा रहा है। उनका बेटा पिछले करीब चार महीने से रूस की जेल या पूछताछ केंद्र में है। उनका कहना है कि उन्हें पहले एंबेसी के माध्यम से यह जानकारी दी गई थी कि उनका बेटा निर्दोष है और उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत भारत भेजा जाएगा, लेकिन निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी उसकी वापसी नहीं हो सकी। युवक की मां अनीता देवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बेटे की सुरक्षित भारत वापसी की गुहार लगाई है। परिवार का आरोप है कि रूस में नौकरी का झांसा देकर युवक को वहां बुलाया गया और बाद में उसका पासपोर्ट अपने कब्जे में लेकर उसे कथित तौर पर मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े काम के लिए दबाव डाला गया।

भोपा के करहेड़ा का ग्रामीण लापता: गंग नहर पुल पर मिली बाइक, परिजनों को अनहोनी की आशंका

घर से रुपये लेने गया था 37 वर्षीय मोनू अली

भोपा (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव करहेड़ा से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहाँ 37 वर्षीय ग्रामीण मोनू अली संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किए जाने के बाद उसकी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बेलड़ा गंग नहर पुल के पास लावारिस अवस्था में खड़ी मिली। मोनू का मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा है, जिससे किसी अप्रिय घटना या अनहोनी की आशंका से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित भाई की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

10 मिनट में पहुंचने की बात कहकर बंद हुआ मोबाइल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव करहेड़ा निवासी मोहम्मद शाहवेज ने भोपा थाने में दी गई तहरीर में पूरी घटना की जानकारी दी। शाहवेज के अनुसार, उसका भाई मोनू अली गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पास के गांव बसेड़ा स्थित एक आरा मशीन संचालक से अपने बकाया रुपये लेने के लिए निकला था। दोपहर करीब 1 बजे

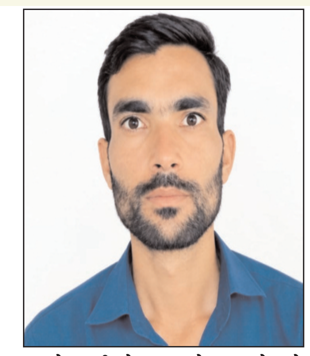

शाहवेज की मोबाइल फोन पर मोनू से बातचीत हुई थी। उस दौरान मोनू ने बताया था कि काम हो गया है और वह अगले 10 मिनट में भोपा पहुंच जाएगा। हालांकि, इस बातचीत के कुछ ही देर बाद उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया और वह काफी समय बीत जाने के बाद भी घर नहीं लौटा।

नहर पुल के पास बाइक मिलने से मची अफरातफरी

मोनू के घर न लौटने और संपर्क टूटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई, जिसके बाद उन्होंने संभावित ठिकानों और रास्तों पर उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान परिजनों के होश उड़ गए जब मोनू की स्प्लेंडर बाइक बेलड़ा गंग नहर पुल के पास खड़ी पाई गई। बाइक मिलने के बावजूद मोनू का कोई सुराग नहीं लग सका, जिससे परिजनों का शक और गहरा गया। उन्होंने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करते हुए किसी अनहोनी की आशंका जताई और जल्द से जल्द मोनू को सकुशल ढूंढ निकालने की गुहार लगाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की कार्रवाई शुरू कर दी है।

परिजनों में मचा कोहराम

मोनू के इस तरह अचानक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से पूरे करहेड़ा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और परिवार में भारी चिंता का माहौल है। घर के कमाऊ सदस्य के गायब होने से पिता शमशाद अल्वी, माता बानो और पत्नी शबनूर बदहवास स्थिति में हैं। वहीं, उसके मासूम बच्चे–तमन्ना, फरहा, इनाया, गजाला, मोहम्मद साद और हुमैरा–पिता के लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। घटना के बाद से भाई सोनू, शाहवेज, शादाब और तालिब सहित पूरा परिवार अनहोनी के डर से गहरे सदमे में है।

शुकतीर्थ विकास परिषद कार्यालय भवन का भूमि पूजन: वेद मंत्रोच्चार के बीच रखी गई नींव की ईंट, 7.81 करोड़ की आएगी लागत

शुकतीर्थ के विकास में योगीजी का समर्पण वंदनीय रहेगा: स्वामी ओमानंद

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक एवं ऐतिहासिक भागवत धाम शुकतीर्थ के चौमुखी विकास को एक नई गति देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मोरना स्थित महर्षि शुकदेव इंटर कॉलेज के ठीक सामने प्रस्तावित भूमि पर 'शुकतीर्थ विकास परिषद' के नए कार्यालय भवन का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य भूमि पूजन संपन्न हुआ। समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य संतों ने नींव की पहली ईंट रखकर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। स्वामी कल्याणदेव के संकल्पों को मूर्त रूप दे रही सरकार

भूमि पूजन के पावन अवसर पर श्री शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने कहा कि पौराणिक तीर्थ शुकतीर्थ के कायाकल्प और संवर्धन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समर्पण व सेवा भावना सदैव अविस्मरणीय और वंदनीय रहेगी। स्वामी जी ने पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि पूज्य गुरुदेव स्वामी कल्याणदेव जी ने अपने कठोर तप, त्याग और असाधारण पुरुषार्थ से इस पावन भागवत भूमि का जीर्णोद्धार किया था। आज बेहद प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश सरकार उनके इस पावन संकल्प को धरातल पर उतारने

और साकार करने का ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि परिषद का स्थायी भवन बनने से मोरना और शुकतीर्थ क्षेत्र के विकास कार्यों को तेज गति मिलेगी और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का स्तर भी सुधरेगा।

7.81 करोड़ से बनेगा आधुनिक भवन

कार्यक्रम के दौरान मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) के सचिव कुंवर बहादुर सिंह ने प्रशासनिक जानकारी देते हुए बताया कि मोरना-शुकतीर्थ मुख्य मार्ग पर परियोजना के लिए उपयुक्त सरकारी भूमि का चयन कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 7.81 करोड़ रुपये की लागत से इस बहुउद्देशीय कार्यालय भवन का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं, कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियंता सत्येंद्र सिंह ने बताया कि कार्ययोजना के तहत निर्माण कार्य को 18 माह की निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करा लिया जाएगा। तीर्थों का कायाकल्प व सरंक्षण को प्राथमिकता: मंत्री अनिल

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के प्राचीन तीर्थ स्थलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण को अभूतपूर्व गति मिली है। आजादी के बाद पहली बार हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का इतने व्यापक पैमाने पर कायाकल्प किया जा रहा है। सांसद चंदन चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि जब वे मीरापुर क्षेत्र से विधायक थे, तभी प्रदेश सरकार ने शुकतीर्थ विकास परिषद के गठन जैसा ऐतिहासिक निर्णय लिया था

20 सितंबर को पचेंडा रोड पर गूंजेगा सामाजिक समरसता का संदेश, प्लेटिनम हॉल मैदान में जुटेगा रालोद का बड़ा जनसमूह

जयंत चौधरी की मौजूदगी में होगा जनपद स्तरीय सम्मेलन, सरकार की योजनाओं और विकास का संदेश जनता तक पहुंचाने की तैयारी, रालोद में शामिल हुए चेतन गुर्जर रिंकू का पार्टी कार्यालय पर जोरदार स्वागत

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोक दल की ओर से आगामी 20 सितंबर को पचेंडा रोड स्थित प्लेटिनम हॉल के मैदान में भव्य जनपद स्तरीय सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर रालोद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी की ओर से जिलेभर से बड़ी संख्या में लोगों के सम्मेलन में पहुंचने का दावा किया जा रहा है। कार्यक्रम में रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मौजूदगी प्रस्तावित है, जिसके चलते पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह है।

रालोद कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सम्मेलन की तैयारियों का खाका

शुक्रवार को सरकुलर रोड स्थित रालोद कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में 20 सितंबर के सम्मेलन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट

मंत्री अनिल कुमार, बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान सहित रालोद के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत की। नेताओं ने कहा कि सम्मेलन को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारी चल रही है और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सामाजिक समरसता, भाईचारा और विकास होगा सम्मेलन का मुख्य संदेश

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि 20 सितंबर को होने वाला सम्मेलन केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और विकास का संदेश मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी विश्वास और सौहार्द को मजबूत करना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मौजूदगी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगी और संगठन को मजबूती मिलेगी।

सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाने पर जोर

अनिल कुमार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की एनडीए सरकार की ओर से जनता के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे, इसके लिए आम जनता को योजनाओं की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान योजनाओं के साथ-साथ भविष्य में शुरू होने वाली योजनाओं और सरकार की प्राथमिकताओं की जानकारी भी सीधे जनता तक पहुंचाई जानी चाहिए।उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता सम्मेलन इस दिशा में एक बड़ा मंच साबित होगा, जहां सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष एनडीए सरकार को बदनाम करने के लिए लगातार नए-नए मुद्दे तलाश रहा है। उनके मुताबिक सरकार का ध्यान विकास, जनकल्याण और आम जनता के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है, जबकि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए अलग-अलग मुद्दों को तूल देने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझने के बजाय विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है तथा जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देना जरूरी है।

मोरना-भोपा क्षेत्र में शांतिपूर्वक संपन्न हुई जुमे की नमाज: मुस्तैद रहा पुलिस बल

सहारनपुर घटनाक्रम को लेकर पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर रखी गई पैनी नजर

मोरना (मुजफ्फरनगर)। सहारनपुर जिले में हाल में हुए घटनाक्रम के बाद उपजी संवेदनशीलता को देखते हुए मुजफ्फरनगर के मोरना, भोपा और ककरौली क्षेत्र में पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान पुलिस बल पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहा। पुलिस की निगरानी और मुस्तैदी के बीच सभी संवेदनशील स्थानों और मस्जिदों में नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

भोपा क्षेत्र के दर्जनभर गांवों में बनी रही कड़ी निगरानी

सहारनपुर की घटना के बाद पुलिस प्रशासन कोई ढील देने के मूड में नहीं दिखा। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा भोपा, मोरना, जौली,

बेलड़ा, सीकरी, वजीराबाद, भोकरहेड़ी, ककराला, किशनपुर तथा नंगला बुजुर्ग सहित तमाम प्रमुख गांवों में स्थित मस्जिदों के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। नमाज के समय मस्जिदों के आसपास पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी से निगरानी बनाए रखी, जिससे पूरे क्षेत्र में शांति का माहौल बना रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम: थाना प्रभारी

सुरक्षा इंतजामों की जानकारी देते हुए भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया था। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था कायम रखना और किसी भी प्रकार की अफवाह को पनपने से रोकना पुलिस की प्राथमिकता रही। सभी प्रमुख मस्जिदों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में जुमे की नमाज पूरी तरह सकुशल, शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

ककरौली क्षेत्र में भी मुस्तैद दिखी पुलिस

फोर्स भोपा के साथ-साथ ककरौली थाना क्षेत्र में भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखे गए। ककरौली थाना क्षेत्र के बेहड़ा सादात, चोरावाला, तेवड़ा, टंढेड़ा, जटवाड़ा, खुजेडा, कम्हेड़ा तथा खेड़ीफिरोजाबाद में भी मस्जिदों के बाहर पुलिस बल डटा रहा। स्थानीय पुलिसकर्मियों ने नमाज के दौरान आसपास की गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार अपनी नजर बनाए रखी। ककरौली क्षेत्र के सभी गांवों में भी नमाज बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

बीज विधेयक 2025 में किसानों के हितों की सुरक्षा जरूरी: धर्मेंद्र मलिक

कृषि मंत्री की परामर्श बैठक में संगठन ने रखे सुझाव, खराब बीज निकलने पर 15 दिन में उत्पादन के बराबर मुआवजा देने की मांगमें युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप; पुलिस ने तलाश तेज की

नई दिल्ली/मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने बीज विधेयक 2025 के मसौदे को लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आयोजित परामर्श बैठक में किसानों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। 10 सितंबर को आयोजित बैठक में संगठन की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने किसानों को सस्ता एवं गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने, नकली व अमानक बीजों के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई करने तथा खराब बीज से फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसानों को समयबद्ध मुआवजा देने की मांग की। धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि देश में बीज का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में भारत का सीड मार्केट करीब 7 अरब डॉलर यानी लगभग 63 हजार करोड़ रुपये का था, जिसके वर्ष 2032 तक 18.3 अरब डॉलर यानी करीब 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान

है। ऐसे में बीज क्षेत्र के लिए ऐसा मजबूत कानून आवश्यक है, जिसमें किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता पर हों। उन्होंने मांग की कि किसी भी फसल के बीज का मूल्य उसकी लागत और वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप नियंत्रित किया जाए तथा बीज की कीमत तीन गुना से अधिक न होने देने का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत का बीज बचाने, दोबारा बोने, बदलने, तैयार करने, साझा करने और बेचने के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहने चाहिए। उन्होंने किसानों की पारंपरिक एवं स्थानीय बीज किस्मों और सामुदायिक बीज नेटवर्क को संरक्षण देने की भी मांग की। धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि नकली बीज, गलत किस्म के बीज, अमानक बीज तथा उत्पादन से संबंधित सही जानकारी नहीं देने वाले लोगों और संस्थाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नकली या घटिया बीज का कारोबार केवल किसान को आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाला अपराध नहीं है, बल्कि यह देश की खाद्यान्न सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। इसलिए ऐसे मामलों में कड़े दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए। संगठन ने गंभीर मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई का प्रावधान किए जाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि बीज की गुणवत्ता और कीमत को नियंत्रित करने के साथ किसानों के अधिकारों, मुआवजे और बीज मूल्य नियमन को विधेयक का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने कहा कि खराब बीज के कारण अंकुरण नहीं होने, उत्पादन गिरने अथवा फसल खराब होने की स्थिति में किसान को वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया में न उलझना पड़े। इसके लिए 15 दिन के भीतर मुआवजा देने की स्पष्ट और बाध्यकारी व्यवस्था विधेयक में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुआवजा केवल किसान की बीज लागत के बराबर नहीं, बल्कि अपेक्षित उत्पादन के बराबर होना चाहिए, क्योंकि खराब बीज के कारण किसान को बीज की कीमत के साथ खाद, पानी, मजदूरी, जुताई, सिंचाई और अन्य कृषि लागत के साथ अपनी संभावित आय का भी नुकसान उठाना

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन

रेलवे रोड एसबीआई परिसर में यूएफबीयू के आह्वान पर जुटे अधिकारी-कर्मचारी, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने समेत विभिन्न लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने रेलवे रोड स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह करीब दस बजे आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी और अधिकारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए केंद्र सरकार और संबंधित विभागों से लंबित मुद्दों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान यूएफबीयू पदाधिकारियों ने कहा कि बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किए जाने का मुद्दा पिछले द्विपक्षीय समझौते के समय से ही वित्त मंत्रालय के स्तर पर लंबित है। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से इस मांग को उठाया जा रहा है, लेकिन अभी तक इस पर अपेक्षित निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सप्ताह में पांच दिन कार्य करने की सुविधा मिलनी चाहिए।

लंबित मांगों पर सरकार से जल्द निर्णय की मांग

सभा को संबोधित करते हुए यूपी बैंक एम्पलाइज यूनियन के मंत्री कामरेड आरपी शर्मा, स्टेट बैंक के सचिव कामरेड जितेंद्र सिंह बालियान, ऑफिसर्स एसोसिएशन के सचिव कामरेड कान अनुभव चौधरी, अध्यक्ष कामरेड क्रांति कुमार भारती तथा उपाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। इनमें पांच दिवसीय कार्य सप्ताह

प्रमुख मांग है। इसके अलावा बैंक के स्केल चार से ऊपर के अधिकारियों को पीएलआई का भुगतान किए जाने के मुद्दे पर भी यूनियन ने आपत्ति जताई। पदाधिकारियों ने कहा कि पीएलआई भुगतान की वर्तमान व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाना चाहिए।

मांगें पूरी नहीं हुईं तो तीन दिन की हड़ताल

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के कन्वीनर अशोक शर्मा ने कहा कि बैंक कर्मचारियों की मांगों को लेकर संगठन लगातार संघर्ष कर रहा है। उन्होंने बताया कि लंबित मांगों के समाधान के लिए देशव्यापी स्तर पर आंदोलन का आह्वान किया गया है। यदि सरकार और संबंधित विभागों द्वारा मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। यूनियन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में महीने के अंत में तीन दिन की हड़ताल का आह्वान किया गया है। इसके बाद भी यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है तो अगले माह बैंक कर्मचारी और अधिकारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। बड़ी संख्या में कर्मचारी रहे मौजूद प्रदर्शन में कंवीनर अशोक कुमार शर्मा, कामरेड रविन्द्र सिंह, राजीव जैन, संजीव जैन, मुकेश भारद्वाज, प्रदीप कुमार सिंह, मलिक, तेजराज गुप्ता, बीके सूर्यवंशी, स्टेट बैंक से अनंगपाल सिंह, कपिल देव, संजय विक्रम कुमार, संजीव शर्मा, लक्ष्मण सिंह, विकास कुमार, अभिलाष पीएनबी, जयंत, आशीष, अनुज कुमार, विजय सिंह, चरण सिंह समेत बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई और सरकार से लंबित मामलों का जल्द समाधान किए जाने की मांग की। यूनियन नेताओं ने कहा कि बैंकिंग व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनकी जायज और लंबे समय से लंबित मांगों पर सरकार को सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द निर्णय लेना चाहिए।

संपादकीय

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में 21वें स्थान पर खिसकी दिल्ली, क्यों बिगड़ी स्थिति?

यह आलेख शहरों में स्वच्छ हवा की स्थिति को रेखांकित करता है। इसमें लखनऊ के शीर्ष पर रहने, दिल्ली के पिछड़ने और पहाड़ों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए संयुक्त जिम्मेदारी की बात कही गई है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 का परिणाम एक ओर कुछ शहरों के लिए राहत भरा है, तो दूसरी ओर इसने कई शहरों की चिंता बढ़ा दी है।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ का पहला स्थान निश्चित ही उत्साह जगाता है, मगर इसी सूची में दिल्ली का 21वें पायदान पर होना और शीर्ष दस में हिमाचल प्रदेश के सिर्फ एक शहर का शामिल होना कई सवाल खड़े करता है।

पहाड़ों को हम स्वच्छ हवा, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता का पर्याय मानते रहे हैं और यदि वहां भी प्रदूषण की दस्तक तेज हो रही है, तो समस्या विकास को लेकर हमारे दृष्टिकोण की भी है।हालांकि, वायु गुणवत्ता में सुधार के मामले में चंडीगढ़ का उदाहरण महत्त्वपूर्ण है। वर्ष 2024 में वह 27वें स्थान पर था, 2025 में आठवें पायदान पर पहुंचा और अब सातवें स्थान पर है।जिन शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर कम हुआ है, उसके पीछे कई कारण हैं।

हरित क्षेत्र बढ़ाने, निर्माण स्थलों की धूल नियंत्रित करने, कचरे के वैज्ञानिक निपटान, इलेक्ट्रिक वाहनों और यातायात प्रबंधन जैसे उपायों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन-सा शहर सूची में ऊपर है, बल्कि यह भी महत्त्वपूर्ण है कि किस शहर ने सुधार की राह पर चलकर अपने नागरिकों के लिए हवा को स्वच्छ बनाया और कौन केवल कागजी आंकड़ों में ही उलझा रहा।पहाड़ी प्रदेशों में वायू प्रदूषण का बढ़ाना भी गंभीर चिंता पैदा करता है। हैरत की बात है कि हिमाचल का इकलौता शहर कांगड़ा का डमटाल ही स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की सूची में शीर्ष दस में जगह बना पाया है। यह इस बात का संकेत है कि अगर समय रहते नहीं चेते, तो पर्यटन, निर्माण, यातायात और कचरे का दबाव पहाड़ों की हवा को सांस लेने योग्य नहीं छोड़ेगा।सवाल यह भी है कि आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकारें, नगर निकाय, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं, उद्योग, वाहन या फिर आम नागरिक। इसमें दोराय नहीं कि प्रदूषण को कम करने में सभी की भागीदारी जरूरी है, लेकिन नीति निर्माताओं और कानून प्रवर्तन एजंसियों की जिम्मेदारी अधिक है। स्वच्छ हवा सभी नागरिकों का अधिकार है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

असम का बिहू, नगालैंड का हार्नबिल, मणिपुर की रासलीला, मिजोरम का चेराव और अरुणाचल के जीवंत जनजातीय उत्सव भारत की सांस्कृतिक पूंजी को अद्वितीय बनाते हैं। पूर्वोत्तर के लोग जब सीमा पर भारतीय सेना के साथ मिलकर 'जय हिंद' का नारा लगाते हैं, तो उनकी देशभक्ति पर संदेह करना या उन्हें सिर्फ उनके चेहरे के आधार पर 'पराया' समझ लेना राष्ट्र के प्रति एक नैतिक अपराध के समान है। पूर्वोत्तर के प्रति मुख्यधारा के समाज में व्याप्त इस भेदभाव की जड़ें नफरत से ज्यादा गहरी अज्ञानता में हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली और सामाजिक विमर्श में पूर्वोत्तर को कभी वह स्थान मिला ही नहीं, जिसका वह हकदार था। दशकों तक हमारे स्कूली इतिहास और भूगोल की किताबों में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर गंगा-यमुना के मैदानों तक का विवरण तो विस्तार से पढ़ाया गया, लेकिन अहोम साम्राज्य, लचित बोरफुकन का पराक्रम, रानी गाइदिनल्यू का संघर्ष, ब्रिटिश सेना को रोकने वाले तिरोत सिंग और माटीमुर्ती कनकलता बरुआ के बलिदानों को एक-दो पन्नों में समेट दिया गया।

'हमको चीनी मत बोलो, इंडियन बोलो', पूर्वोत्तर की मासूम पुकार और हमारे पूर्वाग्रहों का कड़वा सच

(गिरीश पंकज)

पिछले दिनों अरुणाचल प्रदेश की घाटियों से गूंजी एक नन्ही बच्ची कार्गा टिंकल गोंगो की तोतली आवाज ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोर कर रख दिया था। अपने मासूम चेहरे, खिलखिलाती मुस्कान और तुतलाती जुबान में उसने हाथ जोड़कर पूरे अधिकार से राष्ट्रगान गाया और फिर सहज भाव से यह गुहार लगाई कि 'हमको चीनी मत बोलो, इंडिया बोलो'।

उसकी अनुगूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि छह सितंबर की रात दिल्ली में मणिपुर के प्रख्यात गिटारवादक चोंगथाम विक्रम सिंह की हत्या ने एक बार फिर पूर्वोत्तर के लोगों को दुख पहुंचाया। इस घटना के विरोध में मणिपुर की युवा पीढ़ी में गहरा आक्रोश है।

समय-समय पर पूर्वोत्तर के लोगों को लेकर उत्तर भारत के कुछ अल्पज्ञ लोगों की मानसिकता विचलित करती है। जबकि पूर्वोत्तर के लोग न केवल इस देश से, बल्कि यहां की भाषा से भी प्यार करते हैं। मणिपुरी साहित्य का हिंदी में अनुवाद करने वाले कम नहीं हैं। इसी वर्ष जनवरी माह में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में वहां के लेखकों के साथ एक नवलेखन कार्यशाला आयोजित हुई थी।

वहां अरुणाचल का लगभग हर व्यक्ति भलीभांति हिंदी बोल रहा था, समझ रहा था। मणिपुर में भी हिंदी प्रेमियों की कमी नहीं। वहां विश्वविद्यालय में हिंदी का अध्ययन हो रहा है। वहां के लोग विशुद्ध रूप से अपने आप को हिंदुस्तान से ही जुड़ा महसूस करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उत्तर भारत के कुछ लोग नादानीवश वहां के लोगों के रंगरूप को देखकर कुछ और दुराग्रह पाल लेते हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी नींव विविधता के सम्मान पर टिकी है। यहां भाषा, खान-पान, वेशभूषा और शारीरिक बनावट हर कुछ सौ किलोमीटर पर बदल जाती है। इसके बावजूद, यह अफसोस की बात है कि जब उत्तर-पूर्व का कोई नागरिक देश के अन्य राज्यों, विशेषकर दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु या कोलकाता जैसे महानगरों में कदम रखता है, तो उसे अक्सर तिरछी और अजनबी नजरों का सामना करना पड़ता है।

चेहरे की बनावट, विशेषकर 'मंगोली' नैन-नक्श के कारण उन पर कुछ अपमानजनक टिप्पणियां करना एक आम विकृति बन चुकी है। किराए पर मकान ढूंढ़ने से लेकर शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक परिवहन तक, पूर्वोत्तर के युवाओं को लगातार यह अहसास कराया जाता है कि वे 'यहां के नहीं हैं'! जब उन्हें विदेशी कहकर पुकारा जाता है, तो उनके भीतर एक गहरी मनोवैज्ञानिक टूटन पैदा होती है।

अरुणाचल प्रदेश, जिसे 'उगते सूरज की भूमि' कहा जाता है, भारत का वह सीमांत प्रहरी है, जो देश की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात अडिग खड़ा रहता है। यहां के लोग प्रतिकूल परिस्थितियों, कठोर मौसम और पड़ोसी देशों की विस्तारवादी गिद्ध-दृष्टि के बावजूद पूरे गर्व से सीना तानकर भारतीय होने का जयघोष करते हैं। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र देश की सुरक्षा व्यवस्था का सबसे संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

असम का बिहू, नगालैंड का हार्नबिल, मणिपुर की रासलीला, मिजोरम का चेराव और अरुणाचल के जीवंत जनजातीय उत्सव भारत की सांस्कृतिक पूंजी को अद्वितीय बनाते हैं। पूर्वोत्तर के लोग जब सीमा पर भारतीय सेना के साथ मिलकर 'जय हिंद' का नारा लगाते हैं, तो उनकी देशभक्ति पर संदेह करना या उन्हें सिर्फ उनके चेहरे के आधार पर 'पराया' समझ लेना राष्ट्र के प्रति एक नैतिक अपराध के समान है।

पूर्वोत्तर के प्रति मुख्यधारा के समाज में व्याप्त इस भेदभाव की जड़ें नफरत से ज्यादा गहरी अज्ञानता में हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली और सामाजिक विमर्श में पूर्वोत्तर को कभी वह स्थान मिला ही नहीं, जिसका वह हकदार था। दशकों तक हमारे स्कूली इतिहास और भूगोल की किताबों में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर गंगा-यमुना के मैदानों तक का विवरण तो विस्तार से पढ़ाया गया, लेकिन अहोम साम्राज्य, लचित बोरफुकन का पराक्रम, रानी गाइदिनल्यू का संघर्ष, ब्रिटिश सेना को रोकने वाले तिरोत सिंग और माटीमुर्ती कनकलता बरुआ के बलिदानों को एक-दो पन्नों में समेट दिया गया।

दिल्ली या मध्य भारत में बैठे औसत नागरिक को यह तक ठीक से ज्ञात नहीं होता कि पूर्वोत्तर के आठ राज्यों, जिन्हें 'अष्टलक्ष्मी' भी कहा जाता है, उनकी राजधानियां, भाषाएं और जनजातीय परंपराएं क्या हैं। जब तक देश का समाज यह नहीं समझेगा कि भारत सिर्फ आर्य और द्रविड़ बनावट तक सीमित नहीं है, बल्कि 'मंगोलायड' और 'आस्ट्रो-एशियाटिक' नस्लें भी इस मिट्टी की उतनी ही सच्ची संतानें हैं, तब तक कार्गा टिंकल जैसी बच्चियों को अपने भारतीय होने का प्रमाण देना पड़ेगा।

वर्ष 2014 में दिल्ली के लाजपत नगर में अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय छात्र निडो तानिया की उसके बालों और नैन-नक्श पर फब्तियां कसने के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान पूर्वोत्तर के नागरिकों के साथ हुए दुर्व्यवहार, उन्हें किराए के घरों से निकाले जाने और उन पर छींटाकशी किए जाने की घटनाएं यह साबित करती हैं कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी गंभीर पूर्वाग्रहों का बंधक है।

राष्ट्र की अवधारणा किसी चेहरे की लंबाई, आंखों के आकार या त्वचा के रंग से तय नहीं होती। राष्ट्र का निर्माण उन साझा मूल्यों, संविधान और भावनात्मक जुड़ाव से होता है, जो नागरिकों को एक सूत्र में पिरोते हैं। विडंबना देखिए कि जब ओलंपिक या अंतरराष्ट्रीय खेलों में मैरी काम, मीराबाई चानू या लवलीना बोरगोहेन देश के लिए पदक जीतकर तिरंगा लहराती हैं, तब सभी भारतीय गर्व से सीना फुलाते हैं, लेकिन जैसे ही वे मंच से नीचे उतरती हैं, उसी क्षेत्र के एक आम छात्र को दिल्ली या बंगलुरु की सड़कों पर अपनी पहचान के लिए जूझना पड़ता है।

यह अब जरूरी हो गया है कि प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर तक की पाठ्यपुस्तकों में पूर्वोत्तर के इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों, लोककथाओं और भूगोल को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसी पहलों को केवल सरकारी आयोजनों तक सीमित न रखकर स्कूलों, विश्वविद्यालयों और युवा मंडलों के बीच नियमित विनिमय कार्यक्रमों के रूप में जमीनी स्तर पर लागू किया जाए।

भारतीय सिनेमा और धारावाहिकों में पूर्वोत्तर के कलाकारों को रूढ़िवादी किरदारों से बाहर निकालकर मुख्यधारा की भूमिकाओं में समान अवसर दिया जाए। कार्गा टिंकल गोंगो की तोतली जुबान ने देश को जो संदेश दिया है, वह एक चेतावनी भी है और एक विनम्र आह्वान भी। अब समय आ गया है कि हम अपनी संकीर्ण दृष्टि को त्यागें। कार्गा टिंकल की मासूम पुकार का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब किसी भी भारतीय को यह साबित न करना पड़े कि वह विदेशी नहीं, बल्कि इस भारत भूमि का सच्चा सपूत है। मणिपुर के जाने-माने गिटारवादक विक्रम सिंह इसी देश के नागरिक थे।

उनके साथ दिल्ली में जो हुआ, वह एक तरह से अलगाव को बढ़ावा देता है। एक व्यक्ति या उसका समाज अगर किसी भी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह या दुराग्रह रखता है, तो इसका नुकसान केवल उसे नहीं, बल्कि उसके समाज और देश को भी उठाना पड़ता है। (यह लेखक के अपने विचार है)

रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता। ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेज़ी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। यह समिट 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भौगोलिकसंदर्भ यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

द्विपक्षीय एजेंडा में कई अहम क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है – रक्षा और परमाणु ऊर्जा- क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की- भारत को एडवांस्ड सू-57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगी। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू-57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस-500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतज़ार कर रहा है।

व्यापार और वित्तीय सहयोग – दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर ज़ोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन-देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मज़बूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य 100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी ज़रूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है। सरकारीएजेंसियां

टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग – पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत-रूस व्यापार 65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाज़त नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90 प्रतिशत लेन-देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर - रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग 8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता - मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है।

भू-राजनीतिक पहलू – भू-राजनीतिक नज़रिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे - भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है। ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50 प्रतिशत टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा ज़रूरतें ज़्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नज़र रखेगा क्योंकि इसमें डी-डॉलराइज़ेशन पर चर्चा हो सकती है - पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं- रूस डी-डॉलराइज़ेशन नहीं चाहता; अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है।

भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण के तहत, समिट 11-सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

बांग्लादेश को दुश्मन खेमे में जाने से रोकने के लिए भारत ने चला बड़ा दांव! शुरू हो सकती है रेल सेवाएं

ऐसे में पूर्वी सीमा पर किसी नए सुरक्षा गठबंधन की मौजूदगी नई दिल्ली के लिए साधारण कूटनीतिक घटनाक्रम नहीं होगी। भारत को अपने पड़ोस को केवल द्विपक्षीय रिश्तों के नजरिये से नहीं, बल्कि एक संभावित मल्टी-फ्रंट सिक्योरिटी थिएटर के रूप में देखना पड़ सकता है। यही वजह है कि भारतीय बैकचैनल यह टटोलने में जुटे हैं कि ढाका वास्तव में कोई बाध्यकारी सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या फिर इस तरह की संभावनाओं का इस्तेमाल भारत समेत अन्य शक्तियों से कूटनीतिक लाभ लेने के लिए कर रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और बांग्लादेश बंद पड़ी यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ढाका में आज से दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों की बैठक शुरू हुई है, जिसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा पटरी पर लाने पर चर्चा हो रही है।बांग्लादेश को दुश्मन खेमे में जाने से रोकने के लिए भारत तेजी से सक्रिय हो गया है। ढाका के संभावित रूप से सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान से जुड़े 'मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट' जैसे सामूहिक सुरक्षा ढांचे में शामिल होने की खबरों ने नई दिल्ली की रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत ने इस मुद्दे पर तीव्र बैकचैनल कूटनीति शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर बांग्लादेश की असली मंशा क्या है। इसी बीच भारत और बांग्लादेश के बीच वर्षों से बंद पड़ी यात्री रेल सेवाओं को फिर शुरू करने की कवायद भी तेज हो गई है। रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट में शामिल होने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। यह एक ऐसा पारस्परिक रक्षा ढांचा बताया जा रहा है, जिसमें सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान शामिल हैं। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बदले राजनीतिक माहौल में ढाका अपनी विदेश नीति को अधिक विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में संभावित सदस्यता को तुर्किये की सैन्य तकनीक, सऊदी अरब की आर्थिक सहायता और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग हासिल करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। इसे व्यापक रूप से 'मुस्लिम फैमिली' के ढांचे में कूटनीतिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश के तौर पर पेश किया जा रहा है। लेकिन नई दिल्ली की नजर से तस्वीर कहीं अधिक गंभीर है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान से जुड़े किसी सामूहिक रक्षा ढांचे का विस्तार सीधे उसके पूर्वी मोर्चे तक हो सकता है। यदि बांग्लादेश औपचारिक रूप से ऐसे किसी सैन्य समझौते में शामिल होता है, तो भारत के आसपास एक नए सामरिक समीकरण का निर्माण हो सकता है। बंगाल की खाड़ी तक फैला सामूहिक सुरक्षा ढांचा भारत की रणनीतिक गणनाओं को बदल सकता है। हम आपको बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच करीब 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है। ऐसे में पूर्वी सीमा पर किसी नए सुरक्षा गठबंधन की मौजूदगी नई दिल्ली के लिए साधारण कूटनीतिक घटनाक्रम नहीं होगी। भारत को अपने पड़ोस को केवल द्विपक्षीय रिश्तों के नजरिये से नहीं, बल्कि एक संभावित मल्टी-फ्रंट सिक्योरिटी थिएटर के रूप में देखना पड़ सकता है। यही वजह है कि भारतीय बैकचैनल यह टटोलने में जुटे हैं कि ढाका वास्तव में कोई बाध्यकारी सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या फिर इस तरह की संभावनाओं का इस्तेमाल भारत समेत अन्य शक्तियों से कूटनीतिक लाभ लेने के लिए कर रहा है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिकाइसी रणनीतिक तनाव के बीच भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक सकारात्मक संकेत भी उभर रहा है। दोनों देश बंद पड़ी यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ढाका में आज से दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों की बैठक शुरू हुई है, जिसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा पटरी पर लाने पर चर्चा हो रही है। बांग्लादेश रेलवे के अतिरिक्त महानिदेशक (ऑपरेशंस) मोहम्मद नजमुल इस्लाम के अनुसार, दोनों देशों के बीच यात्री रेल संपर्क अगस्त 2024 के बाद से बंद है, जबकि मालगाड़ियां बिना किसी बाधा के लगातार चलती रही हैं। मैत्री एक्सप्रेस ढाका कैंटोनमेंट और कोलकाता के बीच चलती थी, बंधन एक्सप्रेस खुलना और कोलकाता को जोड़ती थी, जबकि मिताली एक्सप्रेस ढाका कैंटोनमेंट से न्यू जलपाईगुड़ी तक संचालित होती थी। इन सेवाओं को जुलाई 2024 में आधिकारिक रूप से निलंबित किया गया था। इसके बाद देशव्यापी अशांति, शेख हसीना सरकार के पतन और 5 अगस्त 2024 को उनके भारत जाने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम व्यवस्था के दौरान शेख हसीना की भारत में मौजूदगी और उनके प्रत्यर्पण की मांग जैसे मुद्दों ने संबंधों में खटास पैदा की। हालांकि, बांग्लादेश में 22 फरवरी 2026 को हुए आम चुनाव के बाद एक नया राजनीतिक अध्याय शुरू हुआ। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत के बाद तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनी और अब दोनों देशों के बीच सामान्य रिश्तों की बहाली की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा महसूस की जा रही है। वर्तमान अंतर-सरकारी रेलवे बैठक यानी ढ्ढत्र्रूमें केवल ट्रेनों को शुरू करने पर ही नहीं, बल्कि वित्तीय हिसाब-किताब, सीमा पार ट्रेन परिचालन, वार्षिक लेखा संतुलन, परिचालन क्षमता, रोलिंग स्टॉक और रेलवे ढांचे के विकास जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है। बांग्लादेश की योजना राजशाही से कोलकाता के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने की भी है। साथ ही, मैत्री एक्सप्रेस को जमुना ब्रिज के बजाय पद्मा ब्रिज के रास्ते चलाने का प्रस्ताव भी सामने आ सकता है। भारत द्वारा 27 जून से बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर शुरू किए जाने के बाद आम लोगों के बीच भी रेल सेवाओं की बहाली की मांग तेज हुई है। भारतीय उच्चायुक्त ने भी दोनों देशों के बीच 'पीपुल-टू-पीपुल रिलेशन' को बेहद अहम बताया है। दरअसल, यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है। एक तरफ भारत बांग्लादेश के संभावित नए सैन्य समीकरणों को लेकर सतर्क है, दूसरी तरफ वह रेल, वीजा, व्यापार और जनसंपर्क के जरिए रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहा है। नई दिल्ली समझती है कि अगर ढाका रणनीतिक रूप से दूर गया, तो भारत की पूर्वी सुरक्षा चुनौती स्थायी रूप से बदल सकती है। इसलिए कूटनीति अब सिर्फ दोस्ती बचाने की नहीं, बल्कि बांग्लादेश को किसी संभावित दुश्मन खेमे की ओर झुकने से रोकने की रणनीतिक लड़ाई बन चुकी है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शामली में राजनीतिक सरगर्मियों के बीच बकरे को सांप काटने का अनोखा मामला, बैंक हड़ताल और सुरक्षा अलर्ट से थमी रफ्तार

शामली में सपा की जन पंचायतें, सांप के डसने पर बकरे को अस्पताल ले जाने का हंगामा और बैंक हड़ताल से करोड़ों का नुकसान

शामलीः उत्तर प्रदेश के शामली जिले में राजनीतिक सरगर्मियों से लेकर जनसरोकार और अजीबो-गरीब घटनाओं का एक बड़ा सिलसिला देखने को मिला है। एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी ने गांव-गांव जाकर जन पंचायतों के जरिए अपनी ताकत झोंकी, वहीं दूसरी तरफ सांप के डसने के बाद अपने बकरे की जान बचाने के लिए एक युवक का सरकारी अस्पताल पहुंचना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया। इसके साथ ही, जिले में सड़क हादसों, बैंक कर्मचारियों की देशव्यापी हड़ताल, कलक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराए जाने के बाद सुरक्षा के कड़े इंतजामों और व्यापारिक संगठनों की बड़ी मांगों को लेकर बैठकों का दौर जारी रहा। इन सभी घटनाओं ने जिले के सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे को पूरी तरह से व्यस्त रखा। समाजवादी पार्टी की जन पंचायतें और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का संकल्पसमाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सामाजिक न्याय, समानता और सभी वर्गों की भागीदारी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शामली नगर में जन पंचायतों का आयोजन किया गया। इन जन पंचायतों का मुख्य उद्देश्य पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाना और आगामी चुनावों के लिए संगठन को मजबूत करना था। क्षेत्र के गांव जसाला, मालीपुर और गढ़ी राडा में हुई इन पंचायतों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। इन सभी कार्यक्रमों की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैराना-शामली प्रभारी एवं प्रदेश सचिव लल्ला गुर्जर मौजूद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक एमएलसी प्रभारी धर्मवीर खटाना ने शिरकत की।इन पंचायतों के दौरान वक्ताओं ने सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, समानता, भागीदारी और जनता के अधिकारों को लेकर पार्टी की नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। जसाला गांव में ओमकार सिंह चौहान के संयोजन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं, मालीपुर गांव में छोटा गुर्जर ने कार्यक्रम का संयोजन संभाला। गढ़ी राडा गांव में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र छौकर के संयोजन

में पंचायत हुई, जबकि शामली नगर में जाहिद अली के संयोजन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इन सभी स्थानों पर वक्ताओं ने एक सुर में कहा कि समाजवादी पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान, अधिकार और बराबरी का अवसर देने की पक्षधर है। आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी परिवर्तन लाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने का संकल्प लिया गया।समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने अपने संबोधन में कहा कि इन जन पंचायतों का उद्देश्य केवल राजनीतिक संवाद करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूत करना और सामाजिक न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे साल 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के काम में जुट जाएं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अखिल बंसल, चौधरी शोकेन्द्र आचार्य, चौधरी कलीम हसन, सय्यद मुस्तकीम, विनोद चौहान, महेंद्र सिंह प्रधान, कर्ण सिंह, ईश्वर पाल चौहान, सुखपाल चौहान, यशपाल चौधरी, डॉ. तीर्थ पाल, चौधरी सराफत, मास्टर रूकम, इमरान प्रधान, हाजी आबिद, चौधरी चरण सिंह, चौधरी मुजम्मिल, चौधरी जनाब अली, रामपाल चौहान, रामकुमार चौहान और रिजकराम चौहान सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सांप के डसने पर बकरे को लेकर अस्पताल पहुंचा युवक और हाईवे पर भीषण सड़क हादसा शामली में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया, जब सांप के डसने के बाद अपने बकरे की जान बचाने के लिए एक युवक उसे लेकर सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शामली पहुंच गया। चिकित्सा अधीक्षक के कमरे में बकरा लेकर पहुंचे इस युवक ने डॉक्टर से गुहार लगाई कि वे इंसानों का इलाज बाद में करें, पहले उसके बकरे की जान बचाएं। युवक का कहना था कि उसके बकरे को सांप ने डस लिया है और उसे एंटी-वेनम का टीका लगवाना बेहद जरूरी है। हालांकि, सीएचसी के डॉक्टरों ने पशु का इलाज करने से साफ मना कर दिया और उसे पशु अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इस बात पर युवक ने अस्पताल परिसर में हंगामा भी किया।

शहर के सलेक विहार के रहने वाले उजेफा, जो कि यूनुस के बेटे हैं, ने बताया कि शुक्रवार को टपराना पार्किंग में उनके बकरे को सांप ने डस लिया था। बकरे की हालत लगातार बिगड़ती देख वे उसे लेकर तुरंत जिला पशु चिकित्सालय पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद कर्मचारियों ने एंटी-वेनम टीका न होने की बात कहकर उन्हें सीएचसी शामली भेज दिया और कहा कि सांप के डसने की वैक्सीन वहीं मिलती है।

अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर खाप चौधरियों की पंचायत बेनतीजा, कल डीएम-एसपी से मिलेंगे

शामली में हरियाणवी सिंगर एवं यूट्यूबर अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर खाप चौधरियों की नाराजगी अब खुलकर सामने आने लगी है। आज बनती खेड़ा गांव में खाप चौधरियों की महापंचायत बुलाई गई, जिसमें शामली समेत आसपास के कई गांवों से खाप चौधरी और समाज के लोग पहुंचे। महापंचायत में बालियान खाप के चौधरी बाबा नरेश टिकैत और थांबेदार बाबा श्याम सिंह समेत कई खाप चौधरी मौजूद रहे। महापंचायत में अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई और अब तक फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर चर्चा हुई। पंचायत में मौजूद लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की समयसीमा पूछने की बात कही। बताया गया कि खाप चौधरी चाहते थे कि महापंचायत में शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह से सीधे वार्ता की जाए, लेकिन दोनों अधिकारियों के मौजूद न होने के चलते महापंचायत को फिलहाल स्थगित करने का फैसला लिया गया।खाप चौधरियों ने निर्णय लिया कि पहले शामली के डीएम आलोक यादव और एसपी एनपी सिंह से वार्ता की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से

बातचीत के दौरान अंकित बालियान हत्याकांड में फरार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई, उनकी गिरफ्तारी और पुलिस की आगे की रणनीति को लेकर जानकारी मांगी जाएगी।खाप चौधरियों का कहना है कि अधिकारियों से बातचीत के बाद ही अगली महापंचायत की तारीख और स्थान का ऐलान किया जाएगा। अगर पुलिस अधिकारियों की ओर से कार्रवाई को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो बड़ी महापंचायत बुलाने की चेतावनी भी दी गई है।

महापंचायत में मौजूद खाप चौधरियों ने कहा कि अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर समाज में नाराजगी है और पुलिस से जल्द कार्रवाई की उम्मीद है।वहीं, कल सुबह 11 बजे खाप चौधरियों की शामली एसपी एनपी सिंह और डीएम आलोक यादव से वार्ता प्रस्तावित है। इस वार्ता में हत्याकांड में अब तक हुई पुलिस कार्रवाई और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जाएगी।

अब सभी की नजर कल होने वाली इस वार्ता पर है। अधिकारियों के जवाब के बाद ही तय होगा कि खाप की अगली महापंचायत कब और कितने बड़े स्तर पर आयोजित की जाएगी।

चीनी स्टॉक की सीमा 2000 कुंतल तय, डीलरों को हर शुक्रवार पोर्टल पर देना होगा अपडेट

शामली में 15 सितम्बर से 30 नवम्बर तक लागू रहेगी चीनी स्टॉक की नई सीमा, आदेश जारी।

शामलीः जिले में चीनी का कारोबार करने वाले व्यापारियों के लिए एक बड़ी खबर है। अब कोई भी डीलर अपने पास 2000 कुंतल से ज्यादा चीनी का स्टॉक नहीं रख पाएगा। सरकार ने चीनी का स्टॉक रखने की यह अधिकतम सीमा तय कर दी है। यह नया नियम आगामी 15 सितम्बर 2026 से लागू होने जा रहा है और 30 नवम्बर 2026 तक पूरी तरह से प्रभावी रहेगा। इस नियम के तहत सभी डीलरों को अपने स्टॉक की जानकारी सरकारी पोर्टल पर देनी होगी और इसे हर हफ्ते अपडेट भी करना होगा। सरकारी आदेश और नियमलखनऊ में जवाहर भवन स्थित खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के आयुक्त द्वारा इस संबंध में जरूरी निर्देश

जारी किए गए हैं। इन निदेर्शों के बारे में जानकारी देते हुए शामली के जिला खाद्य विपणन अधिकारी श्री विजय सिंह ने बताया कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा एक पत्र भेजा गया था। यह पत्र 07 सितम्बर 2026 को जारी किया गया था। इस पत्र के साथ भारत के राजपत्र असाधारण, भाग-क्क, खण्ड-3, उपखण्ड (८) में प्रकाशित आदेश संख्या का०आ०-4907(अ) भी संलग्न है, जो कि 03 सितम्बर 2026 को जारी हुआ था। इसी आदेश के तहत चीनी रखने की अधिकतम सीमा 2000 कुंतल तय की गई है।पोर्टल पर पंजीकरण और स्टॉक की घोषणा अनिवार्य जिला खाद्य विपणन अधिकारी श्री विजय सिंह ने आगे बताया कि इस नए नियम के तहत सभी संबंधित डीलरों के लिए एक खास प्रक्रिया का पालन करना जरूरी कर दिया गया है। सभी डीलरों को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के आधिकारिक पोर्टल https://foodstock.dfpd.gov.in पर जाकर अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण कराने के बाद डीलरों को अपने पास मौजूद चीनी के कुल स्टॉक की सही स्थिति की घोषणा करनी होगी। यह घोषणा करना सभी डीलरों के लिए पूरी तरह से अनिवार्य है।हर शुक्रवार को करना होगा स्टॉक अपडेट इस व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए सरकार ने एक और नियम बनाया है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि पोर्टल पर केवल एक बार स्टॉक की घोषणा करना ही काफी नहीं होगा। सभी डीलरों को हर हफ्ते के शुक्रवार को अनिवार्य रूप से अपने चीनी के स्टॉक की स्थिति को पोर्टल पर अपडेट यानी अद्यतन करना होगा। सभी संबंधित डीलरों को इन सरकारी निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।स्टॉक सीमा और नियमित अद्यतन की प्रक्रिया

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्धारित स्टॉक सीमा तथा पोर्टल पर स्टॉक की घोषणा करने की प्रक्रिया को पूरा करना है।

शामली में ठेली वाले से 100 मांगने का आरोप! चालान के नाम पर रकम लेने के बाद रसीद नहीं देने की शिकायत, SP से जांच की मांग

शामली। शहर में एक ठेली वाले से कथित तौर पर 100 रुपये मांगने और चालान के नाम पर रुपये लेने के बाद रसीद नहीं देने का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने शामली एसपी को शिकायत भेजकर मामले की जांच कराने और सच्चाई सार्वजनिक करने की मांग की है।शिकायतकर्ता के अनुसार, 7 सितंबर की रात करीब आठ बजे वह अपने बच्चों के साथ बाजार गया था। इसी दौरान उसने एक ठेली वाले से एक हेड कांस्टेबल को 100 रुपये मांगते हुए देखा। ठेली वाले द्वारा रुपये मांगने का कारण पूछे जाने पर कथित तौर पर हेड कांस्टेबल ने इसे चालान की रकम बताया।शिकायतकर्ता का कहना है कि ठेली वाले ने रुपये देने पर

सहमति जताते हुए रसीद देने की मांग की, लेकिन कथित तौर पर रसीद देने से इनकार कर दिया गया। ठेली वाले ने कहा कि उसे यह जानकारी होनी चाहिए कि उसके रुपये किस विभाग में जमा हो रहे हैं और कहां इस्तेमाल किए जा रहे हैं, इसलिए वह रसीद मांग रहा है।शिकायतकर्ता ने एसपी शामली से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उसका कहना है कि यदि वास्तव में चालान किया गया था तो उसकी रसीद देने में आपत्ति क्यों हुई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस तरह की घटनाओं से शासन-प्रशासन की छवि प्रभावित होती है।शिकायतकर्ता ने शामली शहर में बड़ी संख्या में ठेली लगाने वालों का हवाला देते हुए पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

राजकीय आईटीआई थानाभवन में राष्ट्रीय उद्यमी सशक्तिकरण अभियान के तहत कार्यक्रम, विधायक प्रसन्न चौधरी ने युवाओं से किया स्वरोजगार का आह्वान

आईटीआई थानाभवन में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, 350 युवाओं ने लिया हिस्सा

शामलीः राजकीय आईटीआई थानाभवन के परिसर में राष्ट्रीय उद्यमी सशक्तिकरण अभियान यात्रा के अंतर्गत एक विशेष उद्यमिता एवं स्वरोजगार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापना के प्रति जागरूक करना था। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में राजकीय आईटीआई सोन्टा रसूलपुर, राजकीय आईटीआई थानाभवन और राजकीय आईटीआई लिसाड़ के वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही जिन युवाओं ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, उन्होंने भी इस कार्यक्रम में बहुत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस पूरे आयोजन में लगभग 350 छात्रों और भविष्य के संभावित उद्यमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विधायक प्रसन्न चौधरी ने युवाओं को दिया आत्मनिर्भर बनने का संदेश इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामली के सदर विधायक श्री प्रसन्न चौधरी मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। विधायक प्रसन्न चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन सभी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा पात्र युवाओं को इन

योजनाओं का लाभ मिल सके। सदर विधायक ने युवाओं से अपील की कि वे अपनी तकनीकी योग्यता और हुनर का सही इस्तेमाल करके स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवा केवल नौकरी की तलाश तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपने कौशल का उपयोग करते हुए स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करें और अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ें। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के एलडीएम श्री अनिल कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने वहां मौजूद युवाओं को बैंक से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में बहुत ही विस्तार से जानकारी प्रदान की।

श्री अनिल कुमार ने युवाओं को नया उद्यम स्थापित करने और उसके लिए बैंक से ऋण प्राप्त करने से संबंधित पूरी बैंकिंग प्रक्रिया के बारे में समझाया। इसके साथ ही उन्होंने ऋण लेने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं के बारे में भी युवाओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सही जानकारी होने से युवाओं को अपना काम शुरू करने के लिए बैंक से मदद लेने में आसानी होगी।उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता ने दी सरकारी योजनाओं की जानकारी इसके बाद शामली की उपायुक्त उद्योग श्रीमती रतिका गुप्ता ने युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया।

रंग संसार

रवि किशन का नया गाना 'मनी फॉलोज माई ब्रदर' रिलीज, वायरल डायलॉग से बना गाना

मुंबई। अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन इन दिनों सोशल मीडिया सेंसेशन बने हुए हैं। शुक्रवार को उनका लेटेस्ट सॉन्ग 'मनी फॉलोज माई ब्रदर' रिलीज कर दिया गया। इस गाने को मेलो डी, सुरजीत बिंद्राखिया और रवि किशन ने गया है। इसके बोल मेलो डी और शमशेर संधू ने लिखे हैं। गाने को प्रोड्यूस संगम वैज्ञानिक ने किया है और म्यूजिक मेलो डी, संगम वैज्ञानिक और अतुल शर्मा ने दिया है।गाने के वीडियो को पोस्ट गुरु ने डायरेक्ट किया है। एक्टर ने अपने आइकॉनिक डायलॉग्स, पहचाने जाने वाले एक्सप्रेशंस, बेबाक अंदाज और बड़ी पर्सनैलिटी के दम पर सोशल मीडिया पर वायरल होने का मतलब ही बदल दिया है। एक लाइन तो उनके वायरल अंदाज की पहचान ही बन गई है। 'मनी फॉलोज माय ब्रदर' रवि किशन की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली और सबसे ज्यादा शेयर होने वाली लाइनों में से एक जो थी, जो कि अब वही एक पूरे गाने में बदल गई है - 'मनी फॉलोज माय ब्रदर'।रवि किशन का कहना है कि यह गाना इस बात का सबूत पेश करता है कि लोग उनके डायलॉग और एनर्जी से जुड़ते हैं। गाने के बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा, "सोशल मीडिया पर मुझे फैंस से जो प्यार मिल रहा है, वो वाकई में दिल को छू लेना वाला है। मैं अपने फैंस और महादेव का दिल से आभारी हूं और 'मनी फॉलोज माय ब्रदर' उसी प्यार को वापस लौटाने का मेरा तरीका है।" उन्होंने कहा, "लोग मुझसे जिस चीज के लिए जुड़ते हैं, मेरे डायलॉग्स, एनर्जी, मेरा लोगों के प्रति जुड़ाव और पर्सनैलिटी, सब कुछ उन्हें इस वीडियो में देखने को मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि वे इसे उसी प्यार और एक्साइटमेंट के साथ एन्जॉय करेंगे और संजो कर रखेंगे। इस बार कुछ स्पेशल पेश हो रहा है।" टी-सीरीज और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत, 'मनी फॉलोज माई ब्रदर' अब सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जिसका आधिकारिक सॉन्ग वीडियो टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर है।

राज काज

ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के करीब, WTI भी 103 डॉलर पार; मध्य पूर्व संकट से वैश्विक आपूर्ति पर गहराया संकट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड आज 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंचता नजर आ रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड आज 15 अप्रैल के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड 108 डॉलर के स्तर को पार कर 108.77 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब 104.46 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर पर पहुंच कर कारोबार करता नजर आया। ब्रेंट क्रूड ने आज बिना किसी बदलाव के 107.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद ये कुछ देर के लिए फिसल कर 107.16 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कीमत मे आई इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड ने देखते ही देखते 108 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 108.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में गिरावट आ गई, जिसकी वजह से फिसल कर गुरुवार के क्लोजिंग लेवल से भी नीचे पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 0.97 डॉलर प्रति बैरल यानी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 106.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 1.43 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 103.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 101.57 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 104.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.76 डॉलर प्रति बैरल यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के खिलाफ लगातार हमला करने

दैनिक राशिफल शनिवार 12 सितम्बर 2026

मेष – कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे।

वृष – महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मिथुन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे।

सिंह– आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें।

कन्या – आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

तुला – आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक – भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्डे में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मकर – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

कुंभ – बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मीन – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें।

दैनिक पंचांग

12 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

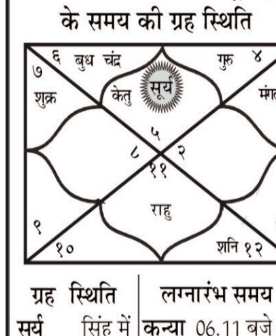

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.11 बजे से
चंद्र	कन्या में	तुला	08.21 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.36 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.52 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.57 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.44 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.47 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.27 बजे से
		मिथुन	23.25 बजे से
		कर्क	01.39 बजे से
		सिंह	03.55 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 255 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 07.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 12.56 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 15.09 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.47 बजे तदनन्तर बालव 19.24 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 15' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872830 **जूलियन दिन** 2461295.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 29 **विशेष** सामवेद उपाकर्म, चन्द्रदर्शन, गुरु ग्रंथ साहिब प्राकश दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

काली नदी पुल पर पुलिस ने एक किलो 36 ग्राम गांजे के साथ तस्कर किया गिरफ्तार

ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस की कार्रवाई, गिरफ्तार आरोपी पर पहले से दर्ज हैं 10 मुकदमे; गोवध, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में रहा है आरोपी का नाम

मुजफ्फरनगर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा–नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान काली नदी पुल से एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 1 किलो 36 ग्राम अवैध गांजा बरामद करने का दावा किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

काली नदी पुल पर चेकिंग के दौरान पकड़ा गया आरोपी

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को कोतवाली नगर पुलिस टीम काली नदी पुल के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 36 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

रउफ उर्फ काना के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान रउफ उर्फ काना पुत्र यूसुफ उर्फ बुद्धू, हाल निवासी तौफीक का होटल, कलियर थाना कलियर, जनपद हरिद्वार के रूप में की है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस बरामद गांजे के स्रोत और इसकी तस्करी से जुड़े अन्य संभावित लोगों के संबंध में भी जांच कर रही है।

आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास, 10 पुराने मुकदमे भी दर्ज

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार रउफ उर्फ काना का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। आरोपी के खिलाफ मुजफ्फरनगर के विभिन्न थानों में पशु क्रूरता अधिनियम, गोवध अधिनियम, आयुध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, चोरी से

संबंधित धाराओं और हत्या के प्रयास जैसे मामलों में मुकदमे दर्ज रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड में वर्तमान एनडीपीएस मामले को मिलाकर उसके खिलाफ कुल 11 मुकदमों का उल्लेख किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2015 में कोतवाली नगर में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद वर्ष 2018 में उसके खिलाफ गोवध अधिनियम के तहत दो मुकदमे तथा आयुध अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज हुआ। इसी दौरान उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी।

आर्म्स एक्ट से लेकर हत्या के प्रयास तक के मामले

रउफ उर्फ काना के खिलाफ वर्ष 2019 में कोतवाली नगर थाने में आयुध अधिनियम के दो मामलों के अलावा चोरी से संबंधित धाराओं में भी मुकदमा दर्ज हुआ। वहीं वर्ष 2020 में थाना तितावी में उसके खिलाफ धारा 307 भादवि यानी हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट तथा चोरी से संबंधित धाराओं में तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज होने का पुलिस ने उल्लेख किया है। अब वर्ष 2026 में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर की गिरफ्तारी इस कार्रवाई को कोतवाली नगर पुलिस की टीम ने अंजाम दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विक्रान्त कुमार, उपनिरीक्षक पवन प्रताप सिंह, कांस्टेबल मनीष और कांस्टेबल वेदराम शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। नशे के नेटवर्क पर पुलिस की नजर पुलिस की इस कार्रवाई को जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की धरपकड़ और अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी पर लगातार कार्रवाई कर रही है। काली नदी पुल पर हुई इस कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसकी सप्लाई किन लोगों तक की जानी थी।

किसान की सात बीघा ज्वार की फसल उजाड़ी, ट्रैक्टर-टिलर से खेत में मचाई तबाही

विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी, एक साल पहले 11 बीघा गन्ने की फसल नष्ट करने का भी आरोप; तितावी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव मुकंदपुर में किसान की सात बीघा ज्वार की फसल ट्रैक्टर, टिलर और मढ़े से नष्ट किए जाने का मामला सामने आया है। फसल बर्बाद किए जाने का विरोध करने पर किसान और उसके परिजनों के साथ गाली-गलौज कर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पीड़ित किसान की तहरीर पर तितावी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मुकंदपुर निवासी धर्मवीर सिंह पुत्र महावीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी सात बीघा ज्वार की फसल को योगेन्द्र पुत्र जयसिंह, सूरज पुत्र योगेन्द्र, सुमेश पत्नी योगेन्द्र, योगेन्द्र का साला बिट्टू पुत्र इन्द्रपाल और अन्य लोगों ने मिलकर ट्रैक्टर, टिलर व मढ़े से नष्ट कर दिया।

सूचना मिलते ही खेत पर पहुंचा किसान

किसान के अनुसार, फसल नष्ट किए जाने की सूचना मिलने पर वह अपने भाई उदयवीर और मिंटू पुत्र टीकाराम

के साथ खेत पर पहुंचा। वहां उन्होंने फसल नष्ट करने का विरोध करते हुए आरोपितों को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि इस पर आरोपितों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जाते समय पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

एक साल पहले गन्ने की फसल नष्ट करने का भी आरोप

तहरीर में किसान ने आरोप लगाया कि करीब एक वर्ष पहले भी उसकी 11 बीघा गन्ने की फसल को जहरीली दवा डालकर नष्ट कर दिया गया था। किसान का कहना है कि लगातार इस तरह की घटनाओं से वह और उसका परिवार डरा-सहमा हुआ है। उसे आरोपितों से अपनी और परिवार की जान-माल का खतरा बना हुआ है।

पुलिस से सुरक्षा और कड़ी कार्रवाई की मांग

पीड़ित किसान ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस मामले में आरोपों की जांच, घटना से जुड़े साक्ष्यों और फसल को हुए नुकसान का सत्यापन करते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

खतौली में पिंजरे की कैद से मुक्त कराए चार तोते: वन विभाग ने दी चेतावनी

पशु–पक्षियों पर क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी: पुनीत अरोड़ा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर क्षेत्र में वन्यजीवों के संरक्षण एवं सुरक्षा की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कार्रवाई देखने को मिली। पिंजरे में अवैध रूप से कैद करके रखे गए चार तोतों की सूचना पर पशु प्रेमी संगठन 'एलआईसी एनिमल वेलफेयर' और वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पक्षियों को आजाद कराया। इस दौरान संबंधित व्यक्ति को कड़ी चेतावनी देते हुए पक्षियों को खुले आसमान में उड़ने के लिए छोड़ दिया गया।

पशु प्रेमी संगठन की सूचना पर कार्रवाई

नगर क्षेत्र में शुक्रवार को एक व्यक्ति द्वारा चार तोतों को पिंजरे में बंद रखकर रखने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही पशु प्रेमी संगठन 'एलआईसी एनिमल वेलफेयर' की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। टीम ने स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित व्यक्ति को पकड़ा और सीधे थाने पहुँचाया, साथ ही मामले की पूरी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना पाते ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुँच गई और मामले की पड़ताल शुरू की।

अज्ञानता का दिया हवाला, चेतावनी देकर छोड़ा गया

वन विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी व्यक्ति ने बताया कि उसे इस बात का तनिक भी आभास नहीं था कि तोतों को पकड़ना, पिंजरे में पालना या बेचना कानूनन अपराध है। उसने अपनी अज्ञानता स्वीकार की। वन विभाग के अधिकारियों ने वैधानिक नियमों का हवाला देते हुए भविष्य में ऐसा न करने की सख्त चेतावनी दी और उसे हिदायत देकर छोड़ दिया। इसके पश्चात पिंजरे को खोलकर चारों तोतों को सकुशल मुक्त करा दिया गया।

पक्षियों को खुले आसमान में स्वतंत्र रहने दें: पुनीत अरोड़ा

कार्रवाई के बाद 'एलआईसी एनिमल वेलफेयर' संगठन के संस्थापक पुनीत अरोड़ा ने कहा कि वन्य पक्षियों को पकड़कर पिंजरे में कैद करना और उनका व्यापार करना कानून के सख्त खिलाफ है। उन्होंने आम जनमानस से भावुक अपील करते हुए कहा कि पक्षियों को उनके स्वाभाविक परिवेश में खुले आसमान के नीचे स्वतंत्र रहने दिया जाए, उन्हें पिंजरों में बंद कर उनकी आजादी न छीनी जाए। इस दौरान अभियान में संगठन के पुनीत अरोड़ा, अर्जुन बागड़ी एवं अभिनव यदुवंशी मुख्य रूप से मौजूद रहे। संस्था ने स्पष्ट किया कि वन्यजीवों और बेसहारा बेजुबानों की सुरक्षा तथा संरक्षण के लिए उनका यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

घर से खेलने निकला 16 वर्षीय किशोर लापता, तीन महीने बाद भी नहीं मिला सुराग

गांधी कॉलोनी से एक जून को निकला था किशोर, आसपास की गलियों से लेकर रिश्तेदारियों तक तलाश के बावजूद नहीं मिला; मां की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र की गांधी कॉलोनी से करीब 16 वर्ष छह माह का किशोर घर से खेलने के लिए निकला और वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास की गलियों और रिश्तेदारियों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परेशान मां ने थाना नई मंडी पहुंचकर बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

एक जून को घर से खेलने के लिए निकला था

गांधी कॉलोनी गली नंबर-11 वर्मा पार्क निवासी पूनम शर्मा पत्नी सतीश कुमार शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका करीब 16 वर्ष छह माह का बेटा एक जून 2026 को घर से बाहर खेलने के लिए गया था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। काफी समय बीत जाने के बाद भी बेटे के वापस न आने से परिवार की चिंता बढ़ती चली गई।

गलियों और रिश्तेदारियों में की गई तलाश

किशोर के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने पहले आसपास की गलियों में उसकी तलाश की। इसके बाद रिश्तेदारों से फोन पर संपर्क कर उसके बारे में जानकारी ली गई, लेकिन किसी भी रिश्तेदारी में किशोर के जाने की जानकारी नहीं मिली। परिजनों ने अपने स्तर से काफी तलाश की, मगर उसका पता नहीं चल सका।

पुलिस को बताया किशोर का हुलिया

तहरीर में किशोर का हुलिया भी पुलिस को बताया गया है। उसके नाक-कान सामान्य हैं, रंग मध्यम है और लंबाई करीब पांच फुट तीन इंच बताई गई है। घर से जाते समय उसने बैंगनी रंग की डाउन शोल्डर वाली टी-शर्ट, पीले रंग का लोअर और पैरों में चप्पल पहन रखी थी। पुलिस इसी हुलिये के आधार पर उसकी तलाश में जुटी है।

मां ने पुलिस से बेटे को तलाशने की लगाई गुहार

बेटे के लंबे समय से लापता होने से मां बेहद परेशान हैं। उन्होंने थाना नई मंडी पहुंचकर पुलिस को तहरीर देते हुए बेटे की गुमशुदगी दर्ज करने और उसे तलाश कर सकुशल बरामद कराने की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

संभावित स्थानों पर तलाश में जुटी पुलिस

गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस किशोर के घर से निकलने के बाद संभावित स्थानों और उसके संपर्कों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। आसपास के क्षेत्र में भी उसकी तलाश की जा रही है। परिजन लगातार उसके सकुशल वापस लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

खतौली के रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल, पांच सिलेंडर मिले; मुकदमा दर्ज

पूर्ति विभाग की जांच में हुआ खुलासा, दो सिलेंडर मौके पर जल रहे थे; रेस्टोरेंट संचालक और उसके भाई के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई

खतौली। खतौली नगर क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठान में घरेलू गैस सिलेंडरों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। पूर्ति विभाग की जांच में जानसठ रोड चौराहे पर स्थित हाजी महताब ताहरी वाले रेस्टोरेंट में 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले लाल रंग के पांच घरेलू गैस सिलेंडर मिले। इनमें से दो सिलेंडर जांच के समय रेस्टोरेंट में इस्तेमाल किए जा रहे थे। विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक महताब और उसके भाई नौशाद के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

समाधान दिवस में मिली थी शिकायत

मामला खतौली तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मिली शिकायत के बाद सामने आया। शिकायत में बताया गया था कि खतौली नगर क्षेत्र के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू श्रेणी के 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले लाल रंग के गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक कार्यों में इस्तेमाल किया जा रहा है। शिकायत के बाद उपजिलाधिकारी कार्यालय से पूर्ति विभाग को जांच के निर्देश दिए गए।

निर्देशों के अनुपालन में पूर्ति निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने तीन सितंबर

2026 को खतौली नगर क्षेत्र के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की। जांच के दौरान जानसठ रोड चौराहे पर हाजी महताब ताहरी वाले रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। वहां घरेलू श्रेणी के लाल रंग के पांच गैस सिलेंडर रखे हुए मिले। जांच के दौरान दोपहर करीब 2:15 बजे दो गैस सिलेंडर रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होते पाए गए। मौके पर रेस्टोरेंट संचालक महताब के बड़े भाई नौशाद पुत्र जहीरुद्दीन मौजूद मिले। पूर्ति विभाग की ओर से उनसे घरेलू गैस सिलेंडरों को व्यावसायिक प्रतिष्ठान में रखने और इस्तेमाल करने का वैध कारण तथा संबंधित अभिलेख मांगे गए, लेकिन जांच रिपोर्ट के अनुसार वह कोई वैध कारण अथवा अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में मिले पांच घरेलू गैस सिलेंडरों में चार भारत गैस कंपनी और एक इंडेन कंपनी का पाया गया। इनमें एक इंडेन सिलेंडर में करीब आठ किलोग्राम गैस भरी थी, जबकि एक भारत गैस सिलेंडर खाली था। तीन अन्य भारत गैस सिलेंडरों में क्रमशः करीब छह, चार और नौ किलोग्राम गैस भरी हुई मिली। घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक इस्तेमाल को बताया नियम विरुद्ध पूर्ति विभाग की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठान में घरेलू श्रेणी के गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल और भंडारण करना द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं वितरण विनियमन आदेश, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन है। यह कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय बताया गया है। मौके पर मिले पांचों घरेलू गैस सिलेंडरों को नियमानुसार भारत गैस एजेंसी, राजाराम मंडी, खतौली के कर्मचारी वसीम पुत्र शमशाद की अभिरक्षा में सौंप दिया गया।

मलीरा से 21 वर्षीय युवती लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप; मुकदमा दर्ज

शादी के उद्देश्य से गांव का ही युवक युवती को अपने साथ ले गया, परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन नहीं मिला सुराग; पुलिस ने शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव मलीरा से 21 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने गांव के ही युवक मांगे उर्फ लवीश पुत्र धर्मवीर, निवासी ग्राम मलीरा, थाना कोतवाली नगर, जनपद मुजफ्फरनगर पर युवती को बहला-फुसलाकर शादी करने के उद्देश्य से अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। काफी तलाश के बावजूद युवती का पता नहीं चलने पर परिजन थाने पहुंचे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

2 सितंबर से लापता है युवती

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार 21 वर्षीय युवती 2 सितंबर 2026 को लापता हुई। आरोप है कि गांव का ही रहने वाला मांगे उर्फ लवीश उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों का आरोप है कि युवक युवती को शादी करने के उद्देश्य से अपने साथ ले गया है।

परिजनों ने काफी तलाश की

युवती के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारी और परिचितों के अलावा संभावित स्थानों पर भी जानकारी की गई, लेकिन युवती और आरोपी युवक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

काफी तलाश के बाद भी युवती का पता नहीं चलने पर परिजन 10 सितंबर 2026 को थाना कोतवाली नगर पहुंचे। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में युवती को बरामद कराने और आरोपी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

थाना प्रभारी के आदेश पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी मांगे उर्फ लवीश पुत्र धर्मवीर, निवासी ग्राम मलीरा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने युवती की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी और युवती की तलाश जारी पुलिस आरोपी युवक के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही युवती की बरामदगी के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि युवती के मिलने के बाद उसके बयान दर्ज किए जाएंगे और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घर से अचानक लापता हुई 14 वर्षीय किशोरी, तितावी पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

बघरा में छह सितंबर की शाम घर से निकली थी किशोरी, रिश्तेदारी और संभावित स्थानों पर तलाश के बाद भी नहीं मिला सुराग

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के बघरा कस्बे से 14 वर्षीय किशोरी के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी के घर से गायब होने के बाद परिजनों ने रिश्तेदारियों सहित कई संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। काफी प्रयासों के बाद भी किशोरी का पता नहीं चलने पर उसके भाई की तहरीर पर तितावी पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

छह सितंबर की शाम घर से निकली थी किशोरी

बघरा निवासी किशोरी के भाई आदिल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बहन की उम्र करीब 14 वर्ष है। वह बघरा स्थित सर्वोदय कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा आठ तक पढ़ाई कर चुकी है। छह सितंबर 2026 को शाम करीब तीन बजे से पांच बजे के बीच किशोरी घर से कहीं चली गई और इसके बाद वापस नहीं लौटी।

परिजन के इलाज के लिए दिल्ली गया था भाई

तहरीर के अनुसार घटना के समय किशोरी का भाई एक परिजन के इलाज के सिलसिले में दिल्ली गया हुआ था। किशोरी के घर से लापता होने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पहले आसपास के इलाकों और परिचितों के यहां जानकारी की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

रिश्तेदारी समेत कई स्थानों पर तलाश

परिजनों ने किशोरी की रिश्तेदारियों के अलावा संभावित स्थानों पर भी तलाश की। मोबाइल संपर्क और परिचितों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया, लेकिन काफी तलाश के बावजूद किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर किशोरी को तलाशने की गुहार लगाई।

सूट-सलवार और चप्पल पहनकर निकली थी

पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक किशोरी जब घर से निकली थी, उस समय उसने सूट-सलवार पहन रखी थी और पैरों में चप्पल थी। परिजनों ने पुलिस से किशोरी की जल्द से जल्द तलाश कर उसे सकुशल बरामद कराने की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी, तलाश में जुटी टीम

किशोरी के भाई की तहरीर के आधार पर तितावी पुलिस ने नौ सितंबर को गुमशुदगी दर्ज कर ली। पुलिस किशोरी के घर से निकलने के बाद संभावित रास्तों, संपर्कों और उसके संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और उसे जल्द सकुशल बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

38 लाख की शादी के बाद 10 लाख रुपये की मांग का आरोप, पुलिसकर्मी पति समेत ससुराल पक्ष पर मुकदमा

विवाहिता ने जेठ पर गलत काम के प्रयास, नशीला पदार्थ पिलाने और मारपीट के लगाए गंभीर आरोप; बुढ़ाना थाने में दर्ज हुआ मुकदमा

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के ग्राम शाहडब्बर निवासी एक विवाहिता ने अपने पुलिसकर्मी पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली-गलौज, जबरदस्ती गलत काम करने के प्रयास, दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने और 10 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। विवाहिता की तहरीर के आधार पर बुढ़ाना थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 3 मई 2026 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अमित कुमार तोमर निवासी ग्राम रंछाड़, थाना बिनौली, जनपद बागपत, हाल तैनाती कांस्टेबल सेक्टर-18 नोएडा के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी में उसके मायके पक्ष ने करीब 38 लाख रुपये खर्च किए थे।

शादी में 38 लाख रुपये खर्च करने का दावा

तहरीर के अनुसार शादी में गृहस्थी का सामान, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान पर करीब तीन लाख रुपये, पांच तोले सोने के जेवरात पर करीब आठ लाख रुपये, चांदी के जेवरात पर करीब एक लाख रुपये, मारुति बलेनो कार के लिए आठ लाख रुपये नकद तथा सगाई और शादी में करीब 18 लाख रुपये खर्च किए गए।

पति पर दूसरी महिला से संबंध का आरोप

विवाहिता ने अपने पति पर नोएडा में ज्वैलरी शॉप पर काम करने वाली एक युवती से कथित अनैतिक संबंध होने का आरोप लगाया है। साथ ही पति पर अपनी चाची के साथ भी अवैध संबंध होने का आरोप लगाया गया है। विवाहिता के अनुसार उसे इन बातों की जानकारी शादी के बाद ससुराल में रहने के दौरान हुई।

जेठ पर कमरे में बंद कर गलत काम के प्रयास का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 15 जून 2026 की रात जेठ मोहित कुमार ने उसे अकेला पाकर कमरे का दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ जबरदस्ती गलत काम करने का प्रयास किया। विवाहिता का कहना है कि उसने इस घटना की शिकायत अपनी सास से की, लेकिन आरोप है कि सास ने उसे इस संबंध में किसी से कुछ नहीं बताने की बात कही।

दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने का आरोप

विवाहिता ने आरोप लगाया कि 17 जून को उसकी सास, चचिया सास और जेठानी ने एक राय होकर जान से मारने की नीयत से दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। इसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोप है कि 18 जून की सुबह उसे होश आया, जिसके बाद उसने अपने मायके वालों को पूरी घटना की जानकारी दी। मायके वालों के पहुंचने पर 10 लाख रुपये की मांग का आरोप विवाहिता के मुताबिक 19 जून को उसके मायके से चार-पांच लोग ससुराल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इसके बाद 21 जून को उसका भाई और पिता उसे अपने साथ मायके ले आए। आरोप है कि इसी दौरान ससुराल पक्ष की ओर से उसके पिता और भाई से 10 लाख रुपये की मांग की गई।

रकम नहीं देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि ससुराल पक्ष ने 10 लाख रुपये नहीं देने पर उसके पिता और भाई को फर्जी मुकदमों में जेल भिजवाने की धमकी दी। विवाहिता का आरोप है कि उसके पति ने भी परिवार की मांग पूरी करने का दबाव बनाया और मांग पूरी नहीं करने पर उसके पिता व भाई को जेल भिजवाने की धमकी दी।

दहेज कम लाने का ताना और मारपीट का आरोप

विवाहिता ने पति, जेठ, सास, जेठानी और चचिया ससुर पर मारपीट, गाली-गलौज और दहेज कम लाने का ताना देने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि ससुराल पक्ष बार-बार कहता था कि उनका बेटा पुलिस विभाग में है और उसकी हैसियत के मुताबिक शादी में खर्च नहीं किया गया। विवाहिता ने 6 अगस्त 2026 को पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। तहरीर के आधार पर बुढ़ाना थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों एवं बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच अमन के साथ अदा हुई जुमे की नमाज

मुजफ्फरनगर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा, 4 सुपर जोन, 9 जोन और 22 सेक्टर में बांटा गया जिला, 17 क्यूआरटी ने संभाला

मुजफ्फरनगर। संवेदनशीलता को देखते हुए शुक्रवार को जिलेभर में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। सुबह से ही प्रमुख चौराहों, संवेदनशील इलाकों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की कड़ी निगरानी और प्रशासन की सतर्कता के बीच जिले में जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नमाज के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। नमाज के बाद भी पुलिसकर्मी संवेदनशील इलाकों में तैनात रहे और अधिकारी लगातार भ्रमण करते हुए हालात पर नजर बनाए रहे।

एसएसपी की आपात बैठक के बाद तैयार हुआ था सुरक्षा का पूरा खाका

जुमे की नमाज से पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने जिले के तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ आपात बैठक कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा की थी। बैठक में संवेदनशील स्थानों की स्थिति, पुलिस बल की तैनाती, गश्त, क्यूआरटी की उपलब्धता, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी समेत सुरक्षा के तमाम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। एसएसपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि शुक्रवार को किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी अधिकारी सुबह से ही अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करें।

चार सुपर जोन, नौ जोन और 22 सेक्टर में बंटा पूरा जनपद

सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पूरे जिले को चार सुपर जोन, नौ जोन और 22 सेक्टरों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक सुपर जोन, जोन और सेक्टर में पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए गए थे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया, जबकि महत्वपूर्ण चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास भी विशेष निगरानी रखी गई।

17 क्यूआरटी को रखा गया पूरी तरह मुस्तैद

किसी भी आकस्मिक स्थिति से तत्काल निपटने के लिए जिले में 17 क्विक रिस्पॉन्स टीम यानी क्यूआरटी को मुस्तैद किया गया। इन टीमों को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालने के लिए तैयार रखा गया था। पुलिस अधिकारियों ने क्यूआरटी की उपलब्धता और उनकी तैनाती की लगातार निगरानी की, ताकि किसी भी सूचना पर बिना देरी के प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

एंटी रॉयट इक्विपमेंट के साथ तैनात रहा पुलिस बल

संवेदनशीलता को देखते हुए महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल को एंटी रॉयट इक्विपमेंट के साथ तैनात किया गया था। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी और सुरक्षा उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस का फोकस किसी भी अप्रिय परिस्थिति को शुरूआत में ही नियंत्रित करने और आम लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने पर रहा।

डीएम-एसएसपी ने खुद संभाली कमान, मीनाक्षी चौक पहुंचे

शुक्रवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा स्वयं लगातार भ्रमणशील रहे। दोनों अधिकारियों ने थाना खालापार क्षेत्र के मीनाक्षी चौक और फक्कड़शाह चौक पहुंचकर मौके की सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वहां तैनात पुलिस बल से जानकारी ली और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम और एसएसपी ने यह भी सुनिश्चित किया कि नमाज के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और नमाज के बाद भी लोगों की आवाजाही सामान्य तरीके से बनी रहे। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा किसी भी सूचना को हल्के में नहीं लेने के निर्देश दिए।

ड्रोन कैमरों से आसमान से निगरानी, सीसीटीवी भी बने सुरक्षा की आंख

जिले के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस की टीमें महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार गतिविधियों पर नजर रखती रहीं। इसके अलावा एएस चेक टीम और एलआईयू को भी सक्रिय रखा गया। संदिग्ध गतिविधि या किसी प्रकार की अफवाह सामने आने पर तत्काल जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

धर्मगुरुओं और जिम्मेदार लोगों से संवाद कर मांगा सहयोग

पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जनसंवाद पर भी विशेष जोर दिया। धर्मगुरुओं और समाज के जिम्मेदार लोगों के साथ संवाद स्थापित कर शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की सामूहिक अपील की गई।

पेट्रोल पंप के क्यूआर कोड से साइबर ठगी की रकम खपाने वाला गिरोह बेनकाब, दो गिरफ्तार

ठगी की रकम पेट्रोल पंप के खातों में मंगाकर निकलवाते थे नकदी, कमीशन काटकर अलग-अलग खातों में कराते थे जमा; फर्जी आधार कार्ड समेत तीन मोबाइल बरामद

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुजफ्फरनगर साइबर अपराध थाना पुलिस ने साइबर ठगी की रकम को पेट्रोल पंपों के क्यूआर कोड के माध्यम से अलग-अलग खातों में पहुंचाकर उसका असली स्रोत छिपाने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद किया गया है।

पेट्रोल पंप संचालकों को मजबूरी बताकर लेते थे क्यूआर कोड

पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर पेट्रोल पंपों पर जाते थे और वहां अपनी कोई न कोई मजबूरी बताकर पेट्रोल पंप का क्यूआर कोड प्राप्त कर लेते थे। इसके बाद यह क्यूआर कोड अपने अन्य साथियों को भेज दिया जाता था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इसी क्यूआर कोड के माध्यम से पेट्रोल पंप के खाते में मंगाई जाती थी। जांच में सामने आया कि पेट्रोल पंप के खाते में ठगी की रकम पहुंचने के बाद आरोपी पेट्रोल पंप कर्मचारियों से धनराशि नकद निकलवा लेते थे। नकदी प्राप्त होने के बाद उसमें से अपना कमीशन काट लिया जाता था। इसके बाद बाकी रकम सहयोगियों द्वारा बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में जमा या स्थानांतरित कर दी जाती थी।

अलग-अलग खातों में घुमाकर छिपाते थे रकम का स्रोत

पुलिस के मुताबिक साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि को सीधे अपने खाते में रखने के बजाय आरोपी उसे अलग-अलग बैंक खातों और क्यूआर कोड के माध्यम से कई स्थानों पर भेजते थे। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ठगी की रकम के वास्तविक स्रोत को छिपाना था। पुलिस जांच में आरोपियों द्वारा इस काम के लिए बैंक खातों की व्यवस्था कराने और फर्जी व कूटरचित आधार कार्ड का इस्तेमाल किए जाने की बात भी सामने आई है। फर्जी आयुर्वेदिक और शक्तिवर्धक दवाओं के नाम पर ठगी से जुड़ा मामला साइबर अपराध थाना पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई फर्जी आयुर्वेदिक एवं शक्तिवर्धक दवाओं के नाम पर की गई धोखाधड़ी की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर की गई। पुलिस टीम ने गहन जांच के बाद मामले में प्रकाश में आए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्पित कुमार पुत्र स्वर्गीय नरेन्द्र सिंह निवासी किरठल, थाना रमाला, जनपद बागपत तथा आकाश पुत्र ब्रजपाल सिंह निवासी रेवारा, थाना कवरई, जनपद महोबा के रूप में की है।

गंभीर धाराओं में दर्ज है मुकदमा

इस संबंध में थाना साइबर अपराध मुजफ्फरनगर में मुकदमा संख्या 33/2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 336(3), 340(2), 317(4) तथा 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस इन मोबाइल फोन और दस्तावेजों की जांच कर रही है। इनके माध्यम से ठगी की रकम से जुड़े अन्य खातों, लेनदेन और आरोपियों के सहयोगियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

830 रुपये के बकाया ने बढ़ाया विवाद, डॉक्टर की क्लीनिक पर जमकर हंगामा

दवा लेने पहुंची महिला ने लगाया बदसलूकी और पर्चा फेंककर मारने का आरोप, पति के पहुंचते ही दोनों पक्षों में बढ़ी कहासुनी; सीसीटीवी फुटेज दिखाने को लेकर भी हुआ विवाद

मुजफ्फरनगर। शहर के सर्कुलर रोड स्थित एक डॉक्टर की क्लीनिक पर शुक्रवार दोपहर दवा के कथित बकाया भुगतान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। महज करीब 830 रुपये के लेनदेन को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हंगामे में बदल गई। क्लीनिक के अंदर से शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में बाहर तक पहुंच गया। दोनों पक्षों के बीच कैमरे के सामने तीखी नोकझोंक के साथ गाली-गलौज होने का वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि, पूरे मामले की वास्तविक स्थिति दोनों पक्षों के बयान और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

ससुर की दवा लेने पहुंची थी महिला

बताया गया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे प्रीति अपने ससुर की दवाई लेने सर्कुलर रोड स्थित डॉ. राजेश अहलावत की क्लीनिक पर पहुंची थीं। इसी दौरान दवा के भुगतान को लेकर डॉक्टर और महिला के बीच बातचीत शुरू हो गई। महिला पक्ष का आरोप है कि डॉक्टर की ओर से मेडिकल स्टोर के करीब 830 रुपये बकाया होने की बात कही गई और उनसे भुगतान को लेकर सवाल किया गया। प्रीति का कहना है कि उन्होंने डॉक्टर को समझाने का प्रयास किया कि मेडिकल स्टोर का कोई पुराना पैसा बकाया नहीं है और पूर्व में दवाइयों के पैसे का भुगतान किया जा चुका है। महिला के मुताबिक, इसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई।

पर्चा फेंककर मारने का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान डॉक्टर ने पर्चा फेंककर उन्हें मारा। इसके बाद मामला और गरमा गया। प्रीति का यह भी आरोप है कि क्लीनिक में मौजूद मेडिकल स्टाफ ने उनके साथ बदसलूकी की। स्थिति बिगड़ती देख महिला ने फोन कर अपने पति को मौके पर बुला लिया।

पति के पहुंचते ही बढ़ गया विवाद

कुछ देर बाद महिला का पति क्लीनिक पर पहुंचा तो दोनों पक्षों के बीच बहस और तेज हो गई। महिला और उसके पति ने मेडिकल स्टोर के कथित बकाये को लेकर आपत्ति जताई और कहा कि यदि कोई रकम वास्तव में बकाया है तो उसका पूरा हिसाब दिखाया जाना चाहिए। इसी बात को लेकर क्लीनिक के अंदर काफी देर तक तीखी बहस चलती रही। देखते ही देखते मामला हंगामे में तब्दील हो गया और क्लीनिक के अंदर के साथ-साथ बाहर सड़क तक दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक होती रही।

महिला पक्ष ने विवाद की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए क्लीनिक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने की मांग की। उनका कहना था कि कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई होगी, इसलिए फुटेज देखकर यह स्पष्ट किया जा सकता है कि विवाद की शुरूआत किस बात को लेकर हुई और किसने क्या कहा। महिला पक्ष का आरोप है कि उनके द्वारा सीसीटीवी फुटेज चेक कराने का आग्रह किए जाने के बावजूद क्लीनिक स्टाफ ने कैमरे की फुटेज दिखाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर विवाद और बढ़ गया।

क्लीनिक के अंदर से सड़क तक गूंजती रही गाली-गलौज

विवाद बढ़ने के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर गाली-गलौज होने का आरोप है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, कुछ समय के लिए क्लीनिक के आसपास अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। क्लीनिक के अंदर चल रही बहस सड़क तक पहुंच गई और वहां भी दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराने का प्रयास किया। हंगामे के कारण आसपास के लोगों की भी भीड़ जमा हो गई।

महिला पक्ष ने कहा- पहले ही कर चुके हैं भुगतान

प्रीति और उनके पति का कहना है कि मेडिकल स्टोर के पैसे बकाया होने का आरोप सही नहीं है। उनका कहना है कि दवा के पैसे पहले ही दिए जा चुके हैं। ऐसे में अचानक 830 रुपये बकाया बताए जाने पर उन्होंने हिसाब-किताब स्पष्ट करने की मांग की। महिला पक्ष का कहना है कि यदि कोई भुगतान वास्तव में लंबित था तो उसका बिल या पूरा हिसाब दिखाया जाना चाहिए था, ताकि विवाद वहीं समाप्त हो जाता।

छपरा में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सख्त कार्रवाई की मांग, राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। छपरा गांव में जन्माष्टमी के अवसर पर राधा का रूप धारण करने वाली नाबालिग हिंदू लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के आरोपों को लेकर राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन के कार्यकताओं ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। संगठन ने घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई समेत पीड़िता को सुरक्षा और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

संगठन की ओर से जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की मांग की गई।

संगठन ने मांग की कि मामले में आरोपियों की संपत्तियों की जांच कराई जाए और यदि किसी प्रकार का अवैध निर्माण पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित नाबालिग लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसे मुजफ्फरनगर शहर में सरकारी आवास उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में पीड़िता और उसके परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने, मुकदमे की प्रभावी पैरवी करते हुए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने तथा शीघ्र कठोर सजा दिलाने की मांग की गई। इसके अलावा संगठन ने आरोपियों और उनके परिजनों के कथित विदेशी संपर्कों, बैंक खातों और संपत्तियों की जांच कराने की मांग भी उठाई।

प्रदर्शन का नेतृत्व राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सरिता शर्मा अरोड़ा ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय संयोजक संजय अरोड़ा, जिला अध्यक्ष कन्हैया शर्मा, निशु गोसेवक, नवीन कुमार गोसेवक, चेतन अग्रवाल, राजकुमार गर्ग, विकास अग्रवाल, राजेश शर्मा, अनुराग मित्तल, प्रशांत सोनी, प्रवीण वर्मा, सचिन सैनी, मनोज गोयल, दीपांशु पाल, निशा वर्मा, निखिल वर्मा, पिंकी कुमार, सरदार जागन सिंह, संजीव शर्मा, अमरीश अग्रवाल, मंजू सहित संगठन के काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कान्हाहेड़ी में चोरों का धावा, दो ट्यूबवेलों से बिजली मोटर और तार चोरी

एक किसान की ट्यूबवेल से 10 एचपी का बिजली मोटर व तार ले गए चोर, पड़ोसी की ट्यूबवेल का ताला तोड़कर भी बिजली तार किया चोरी, चरथावल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कान्हाहेड़ी में चोरों ने रात के अंधेरे में ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए दो किसानों को नुकसान पहुंचाया। अज्ञात चोर एक किसान की ट्यूबवेल से 10 एचपी का बिजली मोटर और तार चोरी कर ले गए, जबकि पास स्थित दूसरी ट्यूबवेल के कमरे का ताला तोड़कर वहां से भी बिजली का तार चोरी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर चरथावल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

रात के समय ट्यूबवेल पर पहुंचे चोर

गांव कान्हाहेड़ी निवासी अरुण कुमार पुत्र ज्योती प्रसाद ने थाना चरथावल में दी तहरीर में बताया कि उनकी ट्यूबवेल को रात अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोर ट्यूबवेल से 10 एचपी का बिजली मोटर और बिजली का तार चोरी करके ले गए।

पड़ोसी की ट्यूबवेल का ताला तोड़कर तार भी ले गए

तहरीर के मुताबिक चोरों ने अरुण कुमार की ट्यूबवेल के अलावा उनके पड़ोसी प्रदीप कुमार पुत्र पूरण चन्द निवासी ग्राम कान्हाहेड़ी, थाना चरथावल, जिला मुजफ्फरनगर की ट्यूबवेल को भी निशाना बनाया। चोरों ने ट्यूबवेल के कमरे के दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर रखा बिजली का तार चोरी कर लिया।

सुबह जानकारी मिलने पर मचा हड़कंप

सुबह ट्यूबवेल पर पहुंचने के बाद चोरी की घटना का पता चला तो पीड़ित किसानों में हड़कंप मच गया। ट्यूबवेल के कमरे का टूटा हुआ ताला और सामान गायब मिलने पर आसपास के किसानों को भी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद अरुण कुमार ने मामले की शिकायत थाना चरथावल पुलिस से की।

अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अरुण कुमार की तहरीर के आधार पर थाना चरथावल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही चोरों की पहचान और चोरी किए गए बिजली मोटर व तार की बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

लगातार ट्यूबवेलों को निशाना बनाने से किसानों में चिंता

ग्रामीण इलाकों में खेतों पर बनी ट्यूबवेलों से मोटर और बिजली का सामान चोरी होने की घटनाओं से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि रात के समय खेतों पर निगरानी नहीं होने का फायदा उठाकर चोर वारदात को अंजाम देते हैं। कान्हाहेड़ी में एक ही रात दो ट्यूबवेलों को निशाना बनाए जाने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है। पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमे के बाद अब चोरों तक पहुंचने और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के लिए जांच की जा रही है।

गन्ने के खेत में मिले जानवर के सिर और पैर, सादपुर में मचा हड़कंप

गन्ने की बंधाई करने पहुंचे ग्रामीण को फसल के बीच दिखाई दिए संदिग्ध अवशेष, भाई को दी सूचना, जानसठ पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र के गांव सादपुर में गन्ने के खेत के अंदर किसी जानवर के सिर और पैर पड़े मिलने से हड़कंप मच गया। खेत में गन्ने की बंधाई करने पहुंचे ग्रामीण की नजर जैसे ही फसल के बीच पड़े इन अवशेषों पर पड़ी, वह हैरान रह गया। खेत में संदिग्ध अवस्था में जानवर के अंग पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद कोतवाली जानसठ पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गन्ने की बंधाई करने खेत पहुंचा था ग्रामीण

गांव सादपुर निवासी शुभम पुत्र अरविन्द ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 10 जुलाई 2026 को वह अपने खेत में गन्ने की बंधाई करने के लिए गया था। खेत में गन्ने की फसल के बीच पहुंचने के बाद वह अपनी फसल का काम कर रहा था। इसी दौरान उसकी नजर गन्ने के बीच जमीन पर पड़े किसी जानवर के पैर और सिर पर पड़ी। अचानक इस तरह के अवशेष दिखाई देने पर वह घबरा गया और मामले की जानकारी अपने भाई को देने के लिए तत्काल उससे संपर्क किया।

फसल के बीच पड़े थे सिर और पैर

तहरीर में ग्रामीण ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि उसे गन्ने के खेत में किसी जानवर के पैर और सिर पड़े हुए दिखाई दिए। इन अवशेषों को देखकर उसके मन में कई सवाल उठे। खेत में जानवर के अंग मिलने की जानकारी उसने अपने भाई रजत पुत्र सुभाष को दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची और घटनाक्रम को लेकर जांच की प्रक्रिया शुरू हुई।

अवशेष खेत में कैसे पहुंचे, जांच का अहम बिंदु

गन्ने के खेत में जानवर के सिर और पैर मिलने की घटना को लेकर पुलिस के सामने कई सवाल हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि ये अवशेष खेत के अंदर किस तरह पहुंचे। क्या किसी जानवर की प्राकृतिक रूप से मौत हुई थी और उसके अवशेष वहां रह गए, या फिर किसी अन्य कारण से इन्हें खेत में लाकर डाला गया–इन तमाम पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस जांच पूरी नहीं हुई है और अवशेषों को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगा। घटना के संबंध में शुभम ने कोतवाली जानसठ पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और वहां मिले अवशेषों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

ग्रामीणों में चर्चा, पुलिस जांच पर टिकी निगाहें

गांव में खेत के अंदर जानवर के सिर और पैर मिलने की जानकारी फैलने के बाद ग्रामीणों में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है। लोग घटना के पीछे की वास्तविक वजह जानना चाहते हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस अभिलेख के अनुसार शिकायतकर्ता शुभम पुत्र अरविन्द निवासी सादपुर द्वारा दी गई तहरीर को दर्ज किया गया है। फिलहाल सादपुर के गन्ने के खेत में मिले जानवर के सिर और पैर को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस की जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अवशेष किस जानवर के हैं,

रोहाना कलां में पहली बार रुकी दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस, क्षेत्रवासियों का वर्षों पुराना इंतजार खत्म

सांसद चंदन चौहान की पैरवी लाई रंग, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार के प्रयासों को भी मिली सफलता; ढोल-नगाड़ों के बीच लोको पायलट का स्वागत, 15 से अधिक गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

मुजफ्फरनगर। रोहाना कलां और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई और दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस का रोहाना कलां रेलवे स्टेशन पर नियमित ठहराव शुरू हो गया। पहली बार एक्सप्रेस ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। स्टेशन पर ढोल-नगाड़े बजाए गए और जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने ट्रेन का जोरदार स्वागत किया। पहले ठहराव के मौके पर बिजनौर सांसद चंदन सिंह चौहान और कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार मौजूद रहे। दोनों ने ट्रेन के लोको पायलट का माल्यार्पण कर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। लोगों ने इसे रोहाना कलां ही नहीं, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के लिए बड़ी रेल सौगात बताया।

11 सितंबर से शुरू हुआ नियमित ठहराव

रेलवे की ओर से दिल्ली जंक्शन-हरिद्वार एक्सप्रेस के रोहाना कलां स्टेशन पर ठहराव की स्वीकृति के बाद शुक्रवार 11 सितंबर 2026 से इसका संचालन शुरू हुआ। उपलब्ध समय सारिणी के अनुसार दिल्ली से हरिद्वार जाने वाली ट्रेन संख्या 14303 रोहाना कलां में रात करीब 8 बजकर 23 मिनट पर पहुंचेगी और एक मिनट के ठहराव के बाद आगे रवाना होगी। वहीं हरिद्वार से दिल्ली जाने वाली ट्रेन संख्या 14304 सुबह करीब 11 बजकर 34 मिनट पर रोहाना कलां पहुंचेगी और 11 बजकर 35 मिनट पर रवाना होगी।

पहली बार एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव से स्टेशन पर जश्न

शुक्रवार को ट्रेन के रोहाना कलां पहुंचते ही स्टेशन पर उत्सव जैसा माहौल बन गया। ढोल-नगाड़ों के बीच सांसद चंदन चौहान और कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने लोको पायलट का स्वागत किया। उन्हें

माला पहनाई गई और मिठाई खिलाई गई। स्थानीय लोगों ने भी ट्रेन के ठहराव पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। रोहाना कलां स्टेशन के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित ठहराव शुरू हुआ है। यही वजह रही कि पहले ठहराव को लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। रोहाना कलां स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग कोरोना काल के बाद से लगातार उठ रही थी। पहले यहां कई यात्री ट्रेनों का ठहराव होता था, लेकिन कोरोना काल के दौरान सेवाएं प्रभावित होने के बाद कई ट्रेनों का ठहराव बंद हो गया था। इसके चलते ग्रामीणों को दिल्ली, मेरठ, सहारनपुर, हरिद्वार और अन्य शहरों की यात्रा के लिए मुजफ्फरनगर अथवा अन्य स्टेशनों तक जाना पड़ता था। क्षेत्रवासियों की इसी समस्या को सांसद चंदन चौहान ने गंभीरता से उठाया। संसदीय रिकॉर्ड के अनुसार फरवरी 2025 में उन्होंने लोकसभा में रोहाना कलां स्टेशन पर पहले से रुकने वाली ट्रेनों के ठहराव को पुनः बहाल करने की मांग उठाई थी। उन्होंने दिल्ली-अंबाला, साबरमती-ऋषिकेश और दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस समेत ट्रेनों के ठहराव की मांग करते हुए कहा था कि इससे बड़ी संख्या में आम लोगों को लाभ मिलेगा।

रेल मंत्री की स्वीकृति के बाद खुला रास्ता

उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने भी रोहाना में एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को लेकर रेल मंत्री को पत्र भेजकर मांग रखी थी। इसके बाद जुलाई में ठहराव की स्वीकृति मिली और सितंबर में रेलवे मुख्यालय की ओर से आदेश जारी होने के बाद 11 सितंबर से ठहराव लागू कर दिया गया। इस तरह क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की पैरवी और लगातार प्रयासों के बाद रोहाना कलां स्टेशन को यह महत्वपूर्ण रेल सुविधा मिल सकी।

15 से अधिक गांवों के यात्रियों को मिलेगा सीधा फायदा

रोहाना कलां में एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव का लाभ आसपास के 15 से अधिक गांवों को मिलने की उम्मीद है। इनमें रोहाना कलां, रोहाना खुर्द, बहेड़ी, मलीरा, बड़कली, घलौली, खामपुर, रेई, आखलौर, पावटी, सादपुर, सैदपुरा और बधाई समेत आसपास के कई गांव शामिल बताए गए हैं। अब इन क्षेत्रों के लोगों को दिल्ली या हरिद्वार जाने के लिए पहले मुजफ्फरनगर पहुंचकर ट्रेन पकड़ने की जरूरत कम होगी।

कॉन्फिडेंस पैदा करता है जॉब इंटरव्यू से पहले होमवर्क

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खोलता है स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बौस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वतः ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंटस की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

कैसे बनाएं जॉब और इंटरव्यू के लिए बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

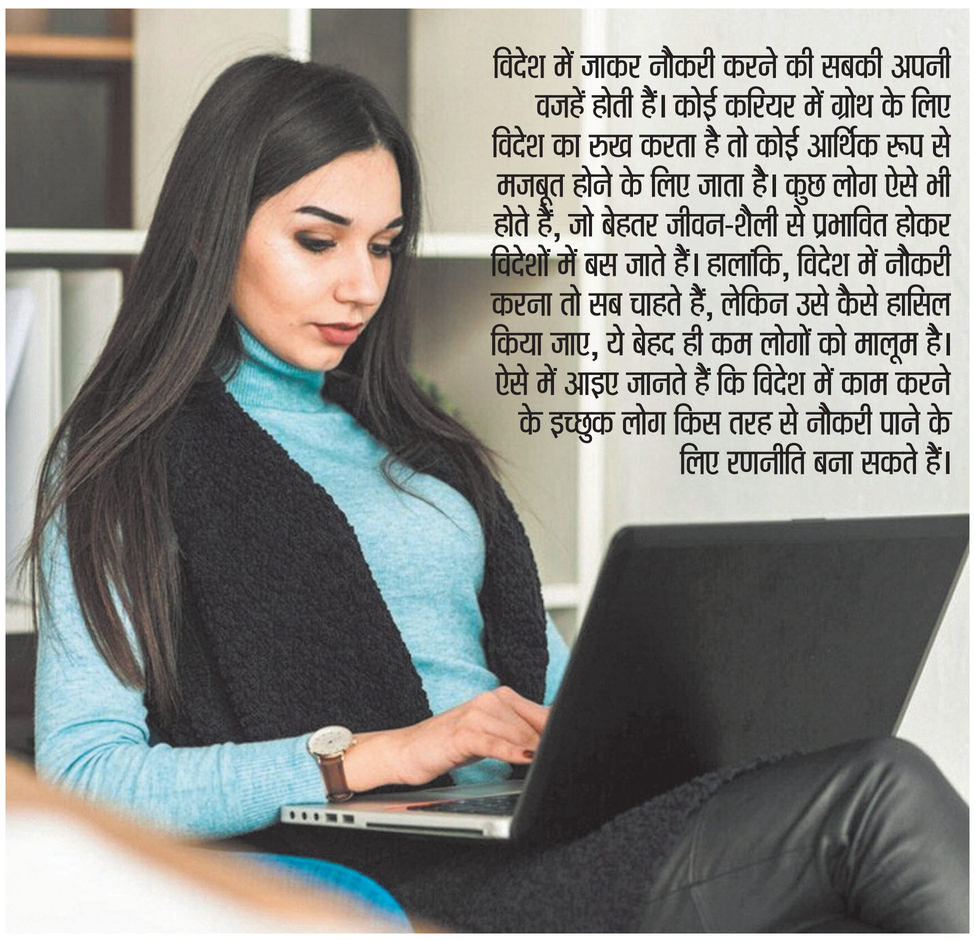

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विदेश में करनी है नौकरी बस करने होंगे ये जरूरी काम

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव - जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

5 मंजिला कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर में शुक्रवार को 5 मंजिला कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स पर प्राधिकरण ने कार्रवाई शुरू की। करीब 7,950 वर्गमीटर जमीन पर बने इस कॉम्प्लेक्स को तोड़ने के लिए प्राधिकरण की 7 जेसीबी मौके पर पहुंचीं। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी तैनात रहे। हालांकि बीच में ही कार्रवाई को रोक दिया गया। दरअसल दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन चल रहा है। ऐसे में लॉ एंड आर्डर का हवाला देते हुए इसे रोका गया।

प्राधिकरण ने बताया कि दो दिन बाद दोबारा से एक्शन लेते हुए पूरी इमारत को ध्वस्त किया जाएगा। मौके पर प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, जीएम एके अरोड़ा और संबंधित सर्कल अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों की निगरानी में कॉम्प्लेक्स को तोड़ा जा रहा है। प्राधिकरण के मुताबिक, यह निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया था। कार्रवाई के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

2002 में जमीन का अधिग्रहण हुआ था: प्राधिकरण के मुताबिक, खसरा नंबर-412 की यह जमीन वर्ष 2002 में अधिग्रहित की गई थी। इसके बावजूद वर्ष 2023 में निश्याम बिल्डकान प्राइवेट लिमिटेड और हिमश्री हिमालय बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड ने यहां कॉमर्शियल निर्माण शुरू कर दिया।

प्राधिकरण ने इसे सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण बताया था। इसके बाद संबंधित पक्ष कोर्ट चले गए। 12 अप्रैल 2023 को कोर्ट से प्राधिकरण के खिलाफ एकपक्षीय स्थगनादेश मिल गया था। इसके बाद कार्रवाई रोक दी गई थी।

करीब 3 साल बाद कोर्ट से मिली कार्रवाई की अनुमति: मामले की सुनवाई गौतमबुद्धनगर की अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में चल रही थी। हाल ही में कोर्ट ने एकपक्षीय स्थगनादेश खारिज कर दिया। इसके बाद प्राधिकरण के लिए कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया।

शुक्रवार को प्राधिकरण ने पुलिस की मौजूदगी में कॉम्प्लेक्स को तोड़ना शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई नियमानुसार आगे भी जारी रहेगी।

अधिग्रहित जमीनों से कब्जे हटाने का अभियान: नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने अधिग्रहित जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए हैं। हाजीपुर में की जा रही कार्रवाई भी इसी अभियान का हिस्सा है। प्राधिकरण का कहना है कि जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ अनधिकृत निर्माण भी हटाया जाएगा।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी पुलिस ने अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी की 18 बाइक और एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रेकी करने के बाद मोटरसाइकिल चोरी करते थे और उन्हें सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे। बाद में राह चलते लोगों को सस्ते दामों पर बेच देते थे।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि शुक्रवार को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर दादरी पुलिस ने गांव कोट के सर्विस रोड स्थित श्मशान घाट के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान दादरी कस्बे की नई आबादी निवासी कलुआ (35), न्यादरगंज निवासी नितिन पंडित (18) और चिटहैरा की डूडा कॉलोनी निवासी अनमोल भारती (18) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे। मौका मिलते ही वाहन चोरी कर उन्हें जंगल या अन्य सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे। इसके बाद चोरी की मोटरसाइकिलों को सस्ते दामों में राह चलते लोगों को बेच देते थे। इससे मिलने वाली रकम को आपस में बांटकर व्यक्तिगत खर्च और मौज-मस्ती में इस्तेमाल करते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से बरामद 18 बाइक में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के पंजीकरण नंबर वाले वाहन शामिल हैं। कुछ बाइक के पंजीकरण नंबर उपलब्ध नहीं होने पर उनके इंजन नंबर के आधार पर पहचान की जा रही है। कलुआ के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब बरामद बाइक के संबंध में अन्य मुकदमों की जानकारी जुटाने के साथ गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

हाईस्कूल-इंटर के परीक्षा आवेदन की समयसीमा बढ़ी, 28 सितंबर तक जमा होगा शुल्क

नोएडा। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी कर रहे यूपी बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। 2027 की परीक्षा शुल्क जमा करने और ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथियों में बदलाव किया गया है। अब कक्षा 10 और 12 के संस्थागत व व्यक्तिगत परीक्षार्थी 28 सितंबर तक परीक्षा शुल्क जमा कर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर ने बताया कि संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

संस्थागत परीक्षार्थियों से प्राप्त शुल्क को चालान के जरिए कोषागार में जमा कराने की अंतिम तिथि 28 सितंबर तय की गई है। वहीं, विद्यालयों को परीक्षा शुल्क जमा होने की सूचना और विद्यार्थियों का परीक्षा विवरण परिषद की वेबसाइट पर 30 सितंबर की रात 12 बजे तक ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

ऑनलाइन विवरण अपलोड होने के बाद विद्यालय प्रधानाचार्य चेकलिस्ट प्राप्त कर सभी जानकारियों का सत्यापन करेंगे। किसी विद्यार्थी के विवरण में गलती पाए जाने पर 1 से 6 अक्टूबर की मध्यरात्रि तक उसमें संशोधन किया जा सकेगा। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का नया संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इसके बाद पंजीकृत विद्यार्थियों की फोटोयुक्त नामावली और संबंधित कोषापत्र की एक-एक प्रति परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली भेजनी होगी। इसके लिए 15 अक्टूबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

आवेदन से कोई छात्र न रहे वंचित: डीआईओएस ने जिले के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पूरी प्रक्रिया समय से पूरी कराई जाए। किसी भी पात्र विद्यार्थी को परीक्षा आवेदन से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी विद्यालय का कोई पात्र छात्र आवेदन नहीं कर पाता है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य की होगी। विद्यालयों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि 2027 की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले कक्षा 10 और 12 के सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन पत्र समय से ऑनलाइन अपलोड हो जाएं।

आईएमएस लॉ कॉलेज में वकालत एवं मूट कोर्ट कौशल पर कार्यशाला आयोजित

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा में मूट कोर्ट सोसायटी की ओर से 'मूटिंग एक्सीलेंसः एडवोकेसी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आर्यन गुप्ता ने विधि विद्यार्थियों को मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं और प्रभावी वकालत के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान आर्यन गुप्ता ने विद्यार्थियों को मूट समस्या को सही तरीके से समझने, कानूनी शोध करने, लिखित तर्क तैयार करने, मौखिक वकालत और न्यायालयीन शिष्टाचार के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने न्यायाधीशों के समक्ष प्रभावी ढंग से तर्क प्रस्तुत करने की तकनीकों पर भी व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखने तथा अधिक से अधिक मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि मूट कोर्ट विद्यार्थियों को कानून की सैद्धांतिक जानकारी को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्रदान करता है। इससे विद्यार्थियों में कानूनी शोध, तार्किक सोच, प्रभावी संचार और आत्मविश्वास जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित होते हैं।

उन्होंने कहा कि आईएमएस लॉ कॉलेज विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मूट कोर्ट सोसायटी के संयोजक व्यास कुमार यादव ने कहा कि मूट कोर्ट केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य के अधिवक्ता के रूप में तैयार करने का प्रभावी माध्यम है। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को कानूनी शोध, लिखित एवं मौखिक तर्क और न्यायालय में प्रभावी प्रस्तुतीकरण की बारीकियों को समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि सोसायटी का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना और उनमें वकालत के प्रति रुचि एवं आत्मविश्वास विकसित करना है।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए मुख्य वक्ता से विभिन्न प्रश्न पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया और राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

12 सितंबर को जनपद के मुख्यालय एवं समस्त तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव द्वारा 12 सितंबर दिन शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के जनपद में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर में किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 (द्वितीय शनिवार) को प्रातः 10 बजे से जनपद के मुख्यालय एवं समस्त तहसील न्यायालयों में आयोजित की जाएगी।

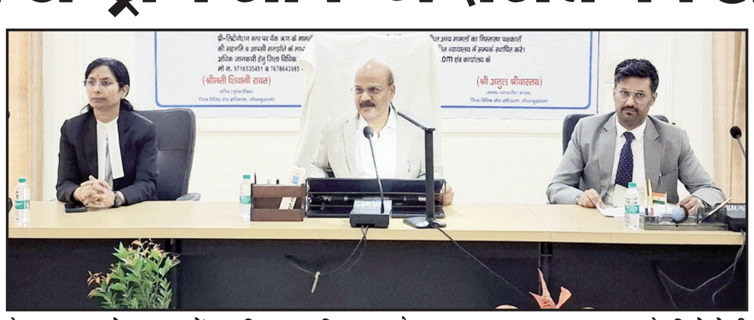

उनके द्वारा यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसके अंतर्गत मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम के वाद, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के वाद, दीवानी वाद, एन आई एक्ट की धारा 138 के वाद व ई-चालान के वाद, आर्बिट्रेशन के वाद, लघु शमनीय वाद, विद्युत अधिनियम के वाद, भू-राजस्व के वाद सहित अन्य प्रकृति के व सुलह योग्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सेवा संबंधी मामले, पेंशन के मामले, श्रम से संबंधित प्रकरण तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक ऋण के मामले, विद्युत एवं बीएसएनएल के टेलीफोनिक बिल से संबंधित प्रकरणों का भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश द्वारा यह भी बताया गया कि 12.09.2026 को जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन चालान एवं लम्बित मामलों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु दीवानी न्यायालय गौतमबुद्धनगर द्वारा जन-सामान्य के लिये टेली सेवा संचालित की गई है, जिसके तहत दिनांक 11.09.2026 व 12.09.2026 को प्रातः 10 बजे से सॉय 5:00 बजे तक मो0 नं0-7678643985 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह भी बताया गया कि जनसामान्य की सुविधा हेतु दीवानी न्यायालीय परिसर में 4 हेल्प डेस्क बनाये गये हैं, जिन्हें कम्प्यूटर कक्ष एवं गेट संख्या 2 के नजदीक स्थापित जन सेवा केन्द्र से संचालित किया जा रहा है।

हेल्प डेस्क के माध्यम से वादकारी अपने मुकदमें एवं मोटर वाहन चालान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जनपद न्यायाधीश द्वारा यह भी बताया गया कि मोटर वाहन चालान के सुलभ निस्तारण हेतु माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा पेमेन्ट सेतु लिंक संचालित की गई है। उक्त पेमेन्ट सेतु लिंक के माध्यम से मोटर वाहन चालान का निस्तारण दीवानी न्यायालीय परिसर में संचालित हेल्प डेस्क के माध्यम से भी कराया जा सकता है।

जनपद न्यायाधीश द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे अपने लंबित मामलों के त्वरित एवं सुलभ निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत तथा संचालित की गई टेली सेवा एवं हेल्प डेस्क का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

इस अवसर पर अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (तृतीय) विरेक अग्रवाल उपस्थित रहे।

चार फोन और चाकू के साथ गिरफ्तार

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में पुलिस ने गश्त के दौरान चोर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान विकास कुमार (21), निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी के चार मोबाइल फोन, चाकू और 3,170 रुपये बरामद हुए हैं।

कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी कि एक युवक चोरी के मोबाइल फोन बेचने के इरादे से गड्ढा मार्केट से गांव मोमनाथल की ओर जाने वाले रास्ते पर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी विकास कुमार वर्तमान में गांव पतलाखेड़ा दनकौर में रह रहा है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने एक लैपटॉप चोरी की वारदात का भी खुलासा किया।

अक्षरों से डरने वाले नन्हें हिमांशु ने पाई सपनों की उड़ान

गौतमबुद्धनगर। जब कोई 4 वर्ष का बालक पहली बार पढ़ाई के नाम से सहमकर कदम पीछे खींचता है, तो उसके माता-पिता के मन में चिंता की रेखाएँ उभरा करती हैं। लेकिन जब वही नन्हा बालक कुछ ही समय में अक्षरों और संख्याओं को अपने छोटे-छोटे हाथों से कागज़ पर उकेरने लगे, तो वह केवल बालक का परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आँखों में तैरती आस बन जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार की 'पोषण भी पढ़ाई भी' योजना और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की सजगता से गौतमबुद्धनगर के दनकौर देहात में ऐसी ही एक संवेदनशील और प्रेरणादायक गाथा रची गई है।

दनकौर देहात के रहने वाले 4 वर्ष के बालक हिमांशु ने अपने मन के भय को पीछे छोड़कर सीखने की दिशा में एक नया मोड़ लिया है।

झिझक के घेरे से अपनेपन की ओर: जब 4 वर्ष के हिमांशु (सुपुत्र श्री विजय एवं श्रीमती राजेश) ने पहली बार दनकौर देहात के आंगनवाड़ी केंद्र की चौखट पर कदम रखा, तो उसके मन में एक अनजाना संकोच था। अक्षरों और संख्याओं को पहचानना तथा उन्हें कागज़ पर उतारना उसके नन्हें हाथों के लिए बहुत कठिन लगता था। पढ़ाई की बात सुनते ही वह सहम जाता था और केंद्र की गतिविधियों से दूर रहने का प्रयास करता था।

उत्तर प्रदेश सरकार की बाल-केंद्रित नीति के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्री श्रीमती कल्पना ने हिमांशु की इस मनःस्थिति को समझा। उन्होंने पढ़ाई का दबाव बनाने के स्थान पर बच्चे को माँ जैसा दुलार और अपनेपन का संबल दिया। उन्होंने हिमांशु के माता-पिता से निरंतर बातचीत कर घर और केंद्र दोनों जगह बच्चे के लिए एक ममतामयी वातावरण तैयार किया।

ममता और खेल से जगा आत्मविश्वास: आंगनवाड़ी केंद्र में भारी-भरकम पुस्तकों के स्थान पर खेल-खिलौनों, रंग-बिरंगे चित्रों, बालगीतों, कविताओं और कहानियों की नई दुनिया रची गई। श्रीमती कल्पना ने शिक्षण-अधिगम सामग्री के माध्यम से हिमांशु को चित्रों के ज़रिए अक्षरों से जोड़ना आरंभ किया।

शुरुआत में केवल दूर खड़े होकर देखने वाला हिमांशु धीरे-धीरे खेल-खेल में सीखने का हिस्सा बनने लगा। जब उसने पहली बार किसी अक्षर को सही पहचाना, तो केंद्र में गूँजी तालियों ने उसके मन में यह भाव भर दिया कि 'मैं भी कर सकता हूँ'।

खिला नन्हा बचपन, जागी नई उमंग: महीनों के निरंतर स्नेह, अभ्यास और आंगनवाड़ी कार्यकत्री के धैर्य का परिणाम आज एक सुखद मोड़ पर पहुँच चुका है–

अक्षरों और संख्याओं की सटीक पहचान करते हुए हिमांशु अब स्वयं अपनी नन्हीं उँगलियों से उन्हें कागज़ पर लिखने लगा है।

लिखने का संकोच अब हमेशा के लिए समाप्त हो चुका है और उसके मन में सीखने की नई उमंग जाग चुकी है।

केंद्र की हर गतिविधि में उसकी हँसती-खिलखिलाती सहभागिता और निडर होकर उत्तर देने का ढंग हर किसी का मन मोह लेता है।

यह परिवर्तन केवल एक दिन का चमत्कार नहीं है। इसके पीछे आंगनवाड़ी कार्यकत्री श्रीमती कल्पना का निस्वार्थ समर्पण, माता-पिता (श्री विजय एवं श्रीमती राजेश) का अटूट भरोसा और प्रदेश सरकार की बाल-सहानुभूतिपूर्ण शिक्षा नीति की सच्ची भावना निहित है।

यूपीआईटीएस 2026 की तैयारियों को लेकर बैठक

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2026) के चौथे संस्करण का आयोजन 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होने जा रहा है। इसी क्रम में आगंतुकों, प्रदर्शकों और स्थानीय समुदाय के लिए बेहतर एवं सुगम अनुभव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यवस्थाओं की समीक्षा और आवश्यकताओं पर चर्चा के लिए एक उच्चस्तरीय तैयारियों संबंधी बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता गौतम बुद्ध नगर के एडीएम श्री मंगलेश दुबे ने की। बैठक में इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के ईडी (कॉरपोरेट) एवं सीईओ सुदीप सरकार भी उपस्थित रहे। बैठक में नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, उद्योग एवं व्यापार संघों, जिला प्रशासन तथा यातायात विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच समन्वय को और मजबूत करना तथा पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो के दौरान अपेक्षित बड़ी संख्या में आगंतुकों की आवाजाही को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना रहा।

आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने आगंतुकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इनमें विशेष रूप से पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन तथा आयोजन स्थल तक आने-जाने की सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल रहे। चर्चा में स्थानीय निवासियों और आगंतुकों के लिए आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने तथा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के आसपास बढ़ने वाली लोगों की आवाजाही को सुचारु रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया। इन सुझावों का आगामी संस्करण की सामूहिक एवं समन्वित तैयारियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में स्वागत किया गया।

उद्योग एवं व्यापार संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में यूपीआईटीएस 2026 के माध्यम से उभरने वाले कारोबारी अवसरों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस वर्ष रूस, ऑस्ट्रिया, जापान, सिंगापुर और वियतनाम सहित पांच देशों की भागीदारी रहेगी। उद्योग प्रतिनिधियों को इन देशों की भागीदारी से मिलने वाले व्यापक अंतरराष्ट्रीय कारोबारी अवसरों के बारे में जानकारी दी गई, जिससे व्यापारिक साझेदारी, सोर्सिंग, निवेश और नए बाजारों से जुड़ने के अवसरों के द्वार खुलेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अनिल रॉयल
फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

नोएडा में हुआ 08 एमएलडी क्षमता के इस सम्पवेल का शिलान्यास

नोएडा। सेक्टर 51 नोएडा में होने वाली सीवर ओवरफ्लो संबंधित समस्या और बरसात में जल भराव संबंधित समस्या के निवारण हेतु नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 51, नोएडा, सिंचाई विभाग के नाले के पास एक सम्पवेल का शिलान्यास विधायक पंकज सिंह जी द्वारा किया गया। इस मौके पर डीडी आरडब्लूए फेडरेशन अध्यक्ष ठाकुर एन पी सिंह भी मौजूद रहे। शिलान्यास प्रोग्राम के शुभारंभ पर नारियल तोड़कर प्रोग्राम का शुभारंभ करने का सौभाग्य विधायक पंकज सिंह और नोएडा प्राधिकरण जनरल मैनेजर आर पी सिंह के अनुरोध पर संजीव कुमार, महासचिव आरडब्लूए सेक्टर 51 नोएडा को प्राप्त हुआ।

आरडब्ल्यूए सेक्टर 51 महासचिव संजीव कुमार द्वारा परंपरा के अनुसार शुद्धता और भगवान के प्रति समर्पण के भाव के साथ इस प्रोग्राम का शुभारंभ किया। विधायक पंकज सिंह द्वारा फीता काटकर प्रस्तावित 08 एमएलडी क्षमता के इस सम्पवेल, जिसकी निर्माण लागत धनराशि रू0 483.34 लाख है से बनने वाली इस परियोजना का शुभारंभ किया गया।

इसके निर्माण से भविष्य में सैक्टर-51, केन्द्रीय विहार, होशियारपुर एवं दो ड्रेनों (छ-11 एवं छ-10) को एन0जी0टी0 के दिशा निर्देशों के क्रम में इस सम्पवैल के माध्यम से जोड़कर एस0टी0पी0-50 के माध्यम से शोधित करते हुये निस्तारण किया जाना है।

इस मौके पर डीडी आरडब्ल्यू अध्यक्ष ठाकुर एन पी सिंह, संजीव कुमार महासचिव सेक्टर 51, श्रीमती अनिता जोशी (अध्यक्ष ए एंड बी ब्लॉक) भूपेंद्र यादव (अध्यक्ष ॥ ब्लॉक) करण जी (अध्यक्ष) और शरद जैन जी (जनरल सेक्रेटरी केंद्रीय विहार) ए के सरीन , मनीष बवेजा, सौरव जैन, पवन कुमार शर्मा, करतार चौहान, ओमवीर अवाना, राम कृष्ण यादव, डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन की ओर से अनिल खन्ना और अनिल सिंह जी और नोएडा प्राधिकरण सीवर विभाग की पूरी टीम नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्कल 3 की टीम बीजेपी पार्टी के कार्यकर्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

नोएडा में जर्जर मकानों को नोटिस

सदरपुर से ममूरा तक सर्वे, सेक्टर-31 के 128 ईडब्ल्यूएस फ्लैट भी निशाने पर

नोएडा। दिल्ली में इमारत हादसे के बाद नोएडा प्राधिकरण ने गांवों में जर्जर और असुरक्षित मकानों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। सर्वे में खतरनाक मिले भवनों पर नोटिस चस्पा किए जा रहे हैं। मकान मालिक और उसमें रहने वाले लोगों को भवन खाली करने के लिए एक से दो सप्ताह का समय दिया जा रहा है।

प्राधिकरण ने नोटिस में चेतावनी दी है कि भवन खाली नहीं करने और वहां रहने के दौरान कोई हादसा होने पर इसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी। एईसीओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि जिन भवनों पर नोटिस लगाए गए हैं, उन्हें खाली कराया जाएगा। नोटिस की एक कॉपी पुलिस को भी दी जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद से भवन खाली कराकर लोगों को सुरक्षित जगह भेजा जा सके।

सदरपुर से ममूरा तक चल रहा सर्वे: नोएडा प्राधिकरण को 10 वर्क सर्किल में बांटा गया है। इनके अंतर्गत 81 गांव आते हैं। सभी सर्किल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जर्जर भवनों की पहचान कर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसी के तहत सदरपुर, निठारी, ममूरा, सलारपुर और भंगेल समेत घनी आबादी वाले गांवों में सर्वे किया जा रहा है। ममूरा गांव में अब तक 9 भवनों पर जर्जर होने का नोटिस चस्पा किया जा चुका है। इनमें अभी लोग रह रहे हैं। नोटिस में भवन को तत्काल खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

2019 से पहले 1757 भवन मिले थे असुरक्षित: प्राधिकरण इससे पहले करीब 2019 से पहले भी जर्जर भवनों का सर्वे करा चुका है। उस समय करीब 1757 इमारतों को असुरक्षित चिह्नित किया गया था। इन भवनों के मालिकों को नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन बाद में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी।इस बार प्राधिकरण का फोकस सिर्फ नोटिस देने तक सीमित नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, जिन भवनों को खतरनाक पाया जाएगा, उन्हें खाली कराने की कार्रवाई भी की जाएगी।

सेक्टर-31 के 128 ईडब्ल्यूएस फ्लैट भी जर्जर: गांवों के अलावा सेक्टर-31 में 128 ईडब्ल्यूएसफ्लैट को भी जर्जर हालत के चलते नोटिस जारी किए जा चुके हैं। वहीं नए सर्वे में निठारी समेत दूसरे इलाकों में भी असुरक्षित मकानों की पहचान की जा रही है। प्राधिकरण के मुताबिक, गांवों का सर्वे पूरा होने के बाद सेक्टरों में भी अभियान चलाया जाएगा। यहां नक्शे के विपरीत बने भवनों की जांच होगी। कई जगह पांच मंजिल तक निर्माण किए जाने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे भवनों के खिलाफ धारा-10 के तहत नोटिस जारी किए जाएंगे।

नोएडा में 60 हजार लोगों की समस्या का समाधान

नोएडा। बढ़ती आबादी के बीच सेक्टर-56 और सेक्टर-51 की सीवर समस्या के समाधान के लिए नोएडा प्राधिकरण ने दो अहम परियोजनाओं की शुरुआत की है। शुक्रवार को सांसद डॉ. महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह की मौजूदगी में सेक्टर-56 में नवनिर्मित संपवेल का लोकार्पण और सेक्टर-51 में प्रस्तावित संपवेल का शिलान्यास किया गया। इन दोनों सेक्टर में करीब 60 हजार लोग रहते है।

सेक्टर-56 में बनाए गए संपवेल की क्षमता 5 एमएलडी है। इसके निर्माण पर करीब 1.43 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यहां से निकलने वाले सीवर का निवारण सेक्टर-55 स्थित सीवर पंपिंग स्टेशन के माध्यम से सेक्टर-54 के सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में किया जाएगा। प्राधिकरण के मुताबिक इस संपवेल के शुरू होने से सेक्टर-56 की मौजूदा सीवर समस्या का समाधान होगा।

सेक्टर-51 में 8 एमएलडी क्षमता का संपवेल: सेक्टर-51 में प्रस्तावित संपवेल की क्षमता 8 एमएलडी होगी। इसके निर्माण पर करीब 4.83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके जरिए सेक्टर-51 पार्ट-बी, केंद्रीय विहार, होशियारपुर और डी-11 व डी-10 ड्रेन से जुड़े सीवर का निस्तारण किया जाएगा।

एसटीपी-50 में होगा सिवरेज ट्रीट: इन क्षेत्रों के सीवर को प्रस्तावित संपवेल के माध्यम से जोड़कर एसटीपी-50 में भेजा जाएगा, जहां उसे ट्रीट किया जाएगा। यह व्यवस्था एनजीटी के दिशा-निर्देशों के क्रम में तैयार की जा रही है। प्राधिकरण का कहना है कि दोनों परियोजनाओं से संबंधित क्षेत्रों में सीवर व्यवस्था मजबूत होगी और बढ़ती आबादी के साथ भविष्य में आने वाली समस्या को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

दी विलास सेक्टर-100 में हुआ भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश का भव्य स्वागत

नोएडा। दी विलास, सेक्टर-100, नोएडा में जय प्रकाश (जे.पी) राष्ट्रीय मंत्री भाजपा एवं नवाब सिंह नागर क्षेत्रीय अध्यक्ष (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) भाजपा बनाये जाने पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर जिलाध्यक्ष नोएडा महेश चौहान ने की। समारोह के दौरान जय प्रकाश जी (जे पी) एवं नवाब सिंह नागर जी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं, चौ राजकुमार सिंह, अध्यक्ष, नोएडा एम्प्लॉइज एसोसिएशन,की ओर से राम दरबार की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से वेद प्रधान, सतीश प्रमुख, योगेंद्र चौधरी, पूर्व अध्यक्ष महा नगर नोएडा भाजपा, जितेंद्र चौधरी, रामपाल रघुवंशी, विनोद शर्मा, कालूराम एडवोकेट, विनोद त्यागी, राजे कसाना, सुमेर रावत, जोगेंद्र अवाना विधायक राजस्थान, शिवकुमार करहाना, करतार चौहान, जितेंद्र कुमार, महासचिव, एन ई ए, धर्मेंद्र शर्मा उपाध्यक्ष, महेंद्र नागर, ज्ञानेन्द्र अवाना तथा सुभाष नेता जी, सोमेंदर प्रमुख (बिसरख ब्लॉक), री बिजेंद्र मुंशी जी, देवेंद्र, महेश अवाना, राकेश नंबरदार, महेश अवाना (रामपुरा), उपाध्यक्ष दिल्ली पिछड़ा वर्ग, विजय अवाना,उमेश भाटी, महेंद्र नागर, प्रमोद अवाना, जयवीर अवाना, राजेश जैन, सुरेश रावत, सुरेश चौहान, आजाद चौहान, श्रवण चौहान, प्रशांत नागर, धर्मवीर करहाना, मनीष करहाना,शिवकुमार करहाना,कर्मवीर, कपिल छावड़ी, धनेश भाटी, सुभाष कुमार, राजकुमार भाटी, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना की।

नोएडा सेक्टर-105 में जर्जर मकानों और झाड़-झंखाड़ से मंडराया जानलेवा खतरा

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-105 में खाली पड़े भूखंडों और लंबे समय से उपेक्षित पड़े 'कंप्लीशन हाउसों' की बदहाली ने स्थानीय निवासियों की रातों की नींद उड़ा दी है। देख-रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो चुके निर्माणों (जैसे प्लॉट संख्याए-005,बी-78, डी-236 आदि) और भूखंडों में उगे घने झाड़-झंखाड़ अब विषैले सांप-बिच्छुओं और असामाजिक तत्वों का सुरक्षित अड्डा बन चुके हैं। इस भयावह स्थिति के कारण क्षेत्र में हर पल किसी बड़े हादसे या गंभीर बीमारी का खतरा बना हुआ है, जिससे निवासियों में भारी डर और आक्रोश व्याप्त है।

निवासियों की सुरक्षा पर मंडराते इस गंभीर संकट का कड़ा संज्ञान लेते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को एक अति-आवश्यक पत्र भेजकर तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने दोटूंक शब्दों में कहा कि प्लॉट खरीदकर उसे लावारिस छोड़ देना और पूरे सेक्टर के स्वास्थ्य व जीवन से खिलवाड़ करना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण से मांग की है कि इन असुरक्षित और झाड़ियों से भरे भूखंडों की तुरंत सफाई कराई जाए। इसके साथ ही, नियम तोड़कर परिसरों को बदहाल छोड़ने वाले भूखंड स्वामियों पर भारी जुर्माना और सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि पूरे नोएडा में एक कड़ा संदेश जाए। एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि प्राधिकरण जनस्वास्थ्य और निवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिना किसी देरी के इस दिशा में निर्णायक और ठोस कदम उठाएगा।

एक मिनट में होगा चालान का निस्तारण, मोबाइल से जमा करेंगे अर्थदंड

नोएडा। सूरजपुर स्थित न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें करीब 10 लाख लंबित और प्रारंभिक स्तर के वादों के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। खासतौर पर मोटर व्हीकल एक्ट से जुड़े चालानों के निस्तारण के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। लोगों की सुविधा के लिए न्यायालय परिसर में पांच हेल्प डेस्क बनाई गई हैं।

जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित वादों का निस्तारण कराने का प्रयास किया जा रहा है। मोटर व्हीकल एक्ट के मामलों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिन पक्षकारों को नोटिस जारी किए गए हैं वह लोक अदालत में पहुंचकर हेल्प डेस्क से अपने चालान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। चालान की जानकारी के बाद उनके मोबाइल पर बारकोड भेजा जाएगा। इसके माध्यम से मोबाइल से ही निर्धारित अर्थदंड की राशि जमा कर सकेंगे। अर्थदंड जमा होने के बाद मैनुअल रसीद लेने की आवश्यकता नहीं होगी। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी होने से करीब एक मिनट में चालान का निस्तारण हो सकेगा। हेल्प डेस्क पर सीधे पहुंचकर निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद भी चालान का निस्तारण कराया जा सकेगा।

जनपद न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से निर्धारित पूरा जुर्माना वसूला जाएगा। लोक अदालत का उद्देश्य मामलों का सरल और त्वरित निस्तारण करना है। उन्होंने बताया कि पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत में करीब 10.70 लाख मामलों का निस्तारण किया गया था। चालान संख्या के आधार पर संबंधित मामले की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। लोग सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक फोन कर चालान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

धरने पर बैठे किसान बोले, भूखंड लेकर रहेंगे

नोएडा। किसान संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर पर चल रहा धरना-प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को धरना स्थल पर पहुंची बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी हुंकार भरी। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों ने कहा कि 10 फीसदी विकसित भूखंड लेकर रहेंगे। मांगें पूरी न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने की अध्यक्षता शांति देवी ने की, जबकि संचालन किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने किया। अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा शक्तियों के दुरुपयोग के कारण आकृति चौधरी के मामले में पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

हाईकोर्ट ने भी टिप्पणी की है कि अधिकारी जनता के सेवक हैं, मालिक नहीं। स्वतंत्रता नागरिकों का बुनियादी अधिकार है और इसे छीना नहीं जा सकता। वहीं, किसान नेता सुखबीर खलीफा ने कहा कि जिन किसानों की जमीनों पर आज शहर बस गया है, उन्हीं के हक छीने जा रहे हैं।पुलिस-प्रशासन गांवों में फ्लैग मार्च कर किसानों को डराने का काम कर रहा है, जिसकी किसान संघर्ष मोर्चा घोर निंदा करता है। सोरन प्रधान ने कहा कि किसान संघर्ष मोर्चा 10 फीसदी भूखंड, आबादियों के निस्तारण और नए कानून के अनुसार 20 फीसदी भूखंड लागू कराने को लेकर वचनबद्ध है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, किसान पीछे नहीं हटेंगे। धरने को उदल आर्य, भूपेंद्र तोमर, मुकेश, अशोक भाटी, जयकरण सिंह भाटी, महेंद्र एडवोकेट सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। इस मौके पर पूनम, जोगेंद्री, जयप्रकाश आर्य, पप्पू नागर, बीरी प्रधान, निशांत रावल, बाबा करतार, नरेश नागर, सुंदर भाटी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाई कान्हा की छठी

नोएडा। फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशन की मातृशक्ति द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में वेडिंग विला सेक्टर 51 में 'कान्हा की छठी रात' का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरा वातावरण कृष्ण भक्ति एवं आध्यात्मिक रंग में रंग गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं मंगल आरती के साथ हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड से विशेष रूप से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक चंदन मोहन नेगी जी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के मधुर भजनों का गुणगान किया गया। उनके भक्तिमय भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया और पूरा वातावरण 'राधे-राधे' एवं

'जय श्री कृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। मातृशक्ति की सदस्यों द्वारा कृष्ण भक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मनमोहक प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की गईं। पारंपरिक वेशभूषा और भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति और संस्कारों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। फेडरेशन सामाजिक सेवा के साथ-साथ समाज को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रीय महासचिव सुनील मेहता ने कहा कि मातृशक्ति फेडरेशन की मजबूत शक्ति है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से संस्था के सामाजिक एवं सांस्कृतिक अभियानों को नई ऊर्जा मिल रही है।

कार्यक्रम के अंत में भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने आयोजन की भव्यता और भक्तिमय वातावरण की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को राहत नहीं

ग्रेटर नोएडा। जेवर थाना क्षेत्र में बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी देवराज की जमानत अर्जी सत्र अदालत ने खारिज कर दी है। पीड़िता के परिजन ने 6 जून को जेवर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी देवराज पीड़िता के साथ अक्सर छेड़छाड़ करता था और किसी से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी देता था। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। सोते समय दोनों आरोपी बच्ची के पास आए। एक ने उसके हाथ पकड़े, जबकि देवराज ने दुष्कर्म किया। सह-आरोपी की जमानत अर्जी अदालत पहले ही खारिज कर चुकी है। आरोपी के अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि पीड़िता के बयानों में विरोधाभास है। न्यायाधीश ने कहा कि बच्ची से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देना जघन्य अपराध है। मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना कोर्ट ने जमानत देने का कोई आधार नहीं पाया और अर्जी खारिज कर दी।

डेंगू के एक मरीज की पुष्टि, तीन संदिग्ध

नोएडा। जिले में शुक्रवार को डेंगू के एक मरीज की पुष्टि हुई। इसी के साथ मरीजों की संख्या बढ़कर 74 हो गई। वहीं, तीन मरीज संदिग्ध हैं, जिनके रक्त के नमूने की एलाइजा जांच की रिपोर्ट के आधार पर इन्हें डेंगू का पुष्ट या अपुष्ट रोगी माना जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ती वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार डेंगू का नया रोगी कासना गांव निवासी है। मरीज के घर से आसपास मच्छरनाशक दवा का छिड़काव करा दिया गया है। इसके अलावा संदिग्ध रोगियों के नमूने लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन अन्य मरीजों की रैपिड जांच में डेंगू की पुष्टि हुई है। उनके नमूनों की एलाइजा जांच की जाएगी। एलाइजा रिपोर्ट ही डेंगू की मान्य जांच है।

जिले में स्वाइन फ्लू के 37 और मरीजों की पुष्टि

नोएडा। जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को इसके 37 नए मरीजों की पुष्टि की। इसी के साथ मरीजों की संख्या बढ़कर 365 हो गई। अब तक करीब 280 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में मरीजों की संख्या अधिक है। किसी भी रोगी की हालत गंभीर नहीं है।जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार झा ने कहा कि एक महिला मरीज आईसीयू में भर्ती है।

वह इलाज के बाद अब ठीक है। इस कारण उन्हें शनिवार को छुट्टी दे दी जाएगी। स्वाइन फ्लू का एक संदिग्ध रोगी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा था, जिसका नमूना जांच के लिए लिया गया है।

सोसाइटी में पांच लोगों पर उल्लू का हमला

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित लॉ रेजिडेंशिया सोसाइटी में कुत्तों के बाद लोग अब उल्लू के हमले से परेशान हैं। उल्लू अब तक पांच लोगों पर हमला कर चुका है। हमले में कई लोगों के सिर में चोटें आईं। लोगों ने बताया कि लोग रात के समय परिसर में घूमने निकलते हैं तो उल्लू अचानक ऊपर से आकर हमला कर देता है। बुधवार की रात एक व्यक्ति अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी करने के बाद लॉबी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान उल्लू ने पीछे से आकर सिर पर चोंच मार दी। हमले में व्यक्ति के सिर पर चोट लगी, जिसके बाद उन्होंने अस्पताल पहुंचकर प्राथमिक उपचार कराया।

आरोप है कि इसी तरह उल्लू चार और लोगों के सिर पर हमला कर चुके हैं। सोसाइटी के लोगों ने इस बारे में बिल्डर प्रबंधन, प्राधिकरण और वन विभाग से शिकायत की। लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द उल्लू को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उचित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि सोसाइटी में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

हाजीपुर की अवैध इमारत को तोड़ने का काम शुरू

नोएडा। सेक्टर-104 हाजीपुर के खसरा नंबर-412 पर बनी अवैध इमारत को ध्वस्त करना का काम शुक्रवार से शुरू हो गया। जिला न्यायालय से स्टे खारिज होने के बाद प्राधिकरण ने यह कार्रवाई की। पांच मंजिला बनी इस इमारत में कारों के शोरूम समेत अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान शुरू करने की तैयारी थी। प्राधिकरण के लिए इस इमारत पर कार्रवाई करना करीब पांच वर्ष से चुनौती बना हुआ था। ओएसडी इंदु प्रकाश, हर्षिता तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक रोहित सिंह और पुलिस बल की अगुवाई में प्राधिकरण की टीम सुबह करीब नौ बजे कार्रवाई करने पहुंची। कर्मचारियों ने तीन जेसीबी और काफी संख्या में हथौड़े के जरिए ध्वस्तीकरण शुरू किया। करीब चाढ़े चार घंटे तक चली कार्रवाई में इमारत का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे प्राधिकरण की टीम कार्रवाई कर वापस लौट गई। इमारत में बेसमेंट के अलावा पांच मंजिल बनी हुई हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस इमारत को धीरे-धीरे पूरी तरह ध्वस्त कर कब्जा लिया जाएगा।

नोएडा के युवक ने की हरियाणा में फायरिंग

नोएडा। सोशल मीडिया पर पिस्टल से फायरिंग करते युवक का 15 सेकंड का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। वीडियो में दिख रहा युवक सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव का निवासी है। पुलिस जांच में सामने आया कि वीडियो तीन-चार वर्ष पुराना है और फायरिंग नोएडा में नहीं, बल्कि हरियाणा में हुई थी। कार से उतरकर दो राउंड फायर किए।

सेक्टर-49 थाना प्रभारी के मुताबिक, वीडियो में एक युवक कार का गेट खोलकर सुनसान स्थान पर उतरता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह पिस्टल निकालकर दो राउंड फायर करता है। वीडियो वायरल होने के बाद एक यूजर ने नोएडा पुलिस के अधिकारियों को टैग कर युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में पता चला कि वीडियो में दिखाई दे रहा युवक बरौला गांव का निवासी है। वह करीब तीन-चार वर्ष पहले एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली गया था। शादी से वापस लौटते समय हरियाणा में उसने फायरिंग की थी।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी जमीन पर नहीं रहेगा मंदिर, दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रियदर्शनी विहार अवैध मंदिर के मामले में खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रियदर्शनी विहार में नर्सरी स्कूल के लिए आवंटित जमीन पर बने मंदिर को बनाए रखने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि मंदिर बिना मंजूरी के और सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनाया गया था और इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है। डीडीए के 2021 के फैसले को रद करने की थी मांग याचिकाकर्ता संस्था ने कोर्ट से डीडीए के 2021 के फैसले को रद करने और वहां बने मंदिर को बनाए रखने की मांग की थी। कोर्ट ने पाया कि यह जमीन मूल रूप से नर्सरी स्कूल के लिए तय की गई थी। इलाके को विकसित कर रहे अमेरिकन एम्बेसी एम्प्लाइज कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी ने बाद में मंदिर बनाने के लिए जमीन के आवंटन की मांग की थी। 1987 में अलग धार्मिक सोसाइटी बनाने को कहा था डीडीए ने 1987 में सोसायटी से एक अलग धार्मिक सोसाइटी बनाने और आवंटन के लिए आवेदन करने के लिए कहा था। इसके बाद याचिकाकर्ता-सोसायटी बनाई गई। बिना मंजूरी मंदिर निर्माण को कोर्ट ने माना अवैध हालांकि, फैसले के मुताबिक, उसने 1991-92 में बिना जमीन के इस्तेमाल में बदलाव या डीडीए से मंजूरी लिए बगैर अवैध रूप से मंदिर का निर्माण किया।

दिल्ली के कड़कड़ूमा कम्युनिटी सेंटर के पास ताबड़तोड़ फायरिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार थाना क्षेत्र में कड़कड़ूमा कम्युनिटी सेंटर के पास फायरिंग की घटना में दो युवक गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल दोनों युवक हाईपर कैफे में पार्टी करके घर लौट रहे थे। वहीं, घायलों की पहचान ल मुरादनगर निवासी अफसर और सीलमपुर निवासी इरशाद के रूप में हुई है। दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और चिकित्सकों के अनुसार, वे खतरे से बाहर हैं। आशंका है रंजिश में वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने बताया कि हेडगेवार अस्पताल से आनंद विहार थाना पुलिस को दो घायलों के भर्ती होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। दोनों के शरीर के पिछले हिस्से में गोली लगी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कम्युनिटी सेंटर के पास किसी घटना के दौरान दोनों को गोली लगी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस फायरिंग के कारण और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घायलों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद फायरिंग की पूरी वजह और घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में बदलेगा मौसम का मिजाज, झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कई दिनों से राजधानी में मौसम साफ रहने के साथ ही तापमान में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। लेकिन, शुक्रवार से मौसम का मिजाज बदलने और अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इसका अर्थ यह है कि ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान राजधानी में बारिश हो सकती है। बृहस्पतिवार को सुबह से ही धूप खिली रही। बीते छह दिनों में अधिकतम तापमान में नौ डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। पांच सितंबर को अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो बृहस्पतिवार को बढ़कर 36.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, पिछले तीन दिनों से उत्तर-पश्चिमी हवा चलने के कारण इस क्षेत्र से मानसूनी गतिविधियां कम हो गई थीं। अब बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। हवा की दिशा बदलकर फिर से दक्षिण-पूर्वी होने से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी।

आपकी गाड़ी टो हो जाए तो न हों परेशान, बस 1 क्लिक में ऑनलाइन मिलेगी लोकेशन; क्यूआर से भर सकेंगे चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अब ट्रैफिक पुलिस आपकी गाड़ी टो कर लेती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गाड़ी टो होने के बाद उसकी लोकेशन पता करने के लिए अब ट्रैफिक पुलिस के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की अपग्रेडेड वेबसाइट पर वाहन मालिक ऑनलाइन अपने टो किए गए वाहन की लोकेशन देख सकेंगे। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बृहस्पतिवार को इस नए पोर्टल का शुभारंभ किया।

अपग्रेडेड वेबसाइट पर वाहन मालिक अपने टो किए गए वाहन की लोकेशन ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे। इसके अलावा वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज कर उसके खिलाफ जारी चालान की जानकारी भी देखी जा सकेगी। चालान का भुगतान क्यूआर कोड के जरिए करने की सुविधा भी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है।

नई वेबसाइट को मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है। इसे स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिवाइस पर इस्तेमाल किया जा सकता है। पोर्टल पर ट्रैफिक जाम की रीयल टाइम जानकारी भी उपलब्ध होगी। इसके जरिए वाहन चालक अपने सफर के लिए उपयुक्त रूट की पहचान कर सकेंगे।

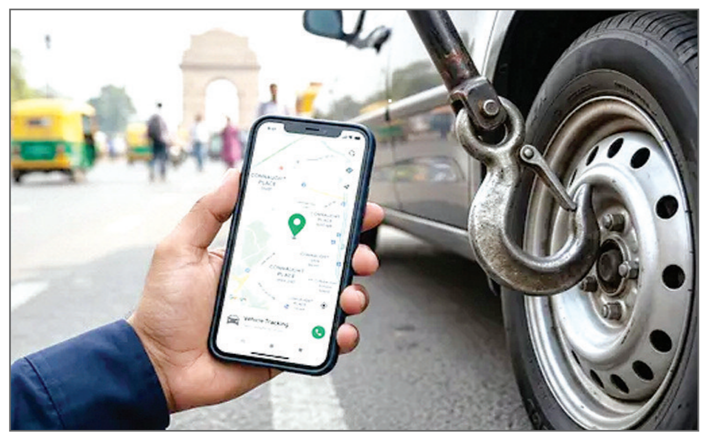

वेबसाइट पर सड़क संकेतों और रोड मार्किंग की जानकारी देने वाला इंटरैक्टिव सेक्शन भी जोड़ा गया है। इससे लोग ट्रैफिक नियमों और सड़क संकेतों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

पोर्टल में साइबर सुरक्षा के उपायों को भी मजबूत किया गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित डिजिटल इंटरफेस उपलब्ध कराया जा सके।

वेबसाइट के शुभारंभ के दौरान उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म सिर्फ प्रशासनिक इंटरफेस तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे सड़क सुरक्षा जागरूकता, नागरिक शिक्षा और नागरिकों की भागीदारी के लिए इंटरैक्टिव केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस आयुक्त, विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक), संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक), अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) और डीसीपी मौजूद रहे।

दिल्ली प्रमोद हत्याकांड: नरेला पुलिस शूटरों से करेगी गहन पूछताछ, खुलेंगे कई राज

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में नरेला के बाकनेर में प्रॉपर्टी डीलर प्रमोद की हत्या के मामले में नरेला थाना पुलिस गिरफ्तार शूटरों से पूछताछ करेगी। रोहिणी जिला पुलिस ने मुठभेड़ के बाद नीतिक, दीपक और किशोर को आर्म्स एक्ट व हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अब नरेला पुलिस अदालत से प्रोडक्शन रिमांड लेकर तीनों को पूछताछ के लिए अपने कब्जे में लेगी। पुलिस का मुख्य उद्देश्य हत्या की साजिश रचने वाले व्यक्ति, शूटरों को टारगेट की जानकारी देने वाले और वारदात के बाद उन्हें निर्देश देने वालों का पता लगाना है। हथियार उपलब्ध कराने वाले जसवीर की भूमिका की भी जांच की जा रही है। वहीं, जांच में सामने आया है कि शूटर सुपारी लेकर हत्या करते थे और एक वारदात के लिए करीब पांच लाख रुपये तक लेते थे। पुलिस हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरी गिरोह से उनके कथित संपर्क तथा राजस्थान में फरारी के दौरान उन्हें पनाह देने वालों की भी जानकारी जुटाएगी।

शिल्प और संस्कृति की झलक: ब्रिक्स बाजार में अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे देश भर के कारीगर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचने वाले विदेशी मेहमानों को भारत की समृद्ध शिल्प परंपरा से रूबरू कराने के लिए विशेष ब्रिक्स बाजार सजाया जाएगा।

बाजार में देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और लोक शिल्प को प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विदेशी प्रतिनिधियों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाने के साथ स्थानीय कारीगरों की हुनरमंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच देना है। ब्रिक्स बाजार में अलग-अलग राज्यों के शिल्प की अपनी अलग पहचान नजर आएगी। कहीं मिट्टी और लकड़ी से तैयार कलाकृतियां आकर्षित करेंगी तो कहीं हाथ से बुने वस्त्र, पारंपरिक आभूषण, धातु शिल्प और सजावटी सामान भारतीय कारीगरी की बारीकी बयां करेंगे। बाजार में देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े शिल्प को इस तरह प्रस्तुत किया जाएगा कि विदेशी मेहमान एक ही स्थान पर भारत की विविध कला परंपराओं को करीब से देख सकें। ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके मद्देनजर प्रमुख म्यूजियम जैसे सुप्रीम कोर्ट स्थित मेट्रो म्यूजियम और राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र को 13 सितंबर तक आम लोगों के लिए बंद रखा गया है। सुरक्षा कारणों से इन स्थानों पर पर्यटकों और अन्य आगंतुकों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। मेट्रो म्यूजियम और राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र दिल्ली आने वाले पर्यटकों के पसंदीदा स्थानों में शामिल हैं। सामान्य दिनों में यहां दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तराखंड, बिहार और मध्य प्रदेश सहित दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचते हैं। छुट्टियों और सप्ताहांत में बड़ी संख्या में परिवार बच्चों के साथ यहां आते हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों की ओर से भी विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए इन स्थानों पर लाया जाता है।

पत्नी सबीला खातून की हत्या कर बाथरूम में छिपाई लाश, दिल्ली पुलिस ने बिहार से आरोपी पति को दबोचा

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में पत्नी की हत्या कर शव बाथरूम में छिपाने और बेटे को लेकर फरार होने के आरोपी मोहम्मद लाल बाबू को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देता रहा।

पुलिस को उसके बिहार के सीतामढ़ी स्थित गृह नगर में छिपे होने की आशंका थी। इसके बाद पुलिस की एक टीम वहां पहुंची, लेकिन वह पहले ही किसी रिश्तेदार के यहां चला गया था। कई संभावित ठिकानों पर दबिश देने के बाद पुलिस ने आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, प्रहलादपुर बांगर गांव स्थित मकान नंबर 416 के बाथरूम से 22 वर्षीय सबीला खातून का शव 29 अगस्त को बरामद हुआ था। आशंका है कि मोहम्मद लाल बाबू ने घटना से 1-2 दिन पहले सबीला की हत्या की थी। हत्या के बाद शव को बाथरूम में छिपाकर वह अपने कुछ माह के बेटे को लेकर फरार हो गया।

शव बरामद होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो आरोपित के बिहार भागने की जानकारी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, आरोपित बार-बार अपना ठिकाना बदलकर टीम को गुमराह करता रहा। आखिरकार बृहस्पतिवार को उसे दबोच लिया गया।

2 साल पहले किया था निकाहत्र वहीं, जांच में सामने आया है कि सबीला और मोहम्मद लाल बाबू ने करीब दो साल पहले निकाह किया था। शादी के बाद से ही

दोनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर विवाद रहता था। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस आरोपित से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। वहीं, मृतका के भाई गुलाब का कहना है कि बहन के घर पहुंचने पर उसे घटना की जानकारी हुई और उसने ही पुलिस को सूचना दी थी।

मामले में एक महिला की भूमिका की हो रही जांच

भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस को जानकारी मिली है कि घटना के समय वह घर में मौजूद थी। उसकी पहचान और मोहम्मद लाल बाबू से उसके संबंधों के बारे में पता लगाया जा रहा है। साथ ही, फरारी के दौरान आरोपी कहां-कहां रहा और किन लोगों ने उसे शरण दी, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस पूछताछ के बाद हत्या की वजह और पूरे घटनाक्रम का पता चलने की उम्मीद है।

घर खाली करो कहने पर दिल्ली आकर महज 15 मिनट में मार डाला, डीयू प्रोफेसर हत्याकांड की चार्जशीट में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट में डीयू प्रोफेसर देबोस्मिता पॉल की हत्या संपत्ति विवाद को लेकर की गई थी। दिल्ली पुलिस ने मामले में बंगाल निवासी रामप्रसाद और उसकी पत्नी के खिलाफ हत्या, हत्या की साजिश, पहचान छिपाने समेत अन्य धाराओं में 300 से अधिक पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। पुलिस के अनुसार, दंपती ने हत्या की साजिश रची और प्रोफेसर के घर में दाखिल होने से लेकर हत्या कर निकलने तक पूरी वारदात करीब 15 मिनट में अंजाम दी।

मकान खाली करने को कहा तो रची साजिश

आरोपपत्र के अनुसार, देबोस्मिता पॉल और उनकी मां की बर्धमान में एक हजार वर्ग गज से अधिक की पुश्तैनी संपत्ति है। आरोपित दंपती इस मकान के भूतल पर किराये पर रह रहे थे। किराया प्रोफेसर और उनकी मां के संयुक्त बैंक खाते में जमा होता था। पिछले वर्ष प्रोफेसर अपनी मां के साथ बर्धमान स्थित पुश्तैनी मकान गई थीं और दंपती से मकान खाली करने को कहा था। शुरुआत में उन्हें जून तक मकान खाली करने के लिए कहा गया था। इस वर्ष मार्च में प्रोफेसर ने फोन पर भी अपनी मांग दोहराई थी। पति ने तीन बार दिल्ली आकर

की रेकी पुलिस के अनुसार, हार्डवेयर की दुकान पर काम करने वाले रामप्रसाद ने पत्नी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। आरोपपत्र में कहा गया है कि वह हत्या से पहले तीन बार दिल्ली आया और प्रोफेसर की दिनचर्या, घर और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की रेकी की।

पुलिस का आरोप है कि दंपती को लगा कि प्रोफेसर के परिवार के अन्य सदस्यों की संपत्ति में ज्यादा रुचि नहीं है और वे आगे चलकर मकान पर नियंत्रण कर सकते हैं।

बेटे के सामने प्रोफेसर पर किया हमला

आरोपपत्र के अनुसार, दो जून को दंपती अपने 10 वर्षीय बेटे के साथ बर्धमान से दिल्ली आया। होटल में ठहरने के बाद अगले दिन दोनों प्रोफेसर के घर पहुंचे। परिचित होने के कारण दरवाजा आसानी से खुल गया। दोनों ने संपत्ति को लेकर बातचीत करने की बात कही और घर में दाखिल हो गए। अंदर जाने के बाद उन्होंने बेटे को मोबाइल फोन दे दिया और खुद दूसरे कमरे में चले गए। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने प्रोफेसर के सिर पर भारी वस्तु से वार किया, चेहरे पर कई बार हमला किया और दोनों कलाइयों की नसें काट दीं। शोर सुनकर बेटा कमरे में पहुंचा और उसने घटना देखी। पुलिस के मुताबिक, दंपती ने पहचान छिपाने के लिए प्रोफेसर के घर में ही कपड़े बदले। सोसायटी के सीसीटीवी में दोनों नकाब पहनकर बच्चे के साथ अंदर जाते और बाद में कपड़े बदलकर बाहर निकलते दिखाई दिए। पुलिस के अनुसार, सोसायटी में प्रवेश करने से लेकर हत्या कर निकलने तक पूरी वारदात करीब 15 मिनट में हुई।

जांच के दौरान पुलिस ने 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी फुटेज में करीब 3:20 बजे नकाब पहने दंपती को बच्चे के साथ सोसायटी में प्रवेश करते और बाद में अलग कपड़ों में बाहर निकलते देखा गया।

कैब और होटल रिकॉर्ड से मिला सुरागत्र जांच के दौरान पुलिस ने उस कैब चालक से पूछताछ की, जिसने परिवार को डल्लूपुरा के पास छोड़ा था। इसके बाद उनके होटल तक पहुंचकर वहां के रिकॉर्ड की जांच की गई। पुलिस के अनुसार, दंपती ने होटल में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। होटल रिकॉर्ड से मिले विवरण के आधार पर पुलिस ने उनके बर्धमान और संपत्ति से जुड़े संबंधों की जांच शुरू की।

सौ घरों की तलाशी के बाद गिरफ्तारी: पुलिस ने दंपती की गतिविधियों का पता लगाते हुए उन्हें आनंद विहार तक ट्रेस किया। वहां से दोनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और बर्धमान जाने वाली ट्रेन पकड़ी। पुलिस टीम बर्धमान पहुंची और आरोपितों के कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए स्कूटर का पता लगाया।

दिल्ली के मंडावली इलाके में चाकू से 17 वार कर युवक की हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मंडावली थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात परिवारिक रंजिश में एक युवक की चाकू से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। मृतक की पहचान 22 वर्षीय वंश डेढा के रूप में हुई है। युवक पर चाकू से 17 वार किए गए हैं। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, वंश अपने परिवार के साथ मंडावली में रहते थे। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात 7:54 बजे मंडावली थाने को चाकूबाजी की सूचना मिली थी।

इसके बाद पुलिस टीम तुरंत ज्ञान वाटिका स्कूल के पास पहुंची। वहां वंश घायल अवस्था में मिला। उसे मैक्स अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकीय जांच में उसके शरीर पर चाकू के 17 घाव मिले।

वहीं, शुरुआती जांच में सामने आया है कि किसी बात को लेकर वंश का कुछ युवकों से विवाद हुआ था। इसके बाद करावल नगर निवासी 22 वर्षीय केशव कुमार अपने एक साथी के साथ उसका पीछा करते हुए ज्ञान वाटिका स्कूल के पास पहुंचा। आरोप है कि दोनों ने वंश पर चाकू

ध से लगातार हमला किया और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।

ठिकानों पर दबिश जारी: मंडावली थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केशव कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उसके दूसरे साथी की भी पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू और आरोपियों के घटना के समय पहने कपड़े बरामद कर लिए हैं। वारदात में इस्तेमाल बाइक भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही तकनीकी निगरानी के माध्यम से फरार आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है।

जामिया मिलिया की कैंटीन के खाने में कीड़े, छात्राओं का हंगामा; यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ फूटा गुस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। जामिया मिलिया इस्लामिया परिसर में बृहस्पतिवार देर रात कैंटीन के खाने में कीड़े और गंदगी मिलने के आरोप को लेकर छात्राओं ने सेंटेनरी गेट के भीतर धरना दे दिया।

छात्राओं के समर्थन में गेट के बाहर भी छात्रों ने प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। रात में सूचना पर पहुंची पुलिस ने गेट के बाहर जुटी भीड़ को वहां से हटा दिया, जबकि छात्राएं भीतर धरने पर बैठी रहीं। छात्राओं का आरोप है कि कैंटीन के खाने में अक्सर गंदगी और कीड़े मिलते रहते हैं। उनका कहना है कि लगभग हर कैंटीन की यही स्थिति है। विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत किए जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, कैंटीन के खाने में कीड़े मिलने का आरोप लगाते हुए छात्राएं सेंटेनरी गेट के भीतर धरने पर बैठी थीं। उन्हें समर्थन देने के लिए गेट के बाहर छात्रों की भीड़ जुट गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाहर मौजूद भीड़ को हटा दिया, जबकि छात्राओं का धरना जारी रहा।

सार-समाचार

महिला टी20 सीरीज - साउथ अफ्रीका के खिलाफ जिम्बाब्वे की 17 सदस्यीय टीम घोषित

कप्तान नकोमो की वापसी

हरारे,। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज से पहले जिम्बाब्वे की महिला टीम को बड़ी राहत मिली है। जोसेफिन नकोमो फिट होकर टीम की कमान संभालने के लिए वापस आ गई हैं। इस सीरीज के पांच मुकाबले 11, 13, 15, 17 और 19 सितंबर को बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। जोसेफिन नकोमो चोट के कारण मई में पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल दौरे पर नहीं जा सकी थीं, लेकिन तीन महीनों में वह अच्छी तरह से ठीक हो गई हैं और 17 सदस्यों वाली टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। उनके साथ अनुभवी बल्लेबाज शार्ने मेयर्स ने 2 साल तक बाहर रहने के बाद टीम में वापसी की है। मेयर्स अब तक 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

ऑलराउंडर न्याशा ग्वानजुरा ने भी टीम में वापसी की है, जबकि टीम की अनुभवी सदस्य, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, मोडेस्टर मुपाचिकवा, लोरेन त्सुमा और लोरिन फिरी ने पाकिस्तान सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के चलते अपनी जगह बरकरार रखी है। जिम्बाब्वे की टीम में ऐसे तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले हफ्ते आईसीसी अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप अफ्रीका क्वालीफायर डिवीजन 1 में जिम्बाब्वे के लिए खेला था। इनमें कप्तान लोरेन पेम्हिवा, बिलव्ड बिजा और क्रिस्टीना मुतासा हैं, जिन्हें अब बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। जिम्बाब्वे सितंबर और अक्टूबर 2025 में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में एक द्विपक्षीय सीरीज में यूनाइटेड अरब अमीरात की मेजबानी करने के बाद पहली बार अपने घरेलू मैदान पर वापसी करेगा।

जिम्बाब्वे की टीम : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिजा, कुदजई चिगोरा, फ्रांसेस्का चिपारे, न्याशा ग्वानजुरा, लिंडोकुहले मभेरा, तेंदई मकुशा, मिशेल मावुंगा, शार्ने मेयर्स, मोडेस्टर मुपाचिकवा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, क्रिस्टीना मुतासा, केलिस नधलोवु, लोरेन पेम्हिवा, लोरिन फिरी, नोमवेलो सिबांडा, लोरेन त्सुमा।

मुरली कार्तिक

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार जीत के नायक, नहीं मिल सके पर्याप्त मौके, कैरियर रहा छोटा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व स्पिन गेंदबाज मुरली कार्तिक का करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कार्तिक वानखेड़े के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली यादगार जीत के नायक रहे। हालांकि, हरभजन सिंह और अनिल कुंबले के टीम में होने के कारण उन्हें इंटरनेशनल लेवल पर ज्यादा मौके नहीं मिले। मुरली कार्तिक का जन्म 11 सितंबर, 1976 को चेन्नई में हुआ। कार्तिक के परिवार में पढ़ाई को काफी महत्व दिया जाता था। हालांकि, उनका बचपन से क्रिकेट से खास लगाव हो गया था। 12 साल की उम्र में ही कार्तिक ने इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली थी। क्रिकेट के साथ-साथ कार्तिक पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने दिल्ली के हिंदू कॉलेज से वाणिज्य में ग्रेजुएशन की। कार्तिक ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 1996 में किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार

प्रदर्शन के बूते जल्द ही वह सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहे। साल 2000 में मुरली कार्तिक को भारत की जर्सी में अपना पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलने को मिला। डेब्यू टेस्ट मैच में कार्तिक ने 3 विकेट निकाले। इसके बाद उन्होंने साल 2002 में वनडे क्रिकेट में अपना डेब्यू जिम्बाब्वे के खिलाफ किया।

मुरली कार्तिक ने भारत के लिए कुल 8 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उन्होंने 24 विकेट अपने नाम किए। कार्तिक ने साल 2004 में वानखेड़े के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को यादगार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कार्तिक ने पहली पारी में 4 और दूसरी में 3 विकेट लेते हुए भारत को रोमांचक से भरे मुकाबले में 13 रनों से जीत दिलाई। इस टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 93 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

हालांकि, अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज गेंदबाजों के टीम में होने की वजह कार्तिक को क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में ज्यादा मौके नहीं मिले। मुरली ने कुल 37 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने 5.07 की इकोनॉमी से 37 विकेट चटकाए।

डीडीसीए ने की पुष्टि | दिल्ली पुलिस की गुजारिश के बावजूद

13 को ही होगा पहला टी20 मैच

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला तय कार्यक्रम के हिसाब से 13 सितंबर को ही खेला जाएगा। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने इस बात की पुष्टि की है। दरअसल, भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले पहले टी20 मुकाबले को लेकर दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ को पत्र लिखकर इस मैच को किसी और दिन कराने की मांग की थी। दिल्ली में 11 से 13 तारीख तक ब्रिक्स सम्मेलन होना है, जिसके चलते वीवीआईपी रूट की व्यवस्था रहेगी। मैच में 20 से 25 हजार फैंस के आने की संभावना है, ऐसे में डिप्टी कमिश्नर का कहना था कि दिल्ली पुलिस के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराना मुश्किल होगा। हालांकि, डीडीसी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया, 'अरुण जेटली स्टेडियम में 13 सितंबर को होने वाला भारत-अफगानिस्तान का पहला टी20 इंटरनेशनल मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ बैठक के बाद डीडीसीए को सभी जरूरी मदद और इंतजामों का भरोसा दिलाया गया है। मैच स्थगित नहीं होगा।'

भारत बनाम अफगानिस्तान

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के सभी मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में ही खेले जाने हैं। इस बार सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान कर रहा है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बीसीसीआई की तरफ से पूरा सपोर्ट किया जा रहा है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 15 और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है।

गुरुवार को बीसीसीआई ने बताया कि हर्षित राणा जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आने की वजह से अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 से भी बाहर हो गए हैं। हर्षित की जगह पर भारतीय टीम में तेज गेंदबाज यश ठाकुर को शामिल किया गया है। यश जिम्बाब्वे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे और उन्होंने 2 मैचों में 4 विकेट चटकाए थे।

शेफाली की फिफ्टी, दीप्ति-नंदिनी ने मिलकर चटकाए 5 विकेट

बांग्लादेश को हराकर फाइनल में भारत

दुबई। भारत ने गुरुवार को विमेंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल-1 में बांग्लादेश को 40 रन से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां 13 सितंबर को उसका सामना पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल-2 की विजेता टीम

से होगा। गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 149 रन बनाए। टीम ने महज 9 के स्कोर पर स्मृति मंधाना (2) का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद प्रतिका रावल ने शेफाली वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जुटाकर टीम को मजबूती दी। प्रतिका टीम के खाते में 20 रन जोड़कर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' शेफाली वर्मा (40 गेंदों में 64 रन) के साथ 33 रन और ऋचा घोष (21) के साथ 36 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

इसके अलावा, कौर ने दीप्ति शर्मा (13) के साथ पांचवें विकेट के लिए 8 गेंदों में 21 रन जुटाए। कप्तान 28 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से सुल्ताना खातून ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि मारूफा अख्तर, नाहिदा अख्तर और राबिया खान ने ने 1-1 विकेट चटकाया।

इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी। दिलारा अख्तर ने जुवैरिया फिरदौस के साथ पहले विकेट के लिए 33 गेंदों में 26 रन जोड़े। फिरदौस 14 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद शोभना मोस्तरी (18) ने कप्तान निगार सुल्ताना (19) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन जोड़कर टीम को 66 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद बांग्लादेशी टीम बिखर गई।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही।

शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया।

ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया

दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद मोहम्मद सिराज का बयान

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन और तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। ईस्ट जोन विजेता रही। साउथ जोन की तरफ से खेल रहे भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस मुकाबले में प्रभावी नहीं रहे। मोहम्मद सिराज ने मैच में कुल 41ओवर गेंदबाजी की और महज 1 विकेट ले पाए। इस दौरान उन्होंने 187 रन लुटाए। सिराज के गेंदों की गति भी 125-130 किलोमीटर/घंटा के बीच रही। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित और प्रभावी तेज गेंदबाज सिराज का यह प्रदर्शन निराशाजनक और क्रिकेट विश्लेषकों और फैंस के लिए चौंकाने वाला था। सिराज का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनको मिले 2 महीने के ब्रेक ने उनकी गेंदबाजी को प्रभावित किया है। इसी वजह से श्रीलंका सीरीज के दौरान गाले और कोलंबो में हुए टेस्ट मैचों में उनकी गेंदबाजी की गति भी कम रही।

दलीप ट्रॉफी फाइनल की समाप्ति के बाद सिराज ने कहा, 'मैं पूरी तरह से एक रिदम गेंदबाज हूं। अगर मैं अपने रंग में नहीं हूं, तो मैं क्रीज से तेजी से नहीं निकल सकता। श्रीलंका में यही मुश्किल थी - मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ स्ट्राइड बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे, और इससे मेरा फ्लो टूट गया। इससे मेरी गति पर असर पड़ा।'

सिराज ने कहा, 'हर गेंदबाज का शरीर अलग होता है। मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं झेल पाता। छोटा ब्रेक ठीक है। दस साल के करियर में, मैंने कभी पूरे दो महीने की छुट्टी नहीं ली थी। मैं जिम में वर्कआउट कर रहा था और कभी-कभी गेंदबाजी भी कर रहा था, लेकिन कितना भी अभ्यास कर लो, मैच वाली स्थिति नहीं बनती। यह एक नया अनुभव था। यह मेरे आगे के करियर के लिए बेहद अहम था।'

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, 'हम सीधे श्रीलंका से आए थे, जहां हमने दूसरे टेस्ट में साढ़े तीन दिन फील्डिंग की, और एक सप्ताह के अंदर, हम यहां चेन्नई की चिलचिलाती गर्मी में खेल रहे थे। यह पैशन पर निर्भर है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं, तो आप बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी कोशिश करनी होती है। मुझे विकेट नहीं मिला, लेकिन यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम आएगा।' सिराज की गेंदबाजी पहली पारी की तुलना में दूसरी पारी में बेहतर रही।

उन्होंने कहा, 'पहली पारी में, पिच फ्रेश लग रही थी, इसलिए मैंने बहुत तेज गेंदबाजी करने की कोशिश की।

यूएस ओपनः सबालेंका ने पेगुला को हराकर फाइनल में जगह बनाई

लगातार तीसरे खिताब से एक जीत दूर

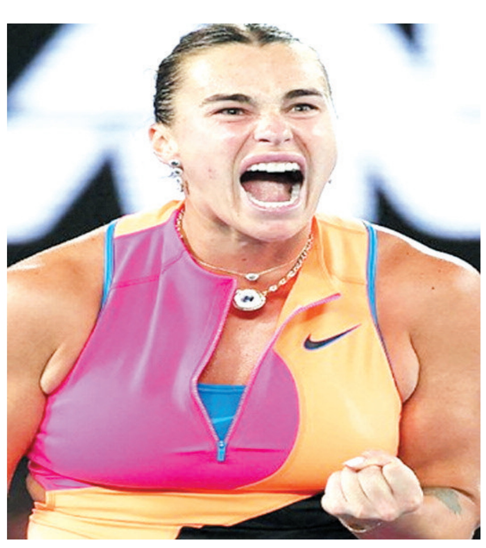

न्यूयॉर्क । टॉप सीड एरिना सबालेंका लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने से मात्र एक जीत दूर हैं। टॉप सीड एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में तीसरी सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के फाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में एरिना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सबालेंका ने अपने शानदार सर्विस गेम और जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक से पेगुला को कभी भी मुकाबले में आने ही नहीं दिया। हार के साथ ही पेगुला का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना टूट गया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने ज्यादा कुछ नहीं दिया, शानदार सर्व करते हुए मैच को 12वें गेम तक सर्व पर बनाए रखा, जिसमें सबालेंका 6-5 से आगे थीं। सबालेंका के जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक के बाद पेगुला 0-40 से पीछे हो गईं और अंततः पहला सेट एरिना के नाम रहा। उन्होंने दूसरे सेट में भी मोमेंटम बनाए रखा, पेगुला के संदिग्ध दूसरे सर्व पर अटैक किया और कॉर्नर में लेजर फोरहैंड मारकर 3-1 की बढ़त के लिए जरूरी ब्रेक हासिल किया।

आठवें गेम तक बाकी सेट सर्व पर ही चला, जब पेगुला ने मैच पॉइंट देने के लिए लंबा रिटर्न मारा। सबालेंका ने एक और जबरदस्त फोरहैंड मारकर जीत पक्की कर दी। साबालेंका ने अपनी जीत में सात एस और 29 विनर लगाए।

राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास

न्यूयॉर्क । पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा। 2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरैक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि

टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं।

राम और उनके लंबे समय के डबल्स पार्टनर सैलिसबरी टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे जोड़ी हैं जिन्होंने मेन्स डबल्स में तीन बार जीत हासिल की है। इंडियाना के रहने वाले राम ने लगातार 26 बार यूएस ओपन पुरुष डबल्स खेला है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। राजीव राम ने सेमीफाइनल के बाद कहा, 'वह इस खेल को अलविदा कहने का इससे बेहतर तरीका सोच भी नहीं सकते थे।'

यूएसओपन.ओआरजी से बात करते हुए राजीव राम ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मेरा परिवार, मेरी पत्नी और मेरी मां वहां थीं।

सबालेंका के खिलाफ फाइनल में पूरी ऊर्जा के साथ उतरना होगा: एलेना

न्यूयॉर्क । यूएस ओपन 2026 महिला एकल का फाइनल दुनिया की नंबर 1 एलेना रायबाकिना और नंबर 2 एरिना सबालेंका के बीच रविवार (आईएसटी के मुताबिक) को होना है। रायबाकिना पहली बार फाइनल में पहुंची हैं, जबकि सबालेंका लगातार अपना तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं। सेमीफाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका के साथ होने वाले फाइनल को लेकर रायबाकिना ने कहा, 'मुझे सबालेंका के खिलाफ

अपनी पूरी ऊर्जा लगानी होगी। हम कई बार खेले हैं। हमने पहले भी अभ्यास किया है। वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'उनके साथ मानसिक और शारीरिक रूप से खेलना मुश्किल है। उनका गेम बड़ा है, सर्व बड़ा है, और मुझे अपनी पूरी ऊर्जा के साथ आना होगा। एरिना के खिलाफ अपनी बेस्ट सर्व लानी होगी और सही समय पर सही फैसले लेने होंगे क्योंकि ज्यादातर समय स्कोर टाइट होता है और यहीं पर फैसले से फर्क पड़ता है। हम देखेंगे कि क्या होने वाला है, लेकिन मैं निश्चित रूप से अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन । जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद

में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई।

हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया।

डब्ल्यूबीबीएल सीजन 12: एडिलेड स्ट्राइकर्स में लौटीं सोफी एक्लेस्टोन, ऐसा रहा इनका रिकॉर्ड

एडिलेड । इंग्लैंड की स्टार खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन 12 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी करेंगी। 27 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने पिछले सीजन में स्ट्राइकर्स के लिए डेब्यू किया था और वह एक बार फिर टीम की बॉलिंग लाइन-अप में अनुभव और गुणवत्ता जोड़ेंगी। विमेंस बिग बैश लीग का आगामी सीजन 29 अक्टूबर से 5 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। पहले मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स की टीमें आमने-सामने होंगी। एडिलेड स्ट्राइकर्स 31 अक्टूबर को कैरन रोल्टन ओवल में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

एक्लेस्टोन ने एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं टीम के साथ दोबारा जुड़ने और पिछले सीजन में हासिल की गई कामयाबियों को आगे बढ़ाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम अगला कदम उठाने और फाइनल में जगह बनाने की कोशिश के लिए खुद को मजबूत स्थिति में लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

' स्ट्राइकर्स के कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा कि एक्लेस्टोन की वापसी से टीम को बहुत मजबूती मिलेगी। विलियम्स ने कहा, 'सोफी एक वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी हैं। उनका हुनर, अनुभव और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत उन्हें हमारी टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बनाती है।